MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 08 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-217

काम कम, शोर ज्यादा

लगातार हंगामे की भेंट चढा सत्र

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां)।
संसद के मानसून सत्र का तीसरा सप्ताह भी लगातार हंगामे की भेंट चढ़ गया। विपक्ष के शोर-शराबे और नारेबाजी के कारण शुक्रवार को लगातार पांचवें दिन लोकसभा की कार्यवाही सुचारु रूप से नहीं चल सकी। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। राज्यसभा की कार्यवाही भी विपक्ष के हंगामे के कारण सोमवार तक स्थगित कर दी गई। संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त तक प्रस्तावित है।

विपक्ष प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, चढ़ावा चोरी तथा नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों पर सरकार से जवाब और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहा है। हंगामे के कारण प्रश्नकाल भी पूरा नहीं हो सका, जिससे विधायी कार्य प्रभावित हुए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है।

सरकार ने विपक्ष को ठहराया जिम्मेदार

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद परिसर में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सदन में चर्चा बाधित होने के लिए सरकार नहीं, बल्कि विपक्ष की लगातार नारेबाजी जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि कई विधेयक पारित हुए हैं, लेकिन हंगामे के कारण चर्चा का समय प्रभावित हुआ है।

रिजिजू ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह सुबह से देर रात तक सदन में उपस्थित रहते हैं और किस मंत्री को कब बोलना है, इसका निर्णय सदन की प्रक्रिया के अनुसार होता है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री जब अपना वक्तव्य देंगे, तब विपक्ष को उसे सुनना चाहिए।

संसद परिसर में तेज हुई राजनीतिक गतिविधियां

दिनभर संसद परिसर में राजनीतिक गतिविधियां भी तेज रहीं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की। वहीं शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर पंजाब की कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता जताई।

इसी दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने संसद में भारत-पाकिस्तान संबंधों पर सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि आतंकवाद समाप्त होने तक दोनों देशों के संबंध सामान्य नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित करने, अटारी सीमा चौकी बंद करने, वीजा प्रतिबंध लगाने तथा राजनयिक मिशनों की संख्या कम करने सहित कई कदम उठाए हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि डीजीएमओ स्तर की वार्ता, मिसाइल परीक्षण की पूर्व सूचना और कुछ सीमित राजनयिक संपर्क अभी भी जारी हैं।

प्रधानमंत्री ने सांसदों को सक्रिय भूमिका निभाने की सलाह दी

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद परिसर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लगभग 45 सांसदों के साथ नाश्ता बैठक की। उन्होंने सांसदों से संसदीय बहसों में सक्रिय भागीदारी करने, संसदीय परंपराओं का अध्ययन करने तथा अपने-अपने क्षेत्रों के विकास कार्यों पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी विकास परियोजना में समस्या आने पर सांसद सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने लोकतंत्र के सर्वोच्च मंच संसद की कार्यवाही बाधित होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार हंगामे के कारण नए सांसदों को अपनी बात रखने का अवसर नहीं मिल पा रहा है और सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए आवश्यक है।

प्रधानमंत्री से मिले एकनाथ शिंदे

परिसीमन हलचल

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां)।
संसद में महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को पारित कराने की राजनीतिक कवायद के बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर स्थित कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

आधिकारिक तौर पर इस मुलाकात को महाराष्ट्र के विकास कार्यों तथा राज्य में वर्षा की स्थिति पर चर्चा बताया गया, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे सरकार द्वारा महत्वपूर्ण विधेयकों के समर्थन के लिए सहयोगी दलों को साथ लेने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

संविधान संशोधन के लिए दो-तिहाई बहुमत जरूरी

महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है। चार माह पहले लोकसभा में प्रस्तुत किए गए विधेयक को आवश्यक संख्या बल नहीं मिल सका था। उस समय विधेयक के पक्ष में 298 और विरोध में 230 मत पड़े थे, जिसके कारण इसे पारित नहीं कराया जा सका।

हाल ही में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के छह सांसद शिंदे गुट में शामिल हुए हैं, जिससे लोकसभा में शिवसेना (शिंदे) के सांसदों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। इसके साथ ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का संख्या बल 299 तक पहुंच गया है। सरकार अन्य क्षेत्रीय दलों का समर्थन जुटाने के प्रयास में भी लगी हुई है।

2029 से महिला आरक्षण लागू करने की तैयारी

सरकार का लक्ष्य वर्ष 2029 के आम चुनाव से महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रभावी रूप से लागू करना है। इसके साथ ही परिसीमन की प्रक्रिया पूरी कर लोकसभा की कुल सीटों की संख्या 816 तक बढ़ाने की योजना पर भी काम किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस संबंध में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी दलों तथा शिंदे गुट के सांसदों के साथ चर्चा कर उनके संसदीय क्षेत्रों के विकास कार्यों की भी समीक्षा की। ▶8पर

इजरायली मीडिया का दावा

खामेनेई का इंतकाल?

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां)।
इजरायली मीडिया की रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता मुज्तबा खामेनेई की तबीयत बेहद गंभीर है और उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चैनल-14 ने ईरान के अंदरूनी सूत्रों तथा जेरूसलम पोस्ट की पूर्व प्रकाशित रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि ईरान के सत्ता प्रतिष्ठान में उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चर्चाएं तेज हैं। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि यदि उनके शहीद होने की खबर आती है तो यह आश्चर्यजनक नहीं होगा। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और ईरान की ओर से भी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।रिपोर्ट के अनुसार, मुज्तबा खामेनेई ने 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त सैन्य हमलों में अपने पिता के मारे जाने के बाद सर्वोच्च नेता का पद संभाला था। पदभार ग्रहण करने के बाद से वे सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं और केवल लिखित संदेशों के माध्यम से ही संवाद कर रहे हैं।

रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि शुरुआती हमलों में वे घायल हो गए थे तथा उनके चेहरे पर भी गंभीर चोटें आई थीं। इसी कारण सुरक्षा कारणों से वे सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहे और वरिष्ठ अधिकारियों से सीमित माध्यमों से संपर्क बनाए रखा।

राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सरकारी टेलीविजन को दिए एक साक्षात्कार में स्वीकार किया था कि इस समय मुज्तबा खामेनेई से सीधे संपर्क करना आसान नहीं है। इसी बीच अंतरराष्ट्रीय मीडिया में उनके ठिकाने और स्वास्थ्य को लेकर लगातार विभिन्न प्रकार के दावे किए जा रहे हैं। ▶8पर

देवा रे देवा!

गणेश लड्डू की आड़ में ठगी

ओमप्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 07 अगस्त।
हैदराबाद के प्रतिष्ठित मायहोम भूजा अपार्टमेंट में रहने वाले दो लोगों, कोंडापल्ली गणेश और किरण, पर निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की कथित ठगी करने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ितों का दावा है कि दोनों ने पहले अपार्टमेंट के निवासियों का भरोसा जीतने के लिए सुनियोजित तरीके से अपनी छवि एक बड़े और संपन्न कारोबारी के रूप में बनाई।

प्रतिमातक चित्र : आरोपियो ने विश्वास जीता, और निवेश के नाम 6% लाभ , फिर फरार और बाद मे पिड़ितो ने स्थानीय पुलिस थाना मे रिपोर्ट दर्ज करवाई !

जानकारी के अनुसार, गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपार्टमेंट परिसर में आयोजित गणेश लड्डू की नीलामी में दोनों ने 51 लाख रुपये की रिकॉर्ड बोली लगाकर लड्डू खरीदा। इस घटना के बाद वे न केवल अपार्टमेंट परिसर में बल्कि राज्यभर में चर्चा का विषय बन गए। महंगी बोली लगाने के कारण अधिकांश लोगों ने उन्हें आर्थिक रूप से बेहद सक्षम और भरोसेमंद व्यक्ति मान लिया।

आरोप है कि इसी विश्वास का लाभ उठाते हुए दोनों ने निवासियों और परिचितों को रियल एस्टेट तथा अन्य व्यावसायिक योजनाओं में निवेश करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने निवेशकों को हर महीने 6 प्रतिशत तक का आकर्षक लाभ देने का दावा किया, जिससे कई लोग उनकी बातों में आ गए।

पीड़ितों के अनुसार, एक दंपति ने उन पर भरोसा कर 31 लाख रुपये निवेश किए। शुरुआत में दोनों ने लाभ और रकम लौटाने का भरोसा दिलाया, लेकिन बाद में लगातार टालमटोल करते रहे। समय बीतने के बावजूद जब पैसा वापस नहीं मिला तो निवेशकों को संदेह हुआ और उन्होंने दोनों के बारे में जानकारी जुटानी शुरू की।

इसी दौरान पता चला कि गणेश और किरण अपार्टमेंट के कई अन्य लोगों से भी बड़ी रकम निवेश के नाम पर ले चुके थे। आरोप है कि इसके बाद दोनों ने मायहोम भूजा स्थित अपना फ्लैट खाली कर दिया और बिना किसी को सूचना दिए वहां से चले गए।

मामला सामने आने के बाद एक-एक कर कई पीड़ित सामने आए। पीड़ितों का दावा है कि दोनों ने अलग-अलग लोगों से कुल मिलाकर लगभग 4 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं। इनमें कई सेवानिवृत्त कर्मचारी भी शामिल बताए जा रहे हैं, जिन्होंने अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी निवेश की थी।

जब दोनों से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उनके मोबाइल फोन बंद मिले और उनका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पीड़ितों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

संगीता ने वापस ली याचिका

तलाक़ में 'विजय'

चेंगलपट्टू (तमिलनाडु), 07 अगस्त (एजेंसियां)।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में दायर अपनी तलाक की याचिका वापस ले ली है। शुक्रवार को मामले की सुनवाई के दौरान संगीता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में उपस्थित हुईं और न्यायाधीश सुजाता को याचिका वापस लेने की जानकारी दी।

न्यायाधीश ने लगभग 15 मिनट तक उनसे बातचीत करने के बाद याचिका वापसी स्वीकार कर ली और तलाक संबंधी प्रकरण समाप्त कर दिया। संगीता ने फरवरी 2026 में यह याचिका दायर की थी।

याचिका में संगीता ने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री विजय का एक अभिनेत्री के साथ विवाहेतर संबंध (एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर) है। उनका दावा था कि उन्हें इसकी जानकारी अप्रैल 2021 में मिली थी। हालांकि, उन्होंने अभिनेत्री का नाम सार्वजनिक नहीं किया था।

संगीता ने यह भी आरोप लगाया था कि उन्हें मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा, उनकी उपेक्षा की गई और परिस्थितियां ऐसी बन गईं कि दोनों एक ही घर में अलग-अलग रहने लगे। उन्होंने स्पेशल मैरिज एक्ट, 1954 के तहत तलाक की मांग की थी तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अभिनेत्री को भी मामले में पक्षकार बनाने की बात कही थी। तलाक की कानूनी प्रक्रिया 26 फरवरी 2026 को शुरू हुई थी और बाद में इसकी सुनवाई 20 अप्रैल तक स्थगित कर दी गई थी, जो तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से ठीक पहले की तारीख थी। चुनाव प्रचार के दौरान यह मामला काफी चर्चा में रहा। हालांकि, विजय और तृषा दोनों ने अपने संबंधों को लेकर कभी कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31⁰

न्यूनतम : 24⁰

थाईलैंड स्कूल में 'शूटिंग'

दादा-दादी समेत 8 को भूना

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां)।
थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के निकट स्थित डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल में शुक्रवार को 14 वर्षीय एक छात्र ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस घटना में तीन शिक्षकों और तीन छात्रों सहित छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हो गए। वारदात के बाद छात्र ने स्वयं को भी गोली मार ली। अस्पताल ले जाते समय उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार, स्कूल पहुंचने से पहले छात्र ने अपने घर में दादा और दादी की भी गोली मारकर हत्या कर दी थी। दोनों के शव बाद में घर से बरामद किए गए। इस तरह घटना में कुल आठ लोगों की जान गई।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हमले में प्रयुक्त 9 मिलीमीटर पिस्तौल छात्र के दादा की थी, जो पेशे से शिक्षक थे। पुलिस ने बताया कि छात्र ने पहले अपनी कक्षा में और फिर स्कूल परिसर में 20 से अधिक गोलियां चलाईं। आत्महत्या के बाद उसके पास से 30 जीवित कारतूस भी बरामद हुए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोलीबारी शुरू होते ही छात्र-छात्राओं ने कक्षाओं में छिपकर अपनी जान बचाई। बाद में पुलिस ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद पूरे स्कूल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ▶8पर

प्रेमी संग पति की हत्या की साज़िश

सनम बेवफा!

खम्मम, 07 अगस्त (एजेंसियां)।
तेलंगाना के खम्मम जिले से पति-पत्नी के संबंधों से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। महबूबाबाद जिले के डोर्नाकल मंडल के चिलाकोडू गांव निवासी गाडे राजेश्वर राव ने आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी और उसके कथित प्रेमी ने उनकी हत्या की साजिश रची। उनका दावा है कि पत्नी के मोबाइल फोन में मिले व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम चैट से इस कथित साजिश का खुलासा हुआ। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, राजेश्वर राव का विवाह वर्ष 2016 में सूर्यापेट जिले के राघवापुरम गांव निवासी भवानी से हुआ था। दोनों के दो बच्चे हैं। राजेश्वर राव खम्मम के एक निजी अस्पताल में कार्यरत हैं।

राजेश्वर राव का आरोप है कि उनकी पत्नी का सैदुलु नामक एक कूरियर डिलीवरी कर्मी के साथ विवाहेतर संबंध है। उनके अनुसार, 27 जुलाई को दोपहर में घर पहुंचने पर उन्होंने पत्नी को एक व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा, जिसके बाद उन्हें कथित संबंधों की जानकारी मिली।उन्होंने बताया कि अगले दिन 28 जुलाई को गांव के बुजुर्गों की मौजूदगी में पंचायत हुई। उनका आरोप है कि पंचायत के बाद जब वह अपने बड़े भाई को लेने जा रहे थे, तब सैदुलु उनका पीछा कर रहा था। हालांकि, वह सुरक्षित वहां से निकल गए। ▶8पर

नेपाल की संसद में काला चश्मा पहनकर पहुंचने पर रोक , स्पीकर का सभी से पालन करने का आग्रह

काठमांडू

नेपाल की संसद में कुछ समय से सदस्यों के पहनावे और खासतौर पर काले चश्मे को लेकर चल रही बहस अब औपचारिक निर्देश तक पहुंच गई है। प्रतिनिधिसभा के स्पीकर डोल प्रसाद अर्याल ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह, गृहमंत्री सुधन गुरूंग, भौतिक पूर्वाधार मंत्री सुनिल लम्साल और अन्य सांसदों सहित सभी सदस्यों से संसद की बैठकों में काला चश्मा न पहनने और निर्धारित ड्रेस कोड का पालन करने को कहा है।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के निर्वाचित कई सांसद और मंत्री संसद की बैठकों में काला चश्मा पहनकर पहुंचते रहे हैं। विपक्षी सांसदों ने कई बार इसे संसदीय गरिमा और मर्यादा के प्रतिकूल बताया है। स्पीकर के निजी सचिव नवराज पाण्डे के अनुसार, निर्देश में कहा गया है कि सांसद निर्धारित पोशाक पहनें, सांसद का आधिकारिक लोगो लगाएं, लेकिन काला चश्मा लगाकर सदन में उपस्थित न हों। यह कदम संसद की गरिमा बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

कार्यव्यवस्था परामर्श समिति की बैठक में सांसदों के अनुशासन, उपस्थिति, पोशाक और संसदीय आचरण पर विस्तृत चर्चा हुई। स्पीकर ने विभिन्न दलों के मुख्य सचेतकों और सचेतकों से ड्रेस कोड लागू कराने में सक्रिय भूमिका निभाने को कहा।

इसी दौरान नेपाली कांग्रेस की सांसद वासना थापा ने सवाल उठाया कि जब प्रधानमंत्री स्वयं काला चश्मा पहनकर सदन में आते हैं, तब नियमों का पालन कैसे सुनिश्चित होगा। इस पर सभापति ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री भी किसी राजनीतिक दल से जुड़े हैं और संबंधित दल के मुख्य सचेतक तथा सचेतक उन्हें आवश्यक निर्देश दे सकते हैं।

बैठक में आरएसपी की सचेतक क्रान्तिशिखा धिताल ने कोट और आधिकारिक लोगो को अनिवार्य बनाने की बात रखी। राष्ट्रपति की उपस्थिति वाले दिन या अन्य विशेष समारोहों में ड्रेस कोड पहले से लागू होने का उदाहरण भी दिया गया।

नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्य सचेतक युवराज दुलाल के अनुसार, स्पीकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब ड्रेस कोड, लोगो और संसदीय मर्यादा के मामलों में कोई एक्सक्यूज स्वीकार नहीं किया जाएगा और नियम सभी के लिए समान होंगे।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल-चीन व्यापार मार्ग के सीमा क्षेत्र में भूस्खलन, सशस्त्र पुलिस की बीओपी को नुकसान

काठमांडू। नेपाल-चीन सीमा के सबसे व्यस्त व्यापारिक नाका सिंधुपालचोक जिले की भोटेकोशी तातोपानी क्षेत्र में भूस्खलन होने से सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के सीमा सुरक्षा बेस (बीओपी) को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, इस घटना में किसी भी प्रकार की मानवीय क्षति नहीं हुई है। सशस्त्र प्रहरी बल के अनुसार, बीओपी के उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थित लगभग 200 से 300 मीटर ऊंची पहाड़ी से भूस्खलन हुआ। भूस्खलन के साथ बड़े-बड़े पत्थर बीओपी परिसर तक आ पहुंचे, जिससे वहां की विभिन्न संरचनाओं को नुकसान पहुंचा। भूस्खलन के कारण पहली पंक्ति की बैरक की एक खिड़की का शीशा टूट गया, जबकि दूसरी पंक्ति की बैरक की दीवार और टीन की छत में कई जगह छेद हो गए। इसके अलावा, एक ड्यूटी पोस्ट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि दूसरी ड्यूटी पोस्ट को आंशिक नुकसान पहुंचा है। परिसर में लगा राष्ट्रीय ध्वज का पोल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सशस्त्र प्रहरी बल ने बताया कि इस दौरान बाथरूम, भंडार स्टोर भवन तथा मुख्य प्रवेश द्वार के सामने बनी सीढ़ियों को भी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी सुरक्षाकर्मी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है ।

स्वस्थ रहने के लिए महत्वपूर्ण है अनुशासित जीवनशैली

टोक्यो। स्वस्थ और फिट रहने के लिए महंगी सुविधाओं से कहीं अधिक महत्वपूर्ण एक अनुशासित जीवनशैली है। जापान से आई एक भारतीय महिला का वायरल वीडियो यह संदेश देता है। महिला की अच्छी वाला यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है। महिला ने जापान के ग्रामीण क्षेत्रों की दिनचर्या दिखाते हुए बताया कि वहां के लोग सरल जीवन, संतुलित भोजन और नियमित दिनचर्या का पालन करके लंबे समय तक स्वस्थ और ऊर्जावान बने रहते हैं। यह जीवनशैली शहरी भागदौड़ और तनाव से बिल्कुल अलग है, जो आधुनिक जीवन की चुनौतियों का एक सरल समाधान प्रस्तुत करती है। महिला के अनुसार, जापान के गांवों में शाम होते ही अधिकांश लोग अपने काम निपटाकर घर लौट आते हैं। वे रात में जल्दी भोजन कर समय पर सो जाते हैं और सुबह सूर्योदय के साथ अपने दिन की शुरुआत करते हैं। गांवों की यह शांत और व्यवस्थित जीवनशैली शहरों से बिल्कुल अलग है, जहां देर रात तक काम, ट्रैफिक का दबाव और तनाव आम बात है। ग्रामीण इलाकों में खेती, बागवानी, मछली पालन और अन्य शारीरिक कार्य लोगों को पूरे दिन सक्रिय बनाए रखते हैं, जिससे उन्हें अलग से जिम जाने या कठोर व्यायाम करने की आवश्यकता महसूस नहीं होती। उनका शरीर प्राकृतिक रूप से सक्रिय रहकर ही स्वस्थ बना रहता है। जापानी ग्रामीण लोग ताजा और घर का बना भोजन पसंद करते हैं। उनकी थाली में मौसमी सब्जियां, चावल, मछली, सूप और पारंपरिक जापानी व्यंजन शामिल होते हैं, जो पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

मुर्गियों के पंखों का रंग एमसी1आर नामक जीन से होता है नियंत्रित

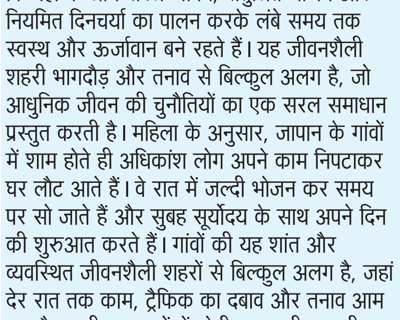

टेक्सस। मुर्गियों के पंखों का रंग मुख्य रूप से एमसी1आर नामक जीन से नियंत्रित होता है। इसी जीन में समय के साथ होने वाले बदलावों के कारण आज विभिन्न रंगों की मुर्गियां देखने को मिलती हैं। यही वजह है कि एक ही प्रजाति से संबंध रखने के बावजूद मुर्गियों के पंखों के रंगों में इतना अंतर होता है। टेक्सस ए एंड एम कालेज आफ वेटरनरी मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में पाया है कि दक्षिण-पूर्व एशिया में पाए जाने वाले जंगली रेड जंगलफाउल से लेकर आधुनिक घरेलू मुर्गियों तक के विकासक्रम को समझने में यह अध्ययन महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। साथ ही, इससे पोल्ट्री उद्योग और प्रजनन कार्यक्रमों में भी नई जानकारी मिलने की उम्मीद है। अध्ययन में बताया गया है कि एमसी1आर जीन पिगमेंट कोशिकाओं पर मौजूद एक जैविक स्विच की तरह कार्य करता है। जब यह सक्रिय होता है तो कोशिकाएं गहरे काले और भूरे रंग के पिगमेंट का निर्माण करती हैं, जबकि इसकी सक्रियता कम होने पर लाल और पीले रंग के पिगमेंट बनने लगते हैं।

कनाडा में भारतीय युवाओं को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क, स्टूडेंट वीजा से गैंग नेटवर्क तक पर है नजर

टोरंटो

कनाडा में पढ़ाई का सपना देखने वाले भारतीय छात्रों के बीच एक रिपोर्ट ने इमिग्रेशन व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ संगठित आपराधिक नेटवर्क कथित तौर पर स्टडी और वर्क परमिट के रास्ते लोगों को कनाडा पहुंचाकर अपनी गतिविधियों में इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट में कनाडा बार्डर सर्विसेज एजेंसी (सीबीएसए) की एक इंटेलिजेंस रिपोर्ट का हवाला देते हुए भारत में जेल में बंद गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई से जुड़े अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क पर चिंता जताई गई है। इसमें कहा गया है कि कुछ भारतीय नागरिक, जो पढ़ाई या काम के लिए कनाडा पहुंचे थे, कथित तौर पर जबरन वसूली, हिंसा और अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े पाए गए हैं।

इस मामले में गोल्डी बराड़ का नाम प्रमुखता से सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, बिश्नोई का करीबी माने जाने वाला बराड़ 2017 में स्टूडेंट वीजा के जरिए कनाडा पहुंचा था। उसने ब्रिटिश कोलंबिया की एक यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के लिए प्रवेश लिया था। बाद में उस पर कनाडा में बिश्नोई नेटवर्क को मजबूत करने के आरोप लगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, जांच एजेंसियों की चिंता यह है कि कुछ युवाओं को पहले वैध इमिग्रेशन माध्यमों से कनाडा भेजा गया और बाद में कथित तौर पर अपराधी नेटवर्क में शामिल किया गया। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय छात्रों का बड़ा समुदाय अपराध से जुड़ा है। ऐसे मामलों में आरोपी लोगों की संख्या कुल भारतीय छात्रों की तुलना में बहुत कम बताई गई है। रिपोर्ट में 2016 से 2024 के बीच भारतीय स्टडी परमिट धारकों से जुड़े आपराधिक मामलों में तेज बढ़ोतरी का दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि कुछ वर्षों के दौरान हजारों आरोप दर्ज किए गए, जिनमें कुछ गंभीर अपराधों से संबंधित थे। हालांकि इन आंकड़ों और दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। कनाडाई एजेंसियां अब यह जांच कर रही हैं कि संदिग्ध लोगों को देश में प्रवेश दिलाने में किस तरह की मदद मिली, दस्तावेजों की प्रक्रिया कैसे पूरी हुई और वहां पहुंचने के बाद वे किन नेटवर्क से जुड़े।

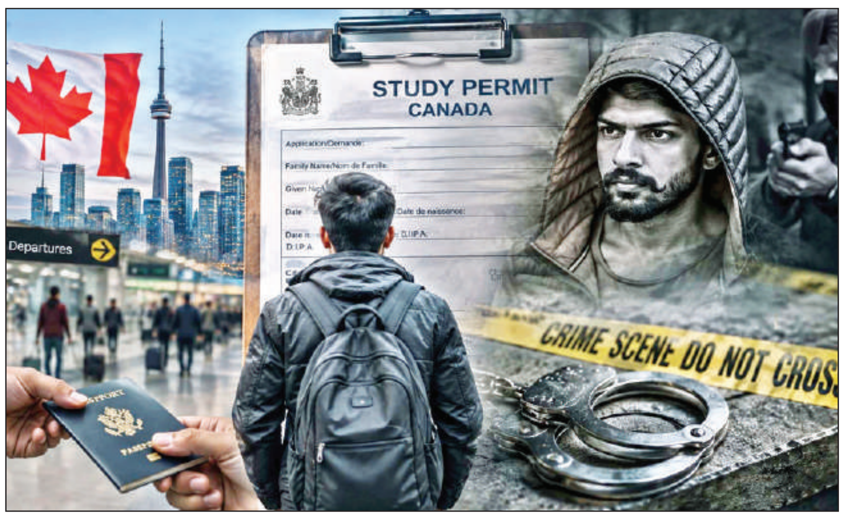

इटली में घटती जन्मदर बनी चिंता का कारण

रोम। इटली इन दिनों एक बड़े सामाजिक और जनसांख्यिकीय बदलाव के कारण चर्चा में है। यहां पालतू जानवरों की संख्या बच्चों से कई गुना अधिक हो गई है। विशेषज्ञों की माने तो यह केवल जीवनशैली में बदलाव का संकेत नहीं, बल्कि घटती जन्मदर और बदलती पारिवारिक प्राथमिकताओं का भी स्पष्ट प्रमाण है। यही कारण है कि यह स्थिति सरकार, समाजशास्त्रियों और जनसंख्या विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। इटली के पालतू पशु उद्योग संगठन अस्साल्को के अनुमान के अनुसार, देश में लगभग 5.36 करोड़ पालतू जानवर हैं। इनमें करीब 2.5 करोड़ मछलियां, लगभग 1.1 करोड़ बिल्लियां और 91 लाख कुत्ते शामिल हैं। इसके अलावा पक्षियों, खरगोशों और अन्य छोटे पालतू जीवों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। इसके विपरीत, देश में 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की संख्या केवल लगभग 76 लाख रह गई है। यह अंतर दर्शाता है कि इटली में पारिवारिक ढांचे और सामाजिक प्राथमिकताओं में तेजी से बदलाव आ रहा है। आंकड़ों के अनुसार, इटली में हर वर्ष जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या घटकर लगभग 3.93 लाख रह गई है, जो हाल के वर्षों का सबसे निचला स्तर माना जा रहा है। देश की कुल प्रजनन दर भी घटकर प्रति महिला लगभग 1.18 बच्चे रह गई है, जबकि किसी भी देश की जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए यह दर करीब 2.1 होनी चाहिए। इतनी कम जन्मदर भविष्य में आबादी घटने और बुजुर्गों की संख्या बढ़ने जैसी चुनौतियों का संकेत देती है। विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक अनिश्चितता, महंगे मकान, बढ़ती महंगाई और रोजगार की अस्थिरता के कारण बड़ी संख्या में युवा विवाह और माता-पिता बनने का निर्णय टाल रहे हैं। इसके साथ ही आधुनिक जीवनशैली, करियर पर बढ़ता ध्यान, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और यात्रा जैसी प्राथमिकताएं भी परिवार बढ़ाने के फैसले को प्रभावित कर रही हैं। इसी बीच, इटली में पालतू जानवरों को परिवार का हिस्सा मानने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 54.5 प्रतिशत परिवारों के पास कम से कम एक पालतू जानवर है।

हवा में ही चार्ज होंगे ड्रोन, बदलेगी निगरानी और डिलीवरी की दुनिया

बीजिंग

ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। चीन के वैज्ञानिकों ने ऐसी प्रणाली विकसित की है, जिसमें उड़ते हुए ड्रोन को जमीन पर उतारे बिना ही लेजर बीम के जरिए ऊर्जा दी जा सकती है। इस तकनीक के सफल होने पर ड्रोन लंबे समय तक लगातार उड़ान भर सकेंगे और बार-बार बैटरी चार्ज करने की जरूरत कम हो जाएगी।

इस नई प्रणाली को चीन की सिविल एविएशन यूनिवर्सिटी और सिंगहुआ यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने विकसित किया है। वैज्ञानिकों ने एक छोटे ड्रोन के नीचे विशेष रिसीवर लगाया, जो सौर पैनल की तरह काम करता है। इस रिसीवर पर हरे रंग की उच्च-शक्ति वाली लेजर किरण डाली गई, जिसे उसने प्रकाश ऊर्जा से विद्युत ऊर्जा में बदल दिया। इस ऊर्जा से ड्रोन के प्रोपेलर को चलाने में सफलता मिली।

शोधकर्ताओं के अनुसार, यह सिस्टम लेजर से मिलने वाली ऊर्जा का करीब 38.5 प्रतिशत हिस्सा बिजली में बदलने में सक्षम रहा है। इसे लेजर आधारित वायरलेस पावर ट्रांसफर तकनीक के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। हालांकि,

चीन ने विकसित की लेजर से ऊर्जा देने वाली तकनीक

शुरुआती परीक्षणों में वैज्ञानिकों के सामने कई चुनौतियां भी आईं। तेज लेजर किरण के कारण ड्रोन का रिसीवर 80 से 90 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो गया, जिससे सिस्टम की कार्यक्षमता प्रभावित हुई। इस समस्या को दूर करने के लिए रिसीवर में विशेष सेमीकंडक्टर नैनोक्रिस्टल का इस्तेमाल किया गया, जिससे गर्मी को नियंत्रित करने में मदद मिली। इसके अलावा, ड्रोन के प्रोपेलर से पैदा होने वाली हवा ने भी कूलिंग में योगदान दिया।

अगर यह तकनीक पूरी तरह विकसित हो जाती है तो इसका इस्तेमाल कई क्षेत्रों में किया जा सकता है। जंगलों की लंबे समय तक निगरानी, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत और बचाव अभियान, सैन्य निगरानी और लंबी दूरी तक सामान पहुंचाने जैसे कामों में ऐसे ड्रोन बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। फिलहाल यह तकनीक शुरुआती चरण में है और इसे वास्तविक परिस्थितियों में बड़े पैमाने पर परीक्षण की जरूरत है।

ईरान की चेतावनी, अमेरिकी हमले नहीं रुके तो खाड़ी क्षेत्र के ऊर्जा ढांचे पर होगी कार्रवाई

तेहरान। ईरान ने खाड़ी देशों से आग्रह किया है कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर दबाव बनाकर ईरान पर संभावित सैन्य हमलों को रुकवाएं। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका ने ईरान के ऊर्जा एवं अन्य महत्वपूर्ण ढांचे पर हमला किया, तो तेहरान खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा प्रतिष्ठानों और अन्य रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाएगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने हाल के दिनों में खाड़ी देशों के साथ उच्चस्तरीय राजनयिक संपर्कों के दौरान यह संदेश दिया। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि संभावित जवाबी कार्रवाई में तेल एवं गैस प्रतिष्ठान, रिफाइनरी, बिजली और जल आपूर्ति नेटवर्क, परिवहन ढांचा तथा अन्य महत्वपूर्ण अवसंरचनाएं शामिल हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने खाड़ी देशों से अमेरिका के साथ अपने प्रभाव का उपयोग कर सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत और कूटनीतिक समाधान का रास्ता अपनाने की अपील की।

ईरान के केशम द्वीप के आसपास धमाके, होर्मुज में हालात नाजुक

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान के केशम द्वीप के आसपास हुए ताजा धमाकों से होर्मुज जलडमरूमध्य में हालात फिर से नाजुक हो गए हैं। यह धमाके एक तरह से तेहरान के लिए चेतावनी हैं। ईरान इस समय दुश्मन के जहाजों पर रोक लगाने के लिए विधेयक तैयार कर रहा है। ईरानी संसद ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण मजबूत करने के लिए प्रस्तावित विधेयक पर चर्चा की है। प्रस्तावित विधेयक के अनुसार, अमेरिका और इजराइल जैसे देशों के जहाजों के इस जलमार्ग से गुजरने पर रोक लगाई जाएगी। इस नियम का उल्लंघन करने पर जुर्माना वसूला जाएगा।

गल्फ न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट में ईरान की समाचार एजेंसी तस्नीम के हवाले से यह जानकारी दी गई है। इस बीच ईरानी संसद के अध्यक्ष और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बागेर गालिबफ ने सोशल मीडिया पर ईरान और अमेरिका के बीच भरोसे की कमी के मुद्दे पर फिर से टिप्पणी की है। उन्होंने वाशिंगटन पर कभी सैन्य धमकी देने तो कभी कूटनीति की बात करने का आरोप लगाया है। ईरान के खुफिया मंत्रालय ने घोषणा की है कि किरमान प्रांत में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए काम करने के आरोप में 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के होर्मोजगन प्रांत में स्थित दक्षिणी केशम द्वीप पर दो धमाके हुए हैं। यह धमाके होर्मोज जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार पर किए गए। बताया गया है कि इससे पहले ईरानी सशस्त्र बलों की दुश्मन की सेना के साथ मुठभेड़ हई। होर्मोजगन के राजनीतिक, सुरक्षा और सामाजिक मामलों के डिप्टी गवर्नर अहमद नफीसी के हवाले से कहा गया है कि अधिकारी धमाकों की वजह पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं। इससे पहले सऊदी अरब के अल-हदाथ और अल-अरबिया न्यूज चैनल ने खबर दी कि ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को 60 दिनों के लिए फिर से खोलने के समझौते की रूपरेखा पर सहमति बन गई है। चीन की शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते को अभी ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की मंजूरी मिलनी बाकी है। इस समझौते के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश करने वाले जहाज ईरान के पास वाले रास्ते का इस्तेमाल करेंगे। बाहर निकलने वाले जहाज ओमान के नजदीक वाले रास्ते से गुजरेंगे। इनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। परिषद की मंजूरी मिलने के बाद अमेरिका और ईरान अपने शांति समझौते पर लौटते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य से कमर्शियल जहाजो की सुरक्षित आवाजाही और उसे फिर से खोलने की घोषणा करेंगे। कहा जा रहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थों के जरिए संपर्क बना हुआ है। यह बातचीत अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि ईरान के साथ जंग जल्द खत्म हो जाएगी। इस बीच ईरान ने तेहरान में आंतरिक सुरक्षा बढ़ा दी है।

यमन के सरकारी सैन्य शिविरों पर हूती ने बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, हाहाकार, सैकड़ों जवानों के हताहत होने का दावा

सना (यमन)

यमन में हूती (अंसार अल्लाह) विद्रोहियों के किए गए भीषण हमले में कम से कम 30 से 45 सैनिक मारे गए। हूती विद्रोहियों ने मारिब और हद्रमौत प्रांतों में सरकारी सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन दागकर हमलों को अंजाम दिया। इन हमलों में घायल सैनिकों की संख्या 50 से ज्यादा बताई जा रही है। हूती ने हताहत सरकारी सैनिकों की संख्या सैकड़ों में बताई है। हूती यमन का चरमपंथी, राजनीतिक और सैन्य संगठन है। यह मुख्य रूप से यमन के उत्तरी हिस्से के जैदी शिया मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करता है। इसे ईरान का सीधा समर्थन प्राप्त है। अमेरिका, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात हूती को आतंकी संगठन घोषित कर चुके हैं।

यमन की न्यूज एजेंसी सबा के एक्स हैंडल और अल जजीरा की वेबसाइट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी अधिकारी हताहत सैनिकों की संख्या 45 से अधिक बता रहे हैं। अप्रैल 2022 के युद्धविराम के बाद इसे यमन में सबसे घातक सैन्य तनाव माना जा रहा है।

यमन में हूती विद्रोहियों और सरकारी सेना के बीच लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। पिछले कुछ वर्षों में हूती विद्रोहियों का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। कहा जा रहा है कि हूती विद्रोहियों ने सरकारी सेना के शिविरों पर ताबड़तोड़ आठ बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे। इससे सैन्य शिविरों में हाहाकार मच गया।

शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया कि हूती के हमले में 30 सैनिक मारे गए। बाद में बताया गया कि जान गंवाने वाले सैनिकों की संख्या लगभग 38 है। यह संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हूती

ने आधिकारिक रूप से इस हमले की जिम्मेदारी भी ली है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, हूती के हमले में घायल 50 से ज्यादा सैनिकों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कई घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

हूती के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी का दावा है कि उनके हमले में सैकड़ों सरकारी सैनिक मारे गए हैं। उनके हमले में यमन की सरकारी सेना के शिविरों, हथियार डिपो और वाहनों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

यमन की सरकारी सेना ने इन हमलों की पुष्टि की। सरकारी सैन्य सूत्रों के अनुसार, हूती विद्रोहियों ने मारिब के उत्तर में स्थित अल-जौफ प्रांत से आठ मिसाइलें दागीं। इससे जानमाल की भारी क्षति हुई। हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। हूती ने यमन की सरकारी होमलैंड शील्ड फोर्सेज, इमरजेंसी फोर्सेज और हदरमौत में फर्स्ट मिलिट्री रीजन के शिविरों को निशाना बनाया। होमलैंड शील्ड फोर्सेज का गठन 2022 में सऊदी अरब के सहयोग से किया गया था। यह फोर्स मारिब-हदरमौत सीमा और सऊदी सीमा की सुरक्षा करती है। इस फोर्स ने इस साल की शुरुआत में सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल की सेनाओं के खिलाफ लड़ाई लड़ी। इमरजेंसी फोर्सेज का गठन 2025 के आखिर में राष्ट्रपति के आदेश और सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन की देखरेख में किया गया था। ये फोर्स अल-जौफ और हद्रमौत में जमीनी सीमा की रक्षा करने के साथ हूती से सीधा मोर्चा लेती है। फर्स्ट इमरजेंसी डिवीजन कमांड ने बताया कि हताहतों की संख्या ज्यादा हो सकती है, क्योंकि सैनिक ट्रेनिंग एक्सरसाइज के लिए इकट्ठा हुए थे। यमन में राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष और सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर डा. रशाद मोहम्मद अल-अलीमी के कार्यालय ने हमले की पुष्टि की है। कार्यालय के बयान में कहा गया है कि स्थिति पर चौबीस घंटे बारीकी से नजर रखी जा रही है। गठबंधन सेना के आधिकारिक प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने एक्स पर शहीद सैनिकों के परिवारों और रिश्तेदारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने ख़राब मूड को शादीशुदा ज़िंदगी में तनाव का कारण न बनने दें। इससे बचने की कोशिश करें, नहीं तो बाद में पछताना पड़ेगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। जीवनसाथी की वजह से आपको बाहर जाना पड़ सकता है, जो बाद में आपकी झल्लाहट की वजह बनेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। जीवनसाथी से निकटता आज आपको ख़ुशी देगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। कोई दोस्त अपनी निजी समस्याओं के समाधान के लिए आपसे मश्वरा मांग सकता है। कार्यक्षेत्र की बात करें तो आपकी टीम का सबसे ज़्यादा खीझने वाला व्यक्ति काफ़ी समझदारी की बातें करता नज़र आ सकता है। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

गर्भवती महिलाओं को चलते-फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। अगर संभव हो तो ऐसे लोगों से दूर रहें जो धूम्रपान करते हैं, क्योंकि इससे पैदा होने वाले शिशु को नुक़सान हो सकता है। अपना कुछ समय दूसरों को देने के लिए अच्छा दिन है। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। किसी रिश्तेदार के यहा से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। प्यार का जज़्बा अनुभव के परे है, लम्बे समय से अटके फ़ैसलों को अमली जामा पहनाने में क़ामयाबी मिलेगी और नयी योजनाएँ आगे बढ़ेंगी। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने में मुश्किल आएगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। आज आप कोई नई पुस्तक ख़रीदकर किसी कमरे में ख़ुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उदास और अवसादग्रस्त न हों। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक समारोह में नए दोस्त बन सकते हैं। हालाँकि अपने चयन में सावधानी बरतें। अच्छे दोस्त उस ख़ज़ाने की तरह होते हैं, जिसे सारी ज़िंदगी दिल के क़रीब रखा जाता है।अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर-ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन ऐसी चीज़ों को ख़रीदने के लिए बढ़िया है, जिनकी क़ीमत आगे चलकर बढ़ सकती है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। भावनात्मक उथल-पुथल आपको परेशान कर सकती है। आपकी अन्दरूनी ताक़त कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 अगस्त 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी दोपहर 02:01 तक
नक्षत्र : रोहिणी सायं 04:52 तक
योग : ध्रुव 09:01 तक
करण : विष्टि दोपहर 02:01 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 03:49 तक
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 02:01,अमृत सिद्धि योग सायं 04:52 तक , गुरु तारा उदय रात्रि 11:55 से, चातुर्मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एसबीआई ने दर्ज किया अब तक का सर्वोच्च तिमाही शुद्ध लाभ 21,121 करोड़

जून 2026 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम

अब तक का सर्वोच्च तिमाही शुद्ध लाभ 21,121 करोड़, जो साल-दर-साल 10.23% अधिक है।

परिचालन लाभ साल-दर-साल 9.77% बढ़कर 33,529 करोड़ हो गया।

शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) साल-दर-साल 14.88% बढ़कर 46,992 करोड़ हो गई।

घरेलू शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) क्यू1एफवाइ27 में 3.00% रहा, जो क्यू4एफवाइ26 की तुलना में 7 बेसिस पॉइंट सुधरा।

मुंबई/हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्र के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने शुक्रवार दि. 07 अगस्त, 2026 को अपने क्यू1एफवाई27 के परिणाम घोषित किए।

बैंक के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए सी.एस. सेट्टी, अध्यक्ष, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, ने कहा कि एसबीआई में हमारी रणनीतिक दिशा एक सरल दर्शन द्वारा निर्देशित रहती है - डिजिटल फर्स्ट, कस्टमर फर्स्ट और नेशन ऑलवेज। इस तिमाही के दौरान हमने अपने प्रमुख ऑपरेशंस प्रोसेस री-इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट सारल का विस्तार जारी रखा, जिसका उद्देश्य ग्राहक यात्राओं को तेज, सरल और अधिक सुविधाजनक बनाना है। हमने वाणिज्यिक ग्राहकों को चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करने के लिए योनो बिजनेस पर एजेंटिक एआई-संचालित वर्चुअल असिस्टेंट योनो जी भी पेश किया। हमने अपने बिजनेस रूल इंजन एमएसएमई ड्रीम को 10 करोड़ तक के एसएमई ऋणों को कवर करने के लिए विस्तारित किया है, जिससे अंडरराइटिंग मानकों से समझौता किए बिना तेज और अधिक सुसंगत ऋण निर्णय संभव हो सके।

प्रौद्योगिकी हमारे जोखिम प्रबंधन ढांचे को भी मजबूत कर रही है। हमारे प्रेडिक्टिव स्ट्रेस मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म प्रिज्म के माध्यम से हम उधारकर्ता खातों में तनाव के शुरुआती संकेतों की पहचान करने के लिए आंतरिक और बाहरी स्रोतों का लाभ उठा रहे हैं। यह पहल प्रस्तावित अपेक्षित क्रेडिट लॉस फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन के लिए हमारी तैयारियों को भी बढ़ाती है। एसबीआई न केवल अगली तिमाही के लिए, बल्कि अगले दशक के लिए निर्माण कर रहा है।

हमारी सहायक कंपनियों ने भी मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है और अपने संबंधित क्षेत्रों में अग्रणी बनी हुई हैं। इस तिमाही के दौरान एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड की सफल लिस्टिंग एसबीआई समूह के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई और इसने इस बात को दोहराया कि हमारी सहायक व्यवसाय सभी हितधारकों के लिए मूल्य निर्माण जारी रखते हैं।

जैसे-जैसे हम 2030 में अपनी 75वीं वर्षगांठ की ओर बढ़ रहे हैं, हमारा ध्यान भविष्य के एसबीआई के निर्माण पर केंद्रित है।

सर्वोच्च तिमाही लाभ और मजबूत मार्जिन

बैंक ने अब तक का सर्वोच्च तिमाही शुद्ध लाभ 21,121 करोड़ दर्ज किया है। कर पश्चात लाभ साल-दर-साल 10.23% बढ़ा, जो उच्च परिचालन लाभ और 0.27% के निम्न क्रेडिट कॉस्ट से प्रेरित है। तिमाही के लिए परिचालन लाभ साल-दर-साल 9.77% बढ़कर 33,529 करोड़ हो गया, जबकि शुद्ध ब्याज आय साल-दर-साल 14.88% बढ़कर 46,992 करोड़ हो गई। बैंक ने स्वस्थ लाभप्रदता मेट्रिक्स बनाए रखे, जिसमें क्यू1एफवाई27 के लिए आरओए 1.11% और ठजए 17.87% रहा। बैंक ने मार्जिन में अपनी लचीलापन दिखाई, जिसमें तिमाही के लिए घरेलू एनआईएम 3.00% रहा, जो क्यू4एफवाई26 की तुलना में 7 बेसिस पॉइंट सुधरा। पूरे बैंक का एनआईएम क्यू1एफवाइ27 में 2.86% रहा, जो क्यू4एफवाइ26 की तुलना में 5 बेसिस पॉइंट सुधरा।

बैंक ने एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है, जिसमें कुल व्यवसाय 110 लाख करोड़ के पार पहुंच गया, जो अग्रिमों में 18.63% और जमा में 9.73% की मजबूत तथा व्यापक-आधारित साल-दर-साल वृद्धि से समर्थित है। एसबीआई का जमा फ्रेंचाइजी मजबूत और विविध बना रहा, जिसमें सीएएसए जमा में साल-दर-साल 9.30% वृद्धि दर्ज की गई। बैंक ने तीव्र प्रतिस्पर्धी माहौल के बावजूद 39.24% का स्वस्थ सीएएसए अनुपात बनाए रखा। रिटेल टर्म डिपॉजिट्स में निरंतर तेजी बनी रही, जो साल-दर-साल 14.39% बढ़ी।

परिसंपत्ति गुणवत्ता दो दशकों के निम्नतम स्तर पर

बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता उद्योग में सर्वश्रेष्ठ में बनी हुई है, जिसमें गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां दो दशकों से अधिक समय के सबसे निम्न स्तर पर हैं। सकल और शुद्ध एनपीए अनुपात तिमाही के दौरान और सुधरकर क्रमशः 1.47% और 0.38% हो गए। सकल एनपीए अनुपात साल-दर-साल 36 बेसिस पॉइंट सुधरा, जबकि शुद्ध एनपीए अनुपात साल-दर-साल 9 बेसिस पॉइंट सुधरकर 0.38% हो गया। क्रेडिट कॉस्ट मजबूत वसूली और सुदृढ़ अंडरराइटिंग प्रथाओं के समर्थन से 0.27% पर सौम्य बना रहा।

बैंक पूंजी पर्याप्तता अनुपात सुधरकर 15.67% के साथ अच्छी तरह पूंजीकृत बना हुआ है, जो साल-दर-साल 104 बेसिस पॉइंट अधिक है और नियामक न्यूनतम आवश्यकताओं से काफी ऊपर है।

एसबीआई ने योनो और अपने वैकल्पिक वितरण चैनलों के माध्यम से अपनी डिजिटल नेतृत्व को मजबूत करना जारी रखा, जिससे अधिक सुविधा और गहन ग्राहक जुड़ाव मिला। तिमाही के दौरान 64% से अधिक बचत बैंक खाते योनो के माध्यम से डिजिटल रूप से खोले गए। वैकल्पिक चैनलों ने क्यू1एफवाइ27 में कुल लेनदेन का 98.8% हिस्सा लिया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 98.6% था। बैंक ने बताया कि योनो के 10.5 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं, जबकि नए लॉन्च किए गए योनो प्लेटफॉर्म पर लॉन्च के छह महीनों के भीतर पंजीकरण 5 करोड़ के पार पहुंच गए, जो मजबूत ग्राहक अपनाने को दर्शाता है।

मौत के खड्डा : ठाणे में पुलिस जवान विकास गोरे की दर्दनाक मौत

दुर्भाग्यशाली पुलिस जवान विकास लहू गोरे — विकास लहू गोरे की बुलेट दुपहिया वाहन

ठाणे, 07 अगस्त (एजेंसियां) । महाराष्ट्र के नासिक और ठाणे जिलों में खड्डे की वजह से हो रही दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। नासिक के पालक मंत्री गिरीश महाजन की घोषणा के बावजूद कि अगले 40 वर्षों तक खड्डे नहीं दिखेंगे, ठाणे जिले के शहापूर तालुका के गोटेघर क्षेत्र में स्थित खड्डे जानलेवा साबित हो रहे हैं।

ठाणे अग्निशमन दल के टीडीआरएफ के तगड़े पुलिस जवान विकास लहू गोरे (31 वर्ष) की मौत डेढ़ फीटी गहरे खड्डे में गिरने से हुई। दुर्घटना भारंगी नदी के पास गोटेघर क्षेत्र में हुई, जहां विकास की दमदार बुलेट बाइक खड्डे में फंस गई और दुर्घटना इतनी भयंकर थी कि बाइक के दोनों टायर फट गए। इस दुर्घटना ने न केवल उनके परिवार को दुखों के पहाड़ के नीचे दबा दिया, बल्कि पूरे ठाणे जिले को भी शोक में डुबो दिया है।

प्रशासन की अनदेखी और परिवार का आक्रोश

मुंबई-नासिक महामार्ग की हालत इतनी खराब है कि इसे छलनी कहा जा सकता है, लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। विकास गोरे के परिवार ने खड्डों की मरम्मत न करने वाले ठेकेदारों पर अपराध दर्ज करने की मांग की है, लेकिन पुलिस ने परिवार को ही खरी-खोटी सुनाई। पुलिस द्वारा यह भी कहा गया कि क्या तुम्हारे बेटे को खड्डा नहीं दिखाई दिया?यह गंभीर आरोप परिवार ने लगाया है। इसके साथ ही, पुलिस ने मृत जवान पर ही मामला दर्ज करने की बात कही है, जिसे परिवार ने गंभीर रूप से अस्वीकार किया है।शहापूर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ इंस्पेक्टर विलास कदम ने बताया कि पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषी पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।विकास गोरे ने कई बार आपदा के समय नागरिकों की मदद की है, हाल ही में भिवंडी इमारत दुर्घटना में उन्होंने कई लोगों की जान बचाई थी। उनकी इस दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु से न केवल उनका परिवार बल्कि पूरा ठाणे जिला स्तब्ध है। लोग इस दुर्घटना की कड़ी निंदा कर रहे हैं और प्रशासन से जल्द से जल्द सुधार की मांग कर रहे हैं।

स्पार्क माइंड्स स्कूल में बोनालु उत्सव की रंगारंग झांकी निकाली गई। इस अवसर पर स्टूडेंट्स, उनके पेरेंट्स और टीचर्स ने मिलकर देवी को बोनम अर्पित किया और जुलूस निकालकर उत्सव मनाया। कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल पाशम राजिरेड्डी, कॉरेस्पोंडेंट डोडला किरण, डायरेक्टर रामेश्वर सहित शिक्षक और अभिभावक उपस्थित रहे।

आंदोलनकारी कलाकारों को 'सांस्कृतिक सारथी' में रोजगार देने की मांग

पेद्दापल्ली, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीपीसीसी सांस्कृतिक सेना की पेद्दापल्ली जिला इकाई ने तेलंगाना आंदोलन में योगदान देने वाले कलाकारों को 'सांस्कृतिक सारथी' में रोजगार एवं सम्मानजनक अवसर उपलब्ध कराने की मांग की है। इस संबंध में शुक्रवार को विधायक चिंताकुंटा विजयरमण राव को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर विधायक ने टीपीसीसी सांस्कृतिक सेना के जिला अध्यक्ष पित्तला रमेश द्वारा रचित एवं गाए गए 'पेद्दापल्ली मुद्दबिद्दा मन विजन्ना' गीत का विमोचन किया।

पित्तला रमेश ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन में हजारों कलाकारों ने गीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन आज भी अधिकांश कलाकार रोजगार से वंचित हैं। उन्होंने सरकार से आंदोलनकारी कलाकारों को 'सांस्कृतिक सारथी' में तत्काल रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की।

कार्यक्रम में तुंडला राजैया, बुर्रागड्डा रवि, दासारी श्रीनिवास, पेनुगोंडा येल्लैया, पुसला रामनाचारी, कन्नूरी राजैया, पोलावेनी श्रीनिवास, तंद्रा महेश सहित अनेक कलाकार उपस्थित थे।

भारतीय संस्कृति की रक्षा सामूहिक दायित्व : कमल मुनि कमलेश

मैसूरु, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानकवासी जैन संघ, हल्लदकेरी के तत्वावधान में जैन स्थानक भवन में आयोजित अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच, नई दिल्ली की महिला शाखा के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए राष्ट्र संत कमल मुनि कमलेश ने कहा कि भारतीय संस्कृति की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण समाज के संस्कारों और चरित्र के लिए गंभीर चुनौती है, जबकि सादा जीवन, उच्च विचार, योग, ध्यान और अनुशासन भारतीय संस्कृति की मूल पहचान हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति ऋषि-मुनियों की आध्यात्मिक साधना की देन है और आज भी विश्व इसके महत्व को स्वीकार कर रहा है। संस्कृति के संरक्षण से ही समाज में नैतिकता, आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों का विकास संभव है।

राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. आभा गांधी ने माताओं से बच्चों में प्रारंभ से ही भारतीय संस्कार विकसित करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजू भंडारी ने फैशन की अंधी दौड़ से बचने तथा राष्ट्रीय मंत्री विमल भंडारी ने युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ अध्यात्म से जोड़ने पर बल दिया।

अधिवेशन में देश के विभिन्न राज्यों से आई महिलाओं ने 'बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ', भ्रूण हत्या, दहेज, बाल विवाह, मृत्यु भोज, घूंघट प्रथा और महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में महावीरचंद्र सांखला, सुरेश लुंकड़, प्रकाश भंडारी, सुंदरलाल हिंगड़, धर्मचंद खाबिया एवं भीकमचंद बाफना ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतरदेवी बाघमार ने तथा संचालन आशादेवी वीरवाल ने किया। मंच के मंत्री बुधमल बाघमार ने बताया कि 8 अगस्त को प्रातः 9 बजे जैन स्थानक भवन में युवाओं का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित होगा।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा शब्दों से नहीं, भावनाओं से समझी जाती है : मनीष चिंडालिया

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास संचालित नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम में शुक्रवार को मानवता, करुणा और सेवा का प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला। प्रतिदिन की तरह बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर ग्रुप के सक्रिय सदस्य मनीष चिंडालिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सेवा को केवल शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता, बल्कि इसे सेवा के भाव और अनुभव के माध्यम से ही समझा जा सकता है। इस संस्था ने सेवा को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य बना लिया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जहाँ अधिकांश लोग अपने व्यक्तिगत कार्यों में व्यस्त रहते हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप के सदस्य प्रतिदिन अपने समय, श्रम और संसाधनों का समर्पण कर जरूरतमंदों की सेवा में जुटे रहते हैं। यही निस्वार्थ भावना इस संस्था को समाज की अन्य संस्थाओं से अलग पहचान दिलाती है। यहाँ किसी प्रकार की प्रसिद्धि, सम्मान या दिखावे की इच्छा नहीं होती, बल्कि प्रत्येक सदस्य का एकमात्र लक्ष्य जरूरतमंदों की सहायता करना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाना होता है।

मनीष चिंडालिया ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप से जुड़ने के बाद सेवा उनके जीवन का अभिन्न अंग बन गई है।

अब प्रत्येक दिन की शुरुआत इस विचार से होती है कि समय पर सेवा स्थल पहुँचना है और मानव सेवा के इस महायज्ञ में अपनी आहुति देनी है। जब तक सेवा स्थल नहीं पहुँचते, मन को संतोष नहीं मिलता। यह केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आत्मिक संतुष्टि और ईश्वर की कृपा का अनुभव है।

उन्होंने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल पेट भरना नहीं, बल्कि उसके मन में आशा और विश्वास जगाना भी है। जब किसी जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन प्राप्त करने के बाद संतोष और मुस्कान दिखाई देती है, तब वही पल जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि बन जाता है।

ऐसे क्षणों को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। यही अनुभव प्रत्येक सदस्य को अगले दिन फिर उसी उत्साह और समर्पण के साथ सेवा के लिए प्रेरित करता है।उन्होंने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सेवा निष्काम भाव से की जाए तो वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनती है। यह संस्था जाति, वर्ग, भाषा और धर्म से ऊपर उठकर केवल मानवता को अपना धर्म मानती है। यही कारण है कि आज राधे-राधे ग्रुप का सेवा अभियान अनेक लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है और लगातार नए लोग भी इस सेवा यात्रा से जुड़ रहे हैं।

कार्यक्रम में सुनीता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबूराम कुमावत, कैलाश केडिया तथा निर्मला केडिया सहित अनेक सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि राधे-राधे ग्रुप का यह मानव सेवा अभियान इसी प्रकार निरंतर चलता रहेगा और अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सेवा का लाभ पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा।

रोज करें इन नामों का पाठ तो बुद्धि, समृद्धि आपके घर में रहेंगी

जब जब पृथ्वी पर दैत्यों के आतंक का साया रहा तब तब भगवान विष्णु, शिव, माता पार्वती यहां अवतरित हुए। भगवान गणेश भी चारों युगों में अवतरित हुए हैं। सतयुग में गणेश जी महोत्कट विनायक के नाम से, त्रेतायुग में मयूरेश्वर, द्वापर युग में शिवपुत्र गजानन के नाम से अवतरित हुए। और इस तरह पृथ्वी के अंत में जब भगवान कल्कि अवतरित होंगे उसी दौरान भगवान गणेश धूम्रकेतु रूप में अवतरित होंगे। इस बात का उल्लेख हमारे हिंदू धर्म ग्रंथों में मिलता है।

ये हैं गणेश परिवार भगवान गणेश के पिता भोलेनाथ हैं। मां पार्वती उनकी मां है। भगवान मुरुगन यानी कार्तिकेय उनके भाई हैं, और गजानन की बहन अशोक सुंदरी हैं। भगवान गणेश की दो पत्नियां हैं रिद्धि और सिद्धि। हालांकि दक्षिण भारत में गणेश जी को ब्रहमचारी के रूप में पूजा जाता है। गणेश जी के दो पुत्र हैं शुभ और लाभ। उन्हें मोदक प्रिय है। लाल रंग के फूल से गणेशजी जल्द प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा उन्हें दुर्वा, शमी पत्र भी अर्पित करना चाहिए। गणेश जी के अस्त्र पाश और अंकुश हैं। और वाहन मूषक।

बुद्धि के लिए रोज करें इन नामों का पाठ हिंदू पौराणिक ग्रंथो में उल्लेखित है। यदि भगवान गणेश के इन बारह नामों का रोज पाठ करें तो बुद्धि, गृहक्लेश और समृद्धि आपके घर में रहेंगी। यह नाम क्रमशः सुमुख, एकदन्त, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र, विघ्नराज, द्वैमातुर, गणाधिप, हेरम्ब, गजानन।

कृष्ण का आभामंडल नीला क्यों।

कृष्ण की हर छवि में एक नीलिमा जरूर दिखाई जाती है। एक व्यक्ति या एक व्यक्तित्व के रूप में उनके साथ आखिर क्यों जुडा है यह रंग क्या है इस रंग की खासियत आइए जानते हैं-

नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर। जो कुछ भी आपकी समझ से बडा है, वह नीला होगा, क्योंकि नीला रंग सब को शामिल करने का आधार है। आपको पता ही है कि कृष्ण के शरीर का रंग नीला माना जाता है। इस नीलेपन का मतलब जरूरी नहीं है कि उनकी त्वचा का रंग नीला था। हो सकता है, वे श्याम रंग के हों, लेकिन जो लोग जागरूक थे, उन्होंने उनकी ऊर्जा के नीलेपन को देखा और उनका वर्णन नीले वर्ण वाले के तौर पर किया। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। कृष्ण की पकृति के बारे में की गई सभी व्याख्याओं में नीला रंग आम है, क्योंकि सभी को साथ लेकर चलना उनका एक ऐसा गुण था, जिससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता। वह कौन थे, वह क्या थे, इस बात को लेकर तमाम विवाद हैं, लेकिन इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि उनका स्वभाव सभी को साथ लेकर चलने वाला था। चूंकि श्रीकृष्ण की ऊर्जा या यूं कहिए कि उनके प्रभामंडल का सबसे बाहरी घेरा नीला था, इसीलिए उनमें गजब का आकर्षण था। उनके आकर्षक होने की वजह उनकी नाक का सुडौल होना या उनकी आंखों की खूबसूरती नहीं थी। दुनिया में अच्छी नाक, सुंदर आंखों वाले और खूबसूरत कद-काठी के कितने ही लोग हैं, लेकिन उन सभी में उतना आकर्षण नहीं होता। यह किसी व्यक्ति विशेष के प्रभामंडल की नीलिमा है, जो अचानक उसे जबर्दस्त तरीके से आकर्षक बना देती है। लोग कहते हैं कि कृष्ण प्रत्यक्ष रूप से नीले थे, लेकिन यह तीन हजार साल पुरानी जनश्रुति है।

उनकी नीलिमा या सबको सम्मोहित करने की उनकी क्षमता कुछ ऐसी थी कि जो लोग उनके कट्टर दुश्मन हुआ करते थे, अनजाने में ही सही, लेकिन वे भी उनके सामने हार मान लेते थे। नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर वे उन लोगों को भी आसानी से अपनी तरफ कर लेते थे, जो उन्हें बुरा कहते थे और न जाने कितनी ही बार उन्हें मारने की कोशिश कर चुके थे। हालांकि उनके और भी कई पहलू थे, लेकिन उनकी व्यक्तित्व की यह नीलिमा लगातार उनके हर काम में मदद करती थी। इसी वजह से वे बेहद सम्मोहक बन गए थे। चाहे आदमी हो या औरत, हर कोई शर्मो-हया छोड कर उनके प्रेम में पागल हो जाता था। लोग उन पर से अपनी नजरें नहीं हटा पाते थे। महिलाएं तो एक कदम और आगे थीं। पुरुषों के साथ यह दुर्भाग्य रहा है कि वे अपने प्रेम को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते।

केवल एक शब्द कहने में ही आदमी की सारी उम्र निकल जाती है, लेकिन कृष्ण ऐसे नहीं थे। वह पूरी आजादी से खुद को व्यक्त करते थे। वैसे मुझे भी ऐसा करने में कोई समस्या नहीं होती। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। पुरुष प्रेम में खुद को अजीब और असहज महसूस करने लगता है। वह प्रेम नहीं चाहता, बस प्रेम-क्रीडा करना चाहता है।

भगवान गणेश को क्यों नहीं चढाई जाती है तुलसी

तुलसी को बेसिल पौधे के नाम से भी जाना जाता है और यह हिन्दुओं के लिए काफी पावन पेड है। यह महाविष्णु भगवान की पूजा के लिए व्यापक रूप से इस्तमाल किया जाता है। तुलसी में कई औषधीय गुण भी होते हैं। तुलसी के पौधे को मृत इंसान के मुंह में इस विश्वास के साथ रखा जाता है कि इससे वह इंसान को वैकुण्ठ या भगवान विष्णु के निवास स्थान पर पहुँच जाएगा। हालांकि, तुलसी को भगवान गणेश पर नहीं चढाया जाता है और इसके पीछे पुराण से सम्बंधित एक कहानी भी है। भगवान गणेश की कृपा चाहिये तो चढाइये उनके पसंदीदा फूल तुलसी एक समय एक लडकी हुआ करती थी जो भगवान महाविष्णु की भक्त थी। वह भगवान विष्णु की पूजा में लीन रहती थी और एक दिन उन्हें गणेश मिले जो एक सुन्दर बगिया में खुशबूदार पेडों के पास ध्यान में मग्न थे। गणेश ने चमकीला पीला वस्त्र पहना था और उनके पूरे शरीर पर चन्दन का लेप लगा था। गणेश के इस रूप को देखकर तुलसी मोहित हो गयी और उनके सामने शादी का प्रस्ताव रख दिया।

भगवान गणेश ने कहा कि वह ब्रमहचर्य जीवन व्यतीत कर रहे हैं वह सन्यासी हैं और शादी के बारे में तो सोच भी नहीं सकते क्यूंकि इससे उनके संयमी जीवन पर असर पडेगा। तुलसी यह सुनकरगुस्सा हुई और गणेश के इस वक्तव्य पर क्षुब्ध होकर उन्होंने गणेश को शाप दिया कि उनकी इच्छा के बिना भी उनको शादी करनी पडेगी। भले ही गणेश अत्यंत परोपकारी थे पर तुलसी के इस आचरण से उन्हें गुस्सा आया। उन्होंने तुलसी को श्राप दिया कि उसकी शादी एक दानव से होगी और उसे काफी कष्ट भुगतना पडेगा। तुलसी को अपनी गलती का अंदाजा हो गया और उसने भगवान गणेश से विनती की ताकि वह उसे इस कठोर श्राप से मुक्त कर दें। भगवान गणेश खुश हुए और उसे माफकर दिया। उन्होंने कहा कि श्राप के अनुसार उसकी शादी एक दानव से होगी पर एक जीवन के बाद अगले जीवन में वह पेड बन जायेगी। उसके बाद सब में वह अपने अद्भुत औषधीय गुण के कारण जानी जायेगी और भगवान महाविष्णु की प्रिय होगी। महाविष्णु तुलसी चढाये जाने से काफी खुश होंगे और इस तरह उसकी एक उन्नत जगह होगी। गणेश का श्राप और आशीर्वाद दोनों ही सच हुए और तुलसी का विवाह शंकचूड नाम के दानव से हुआ। उसने पूरी जिंदगी उसके साथ गुजारी और फिर उसके बाद अगले सारे जन्म में तुसली के पेड का रूप लिया।

गणेश के विश्वास के अनुसार महाविष्णु भगवान की पूजा के लिए यह एक उत्तम पौधे के रूप में इस्तमाल होने लगा। तुलसी के चढावे के बिना भगवान विष्णु की कोई भी पूजा अधूरी रहने लगी। यह कारण है कि भगवान गणेश को तुलसी नहीं चढाया जाता है। इस कहानी से यह भी पता चलता है कि कैसे तुलसी को यह पवित्र स्थान मिला। पुराणों के कहानियों से पता चलता है कि भगवान बुरे लोगों के साथ भी काफी दयालु थे। जब भी देवों द्वारा किसी दानव का वध होता था तो उसे मोक्ष की प्राप्ति होती थी। इस तरह इस कहानी में गणेश की दया और कृपा का बखान है। इस कहानी को तब बताया गया जब लोगों ने पूछा कि भगवान गणेश को तुलसी क्यों नहीं चढाया जाता है। पुराने समय से तुलसी का इस्तमाल गणेश भगवान की पूजा में नहीं किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश को अर्का घास बहुत पसंद है।

क्या है हिंदू देवियों का रहस्य

सरस्वती-हिंदू धर्म की प्रमुख त्रिदेवियों में से एक माता सरस्वती को ज्ञान की देवी माना गया है। हंस पर विराजमान मां सरस्वती ने धवल वस्त्र धारण किए हैं। सरस्वती के हाथ वीणा के वरदंड से शोभित हैं। संगीत, कला, शिक्षा और ज्ञान की देवी हैं सरस्वती। सरस्वती के नाम पर ही एक नदी का नाम सरस्वती था, जो प्राचीनकाल में शिवालिक की पहाडियों से निकलकर हरियाणा और राजस्थान में बहती थी और सिंधु खाडी में समाहित हो जाती थी।

माता लक्ष्मी - भगवान विष्णु की पत्नी और ऋषि भृगु की पुत्री देवी लक्ष्मी त्रिदेवियों में से एक हैं, जो धन और समृद्धि को देने वाली मानी गई हैं। लक्ष्मी माता का वाहन उल्लू है और वह लक्ष्मी क्षीरसागर में भगवान विष्णु के साथ कमल पर वास करती हैं। लक्ष्मीजी को 2 रूपों में पूजा जाता है, श्रीरूप और लक्ष्मी रूप। इनका विशेष दिन शुक्रवार को माना गया है। भगवती लक्ष्मी के 18 पुत्र कहे गए हैं जिसमें प्रमुख हैं, आनंद, कर्दम, श्रीद और चिक्लीत।

गायत्री- गायत्री नाम से ऋग्वेद में एक सबसे लंबा छंद है। गायत्री को आद्याशक्ति प्रकृति के 5 स्वरूपों में एक माना गया है।

यही वेद माता कहलाती हैं। किसी समय ये सविता देव की पुत्री के रूप में अवतीर्ण हुई थीं इसलिए इनका नाम सावित्री पड गया। इनका विग्रह तपाए हुए स्वर्ण के समान है। वेदों में अदिति के अलावा सविता का भी कई जगहों पर उल्लेख मिलता है। पद्म पुराण के अनुसार वज्रनाश नामक राक्षस का वध करने के पश्चात ब्रहमाजी ने संसार की भलाई के लिए पुष्कर में एक यज्ञ करने का फैसला किया। ब्रहमाजी यज्ञ करने हेतु पुष्कर पहुंच गए, लेकिन किसी कारणवश सावित्री जी समय पर नहीं पहुंच सकीं। यज्ञ को पूर्ण करने के लिए उनके साथ उनकी पत्नी का होना जरूरी था, लेकिन सावित्री जी के नहीं पहुंचने की वजह से उन्होंने एक कन्या गायत्री से विवाह कर यज्ञ शुरू किया। उसी दौरान देवी सावित्री वहां पहुंचीं और ब्रहमा के बगल में दूसरी कन्या को बैठा देख क्रोधित हो गईं।

उन्होंने ब्रहमाजी को श्राप दिया कि देवता होने के बावजूद कभी भी उनकी पूजा नहीं होगी, तब सावित्री से सभी देवताओं ने विनती की कि अपना श्राप वापस ले लीजिए, लेकिन उन्होंने नहीं लिया। जब गुस्सा ठंडा हुआ तो सावित्री ने कहा कि इस धरती पर सिर्फपुष्कर में आपकी पूजा होगी।

श्रद्धा - श्रद्धा कर्दम ऋषि एवं देवहूति की तृतीय कन्या थी। श्रद्धा का विवाह अंगिरा ऋषि के साथ हुआ था। अंगिरा और श्रद्धा से सिनीबाला, कुहु, राका एवं अनुमति नामक पुत्रियां तथा तथ्य और बृहस्पति नामक पुत्र हुए। बृहस्पति देवताओं के गुरु हैं।

शचि - शचि स्कंद पुराण के पुलोमा पुत्री शचि का भी वेदों में उल्लेख मिलता है। स्कंद पुराण के अनुसार सतयुग में दैत्यराज पुलोम की पुत्री शचि ने देवराज इंद्र को पति रूप में प्राप्त करने के लिए ज्वालपाधाम में हिमालय की अधिष्ठात्री देवी पार्वती की तपस्या की थी। मां पार्वती ने शचि की तपस्या पर प्रसन्न होकर उसे दीप्त ज्वालेश्वरी के रूप में दर्शन दिए और शचि की मनोकामना पूर्ण की। जहां मां ने दर्शन दिए थे वह स्थान उत्तराखंड के गढवाल क्षेत्र में है। यहां माता ज्वाला देवी का एक मंदिर है। देवी शचि को इंद्राणी कहा जाता है। इंद्राणी देवी शचि ने अपने पति इंद्र के हाथ में ब्राहमणों द्वारा रक्षा सूत्र बंधवाया था। उन्होंने ऐसाइ सलिएकिया, क्योंकि उस समय देवासुरसंग्राम चल रहा था। रक्षासूत्र बांधकर जब इंद्र ने युद्ध किया तो वे विजयी हुए। कुछ लोगों का मानना है कि तभी से रक्षाबंधन का यह पर्व शुरू हुआ।

सावित्री - ब्रहमा की पत्नी का नाम सावित्री देवी है। ब्रहमा ने एक और स्त्री से विवाहकिया था जिसकानाम गायत्री है। सावित्रीकी एक पुत्री का नाम सरस्वती है।

शालीग्राम की कहानी: विष्णु को श्राप क्यों मिला

जालंधर: शिव का एक भाग एक समय जलंधर नाम काएक पराक्रमी असुर था। जो शिव की तीसरी आँख से उत्पन्न हुआ था। यही कारण था कि वह अत्यंत शक्तिशाली योद्धा था। इसका विवाह वृंदा नामक कन्या से हुआ। वृंदा भगवान विष्णु की परम भक्त थी। इसके पतिव्रत धर्म के कारण जलंधर अजेय हो गया था। जालंधर और शिव का युद्ध इसने एक युद्ध में भगवान शिव को भी पराजित कर दिया। अपने अजेय होने पर इसे अभिमान हो गया और स्वर्ग के देवताओं को परेशान करने लगा। दु:खी होकर सभी देवता भगवान विष्णु की शरण में गये और जलंधर के आतंक को समाप्त करने की प्रार्थना करने लगे। क्योंकि जालंधर को तभी हराया जा सकता जब पत्नी वृंदा पवित्रता को भांग कर दिया जाए।

वृंदा: विष्णु की सबसे बडी भक्त एक असुर की बेटी और पत्नी होने के बावजूद वह भगवान विष्णु की भक्त थी। वह भगवान विष्णु की परम भक्त थी और उन पर उसे पूरा विश्वास करती थी। विष्णु का विश्वासघात सभी देवताओं ने देखा कि शिव भी उसे हरा नहीं पाये तो वे विष्णु की शरण में गए। भगवान विष्णु ने अपनी माया से जलांधर का रूप धारण कर लिया और छल से वृंदा के पतिव्रत धर्म को नष्ट कर दिया। इससे जलंधर की शक्ति क्षीण हो गयी और वह युद्ध में मारा गया।

वृंदा का अभिशाप जब वृंदा ने भगवान विष्णु को छुआ तब उसे पता चला कि वह जालंधर नहीं है। और उसने पूछा कि वह कौन हैं। जब वृंदा को भगवान विष्णु के छल का पता चला तो उसने भगवान विष्णु को पत्थर का बन जाने का शाप दे दिया। भगवान विष्णु वृंदा के साथ हुए छल के कारण लज्जित थे इसलिए वृंदा के शाप को जिवित रखने के लिए उन्होनें अपना एक रूप पत्थर रूप में प्रकट किया जो शालिग्राम कहलाया।

तुलसी भगवान विष्णु ने वृंदा से कहा कि तुम अगले जन्म में तुलसी के रूप में प्रकट होगी और लक्ष्मी से भी अधिक मेरी प्रिय रहोगी। तुम्हारा स्थान मेरे शीश पर होगा। मैं तुमहारे बिना भोजन ग्रहण नहीं करूंगा।

यही कारण है कि भगवान विष्णु के प्रसाद में तुलसी अवश्य रखा जाता है। बिना तुलसी के अर्पित किया गया प्रसाद भगवान विष्णु स्वीकार नहीं करते हैं। शालीग्राम तुलसी का विवाह वृंदा के राख से तुलसी का पौधा निकला। वृंदा की मर्यादा और पवित्रता को बनाये रखने के लिए देवताओं ने भगवान विष्णु के शालिग्राम रूप का विवाह तुलसी से कराया।

इसी घटना को याद रखने के लिए हर वर्ष कार्तिक शुक्ल एकादशी यानी देव प्रबोधनी एकादशी के दिन तुलसी का विवाह शालिग्राम के साथ कराया जाता है।

मन की स्वतंत्रता

यदि व्यक्ति को भिन्न होने की स्वतंत्रता दी जाए, तो कई जरूरी कार्य भी समय से पहले पूरे हो जाते हैं। ओशो का चिंतन एक दार्शनिक था। एक बार उसने एक किसान से पूछा, कोल्हू का बैल चल रहा है। तेल पेरा जा रहा है। बैल को न तो कोई हांकने वाला है और न ही कोल्हू को चलाने वाला। फिर यह आराम करने के लिए बैल रुक क्यों नहीं जाता। किसान ने कहा कि गौर से देखने पर जवाब मिल जाएगा।

दार्शनिक ने गौर से देखा कि बैलों की आंखों पर पट्टियां बंधी हैं जैसे तांगे में चलने वाले घोडे की आंखों पर पट्टियां बंधी होती हैं, ताकि उसे सिर्फसामने दिखाई दे। वह इधर-उधर न देख पाए। साथ ही गले में घंटियां बंधी हैं। घंटी की आवाज बंद होने के साथ ही उसे कोडे से फटकार लगा दी जाती है। साधारण आदमी भी कोल्हू का बैल है, चलता जाता है। उसकी आंखों पर पट्टियां बंधी हैं! गले में घंटी बंधी है। घंटी बंद होते ही सबकी डांट-फटकार मिलने लगती है।

सुबह, दोपहर, सांझ, रात में वही सब काम करता जा रहा है, जो वह रोज करता है। वही क्रोध, वही काम, वही लोभ, वही मोह, वही अहंकार। सुख और दुख, दोनों पुराने हैं। हमारा मन स्वतंत्र नहीं है। दूसरों की इच्छाओं, आदेशों से ही हमें चलना है। अपनी मर्जी के काम करने या कपडे पहनने की भी स्वतंत्रता नहीं है। समाज ने हमारे लिए सभी इंतजाम कर दिए हैं। सभी दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। आजादी की बात की जाती है, लेकिन व्यक्ति चौबीसों घंटे गुलाम है। आजादी सिर्फएक थोथा शब्द है, जिसको हम दोहराते रहते हैं तोतों की तरह; और बहुत दिन दोहराने के कारण खुद ही भरोसा कर लेते हैं कि जरूर आजादी होगी, क्योंकि सभी लोग आजादी की बात कर रहे हैं।

आजादी कहां है।

क्या हमने कभी भिन्न होने की चाहत की है। कभी भिन्न होने की चाह पैदा करें। कोई भी कलात्मक कार्य करें। आप देखेंगे कि कलात्मक कार्यों का प्रभाव सीधे मन पर होता है। मन आजाद होकर कमल के फूलों की तरह खिल जाता है। कई जरूरी काम पूर्ण हो जाते हैं। इस पृथ्वी पर आजादी उस दिन होगी, जिस दिन हम व्यक्ति को भिन्न होने की स्वतंत्रता देंगे।

स्वामी विवेकानंद का व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली था

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही बुद्धिमान थे। उनका व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली था। उनके बचपन का नाम नरेंद्र था। जब भी वो किसी साथी से बात करते तो वह तल्लीनता से उनकी बातों को सुनते थे। एक बार ऐसी ही स्थिति में शिक्षक कक्षा में आ गए और पढाना शुरू कर दिया। छात्रों के पता ही नहीं चला। शिक्षक ने कहा, 'सभी छात्र वहां एक जगह क्यों एकत्र हैं।' शिक्षक वहां तुरंत पहुंचे और छात्रों से प्रश्न पूछने लगे। उनके प्रश्नों का उत्तर कोई छात्र नहीं दे सका। लेकिन नरेंद्र ने उस प्रश्न का उत्तर तुरंत दे दिया। शिक्षक ने सभी छात्रों को खडे रहने की सजा दी। लेकिन नरेंद्र ने कहा कि मैं इन सभी छात्रों से बात कर रहा था तो इनका ध्यान वहां नहीं था। लेकिन में सुन रहा था।

संक्षेप में नरेंद्र यानी स्वामी विवेकानंद बचपन से ही साहसी प्रवृत्ति के थे। उन्होंने हमेशा सच का साथ दिया और जिदंगी भर ईमानदारी का पाठ पढाया।

अपना भविष्य जानने की उत्कंठा सभी के मन में रहती है

लोग यह जानते हैं कि आकाश में चमकने वाले सितारे नक्षत्र कहलाते हैं। अपनी-अपनी राशियां देखकर और ग्रहों के शुभाशुभत्व को ध्यान में रखकर ज्योतिष के माध्यम से अपना भविष्य जानने की उत्कंठा सभी के मन में रहती है। ग्रह नौ और राशियां बारह सर्वविदित ही है। सामान्य अर्थ में नक्षत्र यानि तारे। यदि नक्षत्र का अर्थ और स्पष्ट किया जाये तो हम यह कह सकते हैं कि चंद्रमा के पथ में पडने वाले कुछ विशेष तारों के विभिन्न समूह जिनके नाम अलग-अलग हैं और जिनकी संख्या सत्ताइस है। चंद्रमा को नक्षत्रों का राजा यानि नक्षत्रराज कहा जाता है। गगन मंडल में ग्रहों की स्थिति का पता करने के लिये दैवज्ञों ने वृत्ताकार आकाश या भचक्र के 3600 अंशों को 12 समान खंडों में बांटा। तीस अंश के ये भाग राशि कहलाये। जिस भाग का जैसा स्वरूप दिखाई देता है उसी के आधार पर राशियों का नामकरण किया गया है । इन्हें यंत्रादि की सहायता से देखा जा सकता है। इन्हीं भागों के नीचे ग्रहों का चलना फिरना होता रहता है और तभी यह कहते हैं कि फलां-फलां ग्रह फलां-फलां राशि पर भ्रमण कर रहा है। इसका विचार फलादेश करते समय किया जाता है। ऐसे 27 चिह्न ढूढें गये जो न चलने फिरने के कारण नक्षत्र कहलाने लगे यानि न क्षरति इति नक्षत्रम''। भचक्र के 3600 अंशों को 27 से विभाजित करने पर 130 20' का क्षेत्र नक्षत्र कहलाया। ग्रह 9 होते हैं यह हम सभी जानते हैं। ज्योतिष में इन्हीं नवग्रहों का विचार किया जाता है। सात ग्रह सात दिनों के अधिपति हैं। शेष दो ग्रह राहु व केतु हैं। सूर्य को एक नक्षत्र को पार करने में करीब-करीब पंद्रह दिनों का समय लग जाता है जबकि चंद्रमा को ऐसा करने में करीब एक दिन का समय लगता है। इस तरह चंद्रमा इन 27 नक्षत्रों को लगभग एक मास में पार कर लेता है ।

आरओ का पानी खतरनाक...

हमें कुछ मिले या न मिले पर शरीर को पानी जरूर मिलना चाहिए। अगर पानी आरओ का हो तो, क्या बात है, लेकिन क्या वास्तव में हम आरओ के पानी को शुद्ध पानी मान सकते हैं? जवाब आता है बिल्कुल नहीं। यह जवाब विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से दिया गया है। डब्ल्यूएचओ ने बताया है कि आरओ के पानी के लगातार सेवन से हृदय संबंधी विकार, थकान, कमजोरी, मांसपेशियों में ऐंठन, सिरदर्द आदि दुष्प्रभाव पाए गए हैं। यह कई शोधों के बाद पता चला है कि इसकी वजह से कैल्शियम और मैग्नीशियम पानी से पूरी तरह नष्ट हो जाते हैं जो कि शारीरिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। वैज्ञानिकों के अनुसार मानव शरीर 500 टीडीएस तक सहन करने की क्षमता रखता है परंतु आरओ में 18 से 25 टीडीएस तक पानी की शुद्धता होती है जो कि नुकसानदायक है। इसके विकल्प में क्लोरीन को रखा जा सकता है जिसमें लागत भी कम होती है एवं पानी के आवश्यक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं। जिससे मानव का शारीरिक विकास अवरुद्ध नहीं होता। जहां एक तरफ एशिया और यूरोप के कई देश आरओ पर प्रतिबंध लगा चुके हैं वहीं भारत में आरओ की मांग लगातार बढ़ती जा रही है और कई विदेशी कंपनियों ने यहां पर अपना बड़ा बाजार बना लिया है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना और जागरूक करना जरूरी हैं। अत: अब शुद्ध पानी के लिए नए अविष्कारों की जरूरत है। याद रखें की लंबे समय तक आरओ का पानी लगातार पीने से शरीर कमजोर और बीमारीयों का घर बन जाता है। अत: प्राकृतिक यानी खनीज युक्त पानी परंपरागत तरीकों से साफ कर पीना हितकर है।

ऑनलाइन पेमेंट और भी आसान...

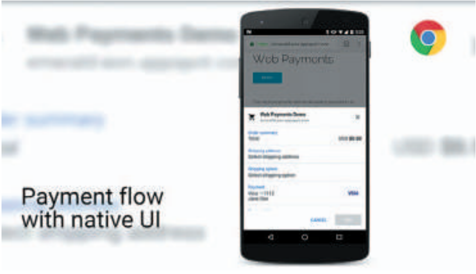

गूगल ने क्रोम का लेटेस्ट वर्जन रिलीज किया है, जिसका सबसे खास फीचर गूगल पे है और साथ ही परफॉरमैंस में सुधार हुआ है। क्रोम में गूगल पे फीचर एड करने से कंपनी ज्यादा से ज्यादा लोगों को यह सुविधा प्रदान करवाना चाहती है। गूगल ने वैब स्टैंडड्ज पर पेमैंट्स को आसान बनाने के लिए एंड्रायड पे को क्रोम में एड किया है। फिलहाल आई.ओ.एस. डिवाइसेस में इस फीचर के आने की कोई जानकारी नहीं है। एंड्रॉयड यूजर्स कुछ ही समय में ऑनलाइन पेमेंटस को संभव कर सकता है। गूगल ने अपने ब्लॉग में यह भी लिखा कि एंड्रॉयड के लिए क्रोम का नया वर्जन 15 प्रतिशत तेज होगा। नए अपडेट से क्रोम ज्यादा बैटरी की बचत भी करेगा। गूगल प्ले स्टोर पर गूगल क्रोम की अपडेट को फ्री में डाउनलोड किया जा सकता है।

नया ब्लूटूथ स्मार्ट बल्ब...

घर को आकर्षक और सुंदर बनाने में सबसे ज्यादा लाइटनिंग का यूज होता है। इस बात पर ध्यान देते हुए एसएमएफएक्स कंपनी ने नया ब्लूटूथ स्मार्ट बल्ब विकसित किया है जो 16 मिलियन रंगों से आपके ऑफ हुए मूड को भी पूरी तरह से बदल देगा। यह स्मार्ट बल्ब मौजूदा सॉकेट से आसानी से चलाया जा सकता है। साधारण बल्ब से 10 प्रतिशत ज्यादा एनर्जी सेविंग होने के साथ-साथ यह 40,000 घंटों की लाइफ भी देगा। इसमें आप लाइट्स को समय-समय पर शेड्यूल कर सकते हैं और एप की मदद से कंट्रोल भी कर सकते हैं।

भविष्य में आपके घर में टेबल पर मौजूद सजावटी सामग्रियों के बीच आपकी 'शेपीज' यानी आपकी शेप का पुतला हो सकता है। सेल्फी को स्मार्टफोन में ही देख सकते हैं। लेकिन, अब 3डी सेल्फी का जमाना आने वाला है। इस थ्रीडी सेल्फी को आप एक छोटे पुतले की भांति अपने साथ रख सकते हैं।

अब बनवाएं अपना 3डी पुतला...

सेल्फी का क्रेज अभी कम भी नहीं हुआ है कि तेजी से नए आयाम लेती तकनीक की दुनिया में फोटोग्राफी के लिए एक नये फॉर्मेट का चलन शुरू हो गया है। डिजिटल कैमरा और स्मार्टफोन ने फोटोग्राफी की दुनिया को ऐसे बदला कि फोटो स्टूडियो का क्रेज कम हो गया। अब 3डी प्रिंटर तकनीक इसमें नया बदलाव ला रही है। आने वाले समय में लोगों का रुझान ऐसे स्टूडियो की ओर बढ़ सकता है, जहां वे छोटे आकार के खुद के 3डी पुतले बनवा सकते हैं। सेल्फी खींचने और उसे डिजिटल फॉर्मेट में सुरक्षित रखने का मौजूदा ट्रेंड निकट जल्द ही बदल सकता है। दक्षिण कोरिया अब फोटोग्राफी को सेल्फी और डिजिटल प्रारूप में सुरक्षित रखने से आगे 3डी प्रिंटिंग के दौर में ले जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सियोल में कई थ्रीडी फोटो स्टूडियो खुल चुके हैं, जहां एक छोटे पुतले के रूप में आप अपनी या बच्चों की 3डी प्रिंटिंग हासिल कर सकते हैं। फिलहाल इसकी कीमत ज्यादा है, इसलिए पैसे वाले लोग ही यहां पहुंचते हैं, लेकिन भविष्य में इसकी कीमत कम होने पर यह आम लोगों की पहुंच से बाहर नहीं रहेगा।

एक साथ 100 कैमरे

अपना 3डी पुतला बनवाने की चाहत रखने वाले इन स्टूडियो में बीच में बने एक प्लेटफॉर्म पर खड़े होते हैं, जिसके चारों ओर करीब 100 कैमरे लगे हैं। ये सभी कैमरे अनेक एंगल से एक साथ आपकी 2डी तस्वीर खींचते हैं, जिन्हें सियोल की एक खास फैक्टरी में भेजा जाता है। इस फैक्टरी में 3डी प्रिंटर के लिए बनाए गए खास कंप्यूटर प्रोग्राम्स के दिशा-निर्देशों के तहत इसे ट्रांसफॉर्म किया जाता है ।

हजार लेयर में इमेज

ट्रांसफॉर्म के बाद 3डी प्रिंटर जिप्सम पाउडर की करीब 1,000 लेयर में आपकी उस इमेज को गढ़ता है, 2डी तस्वीरें लेते वक्त इसमें वह उन सभी छोटी-से-छोटी चीजों को शामिल करता है, ताकि वह बिल्कुल असली की तरह दिखे। हालांकि, इस फिगर यानी पुतले का आकार बहुत छोटा होता है ।

99 डॉलर में पांच सेमी

इस तरह बनाए जानेवाले 3डी पुतलों की कीमत 99 डॉलर से 299 डॉलर तक है। सबसे छोटा आकार पांच सेंटीमीटर है, जिसकी कीमत 99 डॉलर है, जबकि सबसे 30 सेंटीमीटर आकार के पुतले की कीमत 299 डॉलर है। एक रिपोर्ट में एशियाई देशों में फिलहाल इस नई तकनीक को दक्षिण कोरिया तक ही सीमित बताया गया है, लेकिन जल्द ही पूरी दुनिया में इसके प्रसार की उम्मीद जताई गई है। हालांकि, कई अन्य रिपोर्ट बताती हैं कि भारत समेत कई देशों में भी इसकी शुरुआत हो चुकी है ।

'सेल्फी' के बाद 'शेपीज'

भविष्य में आपके घर में टेबल पर मौजूद सजावटी सामग्रियों के बीच आपकी 'शेपीज' यानी आपकी शेप का पुतला हो सकता है। 'ब्लूमबर्ग टेक्नोलॉजी' के मुताबिक, लग्जम्बर्ग आधारित कंपनी 'आर्टेक' ने सितंबर, 2014 में पहली बार '3डी बॉडी स्कैनिंग बूथ' का डिजाइन तैयार कर ड्रेस समेत पूरे शरीर की इमेज स्कैनिंग करके 3डी प्रिंट के छोटे प्रतिरूप में मुहैया कराया था। कैलिफोर्निया के पालो आल्टो में आर्टेक के शोरूम में यह तकनीक प्रदर्शित की गई थी। ग्राहकों को यहां पांच इंच का पुतला दिया जाता है। फिगर बनाने वाले इस आइडिया को फिलहाल 'शेपीज' या '3डी सेल्फीज' नाम दिया गया है ।

ऑनलाइन ऑर्डर

सेल्फी को स्मार्टफोन में ही देख सकते हैं। लेकिन, अब 3डी सेल्फी का जमाना आने वाला है। इस थ्रीडी सेल्फी को आप एक छोटे पुतले की भांति अपने साथ रख सकते हैं। 'माय3डीसेल्फी डॉट कॉम' इसके लिए बाकायदा ऑर्डर हासिल करता है।

पांच मिनट में 3डी मॉडल

आर्टेक शेपिफाई बूथ 3डी बॉडी स्कैनिंग और सेल्फी बनाने वाली ऑटोमेटेड मशीन है। महज 12 सेकेंड में ग्राहक की स्कैनिंग करके ऑटोमेटिक तरीके से पांच मिनट में 3डी मॉडल तैयार हो जाता है और कुछ दिनों में पूरी तरह तैयार करके इसे ग्राहक को भेज दिया जाता है। इस बूथ में प्रति घंटे 10 लोगों की स्कैनिंग की जा सकती है।

भारत में भी शुरुआत

हैदराबाद की एक फर्म '3डी स्फेयर' ने भी ऐसी एक शुरुआत की है। इसकी वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, 3डी प्रिंटिंग के जरिए पुतले बनाने का काम यह चार चरणों में पूरा करता है। पहले चरण में यह पूरे शरीर की फोटोग्राफिक तकनीक के जरिए तस्वीर की 3डी स्कैनिंग की जाती है। स्कैनिंग से हासिल किए गए 3डी डाटा को संबंधित 3डी सॉफ्टवेयर में एडिट करता है। कलर 3डी प्रिंटर में इसे प्रिंट किया जाता है। तैयार हुए प्रोडक्ट यानी पुतले पर चिपके अतिरिक्त पाउडर को हटाया जाता है और उस पर ग्लू चिपकाया जाता है।

क्लोन मी का 3डी प्रोडक्ट

यह 3डी सेल्फी से क्लोन बनाने वाली एक कंपनी है, जो इनोवेटिव टेक्नोलॉजी और उत्तम कोटि की शिल्पकारी के जरिए 3डी फिगर तैयार करती है। यह कंपनी पांच चरणों में 3डी फिगर बनाती है। इच्छुक लोगों को सबसे पहले शोरूम आना होता है या फिर आप ऑनलाइन अपनी तस्वीर भेज सकते हैं। इसके प्रधान कार्यालय में स्कैनिंग को अंतिम रूप देते हुए उसकी गुणवत्ता बढ़ाई जाती है। 3डी फिगर तैयार होने के बाद शिल्पकारों द्वारा साज-सज्जा करते हुए इसे अंतिम स्वरूप प्रदान किया जाता है इसे रिफाइनमेंट कहते हैं।

स्कैबीज क्या है

इसके लक्षण और उपचार

स्कैबीज घुन से होने वाला खुजली वाला त्वचा का संक्रमण है। इसके अंडो और मल से होने वाले एलर्जिक प्रतिक्रिया के कारण रोगी को दाने या मुंहासे होते हैं। इसका उपचार आसानी से हो सकता है।

यह बीमारी एक-दूसरे के संपर्क में आने से होती है। इसके अलावा यदि आप इस बीमारी से संक्रमित किसी भी व्यक्ति के कपड़े, बिस्तर या फर्नीचर प्रयोग करते हैं तो यह आपको भी हो सकती है। भीड़भाड़ वाली जगहें, जैसे - जेल, नर्सिंग होम और बच्चों की देखभाल करने वाले स्थानों पर स्कैबीज संक्रमण के फैलने का खतरा अधिक होता है।

क्या होता है स्कैबीज

स्कैबीज त्वचा का वह संक्रमण है जो घुन के कारण होता है। जब घुन आपकी त्वचा की परत को भेदते हुए अंदर प्रवेश कर जाती है, तब यह समस्या होती है। स्कैबीज किसी को भी हो सकती है। यह किसी भी उम्र, आय और सामाजिक स्तर के लोगों को हो सकती है। यहां तक कि जो लोग स्वयं को बेहद स्वच्छ रखते हैं उन्हें भी स्कैबीज हो सकती है।

कैसे फैलती है

स्कैबीज घुन के काटने से तो फैलती ही है साथ ही यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक नजदीकी से भी हो सकती है। यह एक संचारित रोग है, जो तौलिए, चादर और अन्य निजी वस्तुएं इस्तेमाल करने से हो सकती है। स्कैबीज एक साथ परिवार के कई सदस्यों को हो सकती है। इतना ही नहीं यदि किसी संक्रमित व्यक्ति को इसके लक्षण न भी नजर आ रहे हों, तब भी वह दूसरे व्यक्ति को इस रोग से संक्रमित कर सकता है।

लक्षण

स्कैबीज से गंभीर खुजली होती है, जो अक्सर रात के समय बढ़ जाती है। इसके साथ ही रेशेज के साथ छोटे फफोले और घाव हो जाते हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों में खुजली की समस्या अधिक होती है। बच्चों की त्वचा अपेक्षाकृत अधिक संक्रमित होती है।

कैसे होता है निदान

डॉक्टर स्कैबीज के निदान की प्रक्रिया आपके लक्षणों के आधार पर करता है। स्कैबीज का सबसे कारण किसी संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक संपर्क होता है। इसके बाद डॉक्टर बड़े आराम से संक्रमित और रूखी त्वचा को खुरचकर सूक्ष्मदर्शी द्वारा उसकी जांच करता है। अधिकतर लोगों को इस जांच से कोई दर्द नहीं होता।

कैसे होता है इलाज

स्कैबीज अपने आप ठीक नहीं होती। आपको डॉक्टर की सुझायी खास क्रीम अथवा लोशन का इस्तेमाल करना होता है। कुछ गंभीर मामलों में आपको दवा का भी सेवन करना पड़ सकता है। स्कैबीज में दी जाने वाली कुछ दवायें बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान करवा रहीं माताओं के लिए सुरक्षित नहीं होतीं। इन दवाओं के खतरनाक प्रभावों से बचने के लिए अपने डॉक्टर की सुझाई दवाओं को सही प्रकार पालन करें और डॉक्टरी सलाह को अनदेखा न करें। अगर आपको स्कैबीज है, तो आपको और आपके समीप रहने वाले परिजनों का इलाज एक ही समय पर होना चाहिए। इससे संक्रमण फैलने का खतरा कम हो जाता है। इसके साथ ही आपको अपने कपड़े और तौलिए आदि भी सावधानीपूर्वक साफ करने चाहिए। घावों से होने वाले रक्तस्राव भी अच्छी तरह साफ करना चाहिए। इलाज के बाद सामान्य दो से चार सप्ताह तक खुजली रहती है। घुन के द्वारा हुई एलर्जी को दूर करने में आपके शरीर को इतना समय तो लगता ही है।

हिमालय बेबीकेयर ने लॉन्च किया 'मैची मैची पीएच' अभियान, बेबी स्किन के प्राकृतिक किसंतुलन के महत्व पर दिया जोर

भारत के सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा बेबी केयर ब्रांड्स में से एक हिमालय बेबीकेयर ने अपना नवीनतम अभियान 'मैची मैची पीएच' लॉन्च किया है। इस अभियान का उद्देश्य बेबी की नाजुक त्वचा के प्राकृतिक पीएच संतुलन को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करना है। अभियान में हिमालय बेबीकेयर पीएच 5.5 जेंटल रेंज शामिल है, जिसमें हिमालय जेंटल बेबी शैंपू, हिमालय जेंटल बेबी वॉश, जेंटल बेबी लोशन और जेंटल बेबी क्रीम शामिल हैं। ये उत्पाद बेबी की त्वचा के कि से मेल खाकर त्वचा अवरोधक (स्किन बैरियर) की सुरक्षा करते हैं और नमी को सील करते हैं, जिससे सिर से पैर तक कोमल देखभाल मिलती है।

अभियान का दिलचस्प डिजिटल फिल्म और मुख्य संदेश

अभियान के केंद्र में एक आकर्षक डिजिटल फिल्म है, जो माता-पिता के लिए एक परिचित पल को कैद करती है। फिल्म में एक मां अपने बच्चे को प्यार से मैचिंग आउटफिट पहनाती हुई दिखाई गई है और फिर एक और महत्वपूर्ण मैच पेश किया गया हैबेबी की त्वचा का पीएच। जबकि माता-पिता आमतौर पर हर छोटी-छोटी बात को बिल्कुल मैच करने पर ध्यान देते हैं, यह अभियान उन्हें याद दिलाता है कि त्वचा के प्राकृतिक किको मैच करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, ताकि बेबी की त्वचा सुरक्षित, मुलायम और स्वस्थ बनी रहे। फिल्म का सरल और यादगार टैगलाइन हैमैची मैची पीएच, और यह दिखाती है कि कैसे हिमालय बेबीकेयर की पीएच 5.5 जेंटल रेंज बेबी की त्वचा के प्राकृतिक कि संतुलन को बनाए रखने, स्किन बैरियर की सुरक्षा करने और नमी को लॉक करने में मदद करती है।

यह अभियान इस अंतर्दृष्टि पर आधारित है कि बेबी की त्वचा वयस्कों की त्वचा से काफी अधिक नाजुक होती है और विशेष देखभाल की जरूरत होती है। यह माता-पिता को रोजमर्रा की स्किनकेयर से आगे बढ़कर ऐसे उत्पादों को चुनने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो उनके बच्चे के प्राकृतिक स्किन बैरियर का समर्थन करते हैं। हिमालय बेबीकेयर एक आकर्षक और हल्के-फुल्के अंदाज में कहानी के माध्यम से इस बात पर जोर देता है कि स्वस्थ त्वचा सही पीएच संतुलन बनाए रखने से शुरू होती है।

हिमालय बेबीकेयर निदेशक का बयान

अभियान पर टिप्पणी करते हुए चक्रवर्ती एन.वी., निदेशक – बेबीकेयर, हिमालय वेलनेस, ने कहा: हिमालय बेबीकेयर में हम माता-पिता को यह समझने में मदद करके बेबी केयर को आसान और चिंता-मुक्त बनाने का प्रयास करते हैं कि कैसे सरल और सूचित विकल्प उनके बच्चे की त्वचा के स्वास्थ्य में सार्थक अंतर ला सकते हैं। माता-पिता अपने बच्चों के लिए हर विकल्प सोच-समझकर चुनते हैं, और त्वचा के प्राकृतिक पीएच को बनाए रखना स्वस्थ शिशु त्वचा के लिए वही महत्वपूर्ण विकल्प है। 'मैची मैची किं अभियान के माध्यम से हमारा लक्ष्य पीएच-संतुलित स्किनकेयर के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है, जो बेबी के नाजुक स्किन बैरियर की सुरक्षा में मदद करता है, साथ ही कोमल, सुरक्षित और प्रभावी देखभाल प्रदान करता है, जिस पर माता-पिता रोज भरोसा कर सकते हैं।

अभियान में हिमालय बेबीकेयर पीएच 5.5 जेंटल रेंज को प्रमुखता दी गई है, जिसमें जेंटल बेबी शैंपू, जेंटल बेबी वॉश, जेंटल बेबी लोशन और जेंटल बेबी क्रीम शामिल हैं। यह विशेष रूप से तैयार की गई रेंज शिशु की त्वचा के प्राकृतिक पीएच संतुलन का समर्थन करने, स्किन बैरियर की सुरक्षा करने और मुलायम, स्वस्थ दिखने वाली त्वचा के लिए नमी को लॉक करने में मदद करती है।

देशभर में बहुभाषी पहुंच

यह अभियान डिजिटल और सोशल मीडिया पर रोल आउट किया जा रहा है, साथ ही क्षेत्रीय पहुंच के माध्यम से अतिरिक्त प्रचार के साथ पूरे देश के माता-पिता तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। यह अभियान हिंदी, अंग्रेजी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी, बंगाली, ओडिया और असमिया भाषाओं में उपलब्ध है।

बहुभाषी अभियान का उद्देश्य पूरे भारत के परिवारों के लिए कोमल बेबी स्किनकेयर के आसपास की बातचीत को अधिक सुलभ और संबंधित बनाना है।

'मैची मैची किं हिमालय बेबीकेयर की इस प्रतिबद्धता को मजबूत करता है कि वह माता-पिता की पालन-पोषण यात्रा के दौरान सुरक्षित, कोमल और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित बेबी केयर समाधानों के साथ उनका समर्थन करता रहे।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

न्याय की जीत

तहलका पत्रिका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को एक दुष्कर्म के आरोप में 10 साल की सजा और 1021000 रुपए का जुर्माना देने का आदेश देते हुए बम्बई हाईकोर्ट की गोवा पीठ ने निचली अदालत के 2021 के उस फैसले को भी निरस्त कर दिया जिसमें उन्हें दोषमुक्त कर दिया था। दरअसल 13 वर्ष पहले गोवा में अपनी सहकर्मी के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार तरुण तेजपाल अपने बचाव में दो बातें ही पुलिस और अदालतों में रखते आए हैं। पहला यह कि वह राजनीतिक प्रतिशोध के शिकार हुए हैं और दूसरा यह कि उनकी भी दो बेटियां हैं, इसलिए वह इस तरह का अपराध नहीं कर सकते। किन्तु गोवा पुलिस द्वारा आरोपी तरुण तेजपाल पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376 (2) एफ (संरक्षक की स्थिति में रहने वाले व्यक्ति द्वारा महिला से दुष्कर्म), धारा 354-ए (यौन उत्पीड़न) और धारा 354 (बी) (महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से उसके खिलाफ आपराधिक बल प्रयोग) की धाराएं लगाई थी, उसी के तहत न्यूनतम सजा सुनाई है। आरोपी के पास ऊंची अदालतों में जाने का अधिकार होता है और यह अधिकार तेजपाल को भी है, इसीलिए उच्च न्यायालय द्वारा सजा सुनाए जाने के तुरन्त बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा कि वह इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे। तेजपाल के स्थान पर कोई भी होता तो वह यही कहता और यही करता किन्तु एक बात तो बिल्कुल स्थापित हो गई थी जिस नैतिकता के मानदण्ड पर तरुण तेजपाल पत्रकारिता करते थे, उसकी तो उन्होंने धज्जियां ही उड़ा दीं। पत्रकारिता के माथे पर जितने गहरे कलंक की कालिख तरुण तेजपाल ने पोती है, उसका आसानी से छूट पाना संभव नहीं है। सहकर्मियों के साथ जिस अविश्वास का वातावरण तरुण तेजपाल की वजह से फैला है, वह उद्दमिता के लिए घातक साबित हो सकता है। बहरहाल एक सामान्य नागरिक यदि यही अपराध करता तो उसको यदि सजा मिलती तो वह सामान्य ही मानी जाती किन्तु एक ऐसा व्यक्ति जिस पर पत्रकारिता जगत गर्व करता रहा हो, तेजपाल की शैतानी हरकतों ने पत्रकारों के चारित्रिक पतन की ओर भी अंगुली उठा दी है। पत्रकार तार्किक आधार पर समाज, सरकार और किसी दुर्जन के खिलाफ आवाज उठाता है तो उसे संवैधानिक उपबंधों के तहत संरक्षण भी मिलता है किन्तु यदि पत्रकार का पतन हो जाता है और वह भावनात्मक आधार पर अदालत से रहम की भीख मांगता है तो वह निश्चित रूप से पत्रकारिता के लिए जीने का उसका मात्र ढोंग है। तरुण तेजपाल को आज राजनीतिक प्रतिशोध शब्द का इस्तेमाल इसलिए करना पड़ा ताकि उच्च न्यायालय के जजों को उन पर दया आ जाए, किन्तु यही तेजपाल वाजपेयी सरकार के रक्षामंत्री जार्ज फर्नाण्डीज को बदनाम करने के लिए कुछ राजनेताओं के प्रतिशोध लेने का माध्यम बने थे। पत्रकारिता की आड़ में तत्कालीन रक्षामंत्री और कुछ सैन्य अधिकारियों को फंसाने के लिए फर्जी कंपनी बनाकर जिस तरह अभिनय किया था, उसका स्मरण भी तो आना चाहिए। सुचारु रूप से चल रही एक सरकार को अस्थिर एवं बदनाम करने के लिए किसी पत्रकार की साजिश कदापि नैतिकता के मानदण्ड को न्यायोचित नहीं ठहराती। लब्बोलुआब यह है कि जब व्यक्ति को अपने अपराध पर पर्दा डालने के लिए बहाने कम पड़ जाएं तो उसे अपना अपराध ही स्वीकार कर लेना चाहिए और इसे अपना पश्चाताप मान ले। अच्छा है तेजपाल सुप्रीम कोर्ट में उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील करें किन्तु पत्रकारिता की उन जैसे काली भेड़ों की वजह से जितनी छवि धूमिल होनी थी वह तो हो ही गई लेकिन इस फैसले को न्याय की जीत कहा जा सकता है।

तेजपाल को एक दुष्कर्म के आरोप में 10 साल की सजा और 1021000 रुपए का जुर्माना देने का आदेश देते हुए बम्बई हाईकोर्ट की गोवा पीठ ने निचली अदालत के 2021 के उस फैसले को भी निरस्त कर दिया जिसमें उन्हें दोषमुक्त कर दिया था। दरअसल 13 वर्ष पहले गोवा में अपनी सहकर्मी के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार तरुण तेजपाल अपने बचाव में दो बातें ही पुलिस और अदालतों में रखते आए हैं। पहला यह कि वह राजनीतिक प्रतिशोध के शिकार हुए हैं और दूसरा यह कि उनकी भी दो बेटियां हैं, इसलिए वह इस तरह का अपराध नहीं कर सकते। किन्तु गोवा पुलिस द्वारा आरोपी तरुण तेजपाल पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376 (2) एफ (संरक्षक की स्थिति में रहने वाले व्यक्ति द्वारा महिला से दुष्कर्म), धारा 354-ए (यौन उत्पीड़न) और धारा 354 (बी) (महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से उसके खिलाफ आपराधिक बल प्रयोग) की धाराएं लगाई थी, उसी के तहत न्यूनतम सजा सुनाई है। आरोपी के पास ऊंची अदालतों में जाने का अधिकार होता है और यह अधिकार तेजपाल को भी है, इसीलिए उच्च न्यायालय द्वारा सजा सुनाए जाने के तुरन्त बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा कि वह इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे। तेजपाल के स्थान पर कोई भी होता तो वह यही कहता और यही करता किन्तु एक बात तो बिल्कुल स्थापित हो गई थी जिस नैतिकता के मानदण्ड पर तरुण तेजपाल पत्रकारिता करते थे, उसकी तो उन्होंने धज्जियां ही उड़ा दीं।

आज दुर्भाग्य से यह धारणा तेजी से फैल रही है कि अच्छी शिक्षा केवल निजी विद्यालयों में ही मिल सकती है

सरकारी स्कूल बचेंगे तो शिक्षा, संस्कार और संस्कृति भी बचेगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

शिक्षा ही वह आधार है जिस पर सभ्यता, संस्कृति, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और आर्थिक प्रगति का पूरा ढाँचा खड़ा होता है। यदि शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी तो समाज मजबूत होगा; यदि शिक्षा कमजोर होगी तो उसका प्रभाव आने वाली कई पीढ़ियों तक दिखाई देगा। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सरकारी विद्यालय केवल पढ़ाई के केंद्र नहीं हैं, बल्कि सामाजिक समानता के सबसे बड़े संस्थान भी हैं। यहाँ किसान का बेटा, मजदूर की बेटी, दुकानदार का बच्चा और सरकारी कर्मचारी का पुत्र एक ही कक्षा में बैठकर शिक्षा प्राप्त कर सकता है। यही वह व्यवस्था है जो समाज में समान अवसर की भावना को जन्म देती है। यदि यह व्यवस्था कमजोर पड़ती है, तो शिक्षा धीरे-धीरे आर्थिक क्षमता पर निर्भर हो जाती है और समाज दो हिस्सों में बँटने लगता है—एक वह जो महँगी शिक्षा खरीद सकता है और दूसरा वह जिसे सीमित अवसरों से ही संतोष करना पड़ता है।

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसके विशाल भवनों, चौड़ी सड़कों, ऊँची इमारतों या आर्थिक विकास दर से नहीं मापी जाती। किसी देश की सबसे बड़ी शक्ति उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा ही वह आधार है जिस पर सभ्यता, संस्कृति, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और आर्थिक प्रगति का पूरा ढाँचा खड़ा होता है। यदि शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी तो समाज मजबूत होगा; यदि शिक्षा कमजोर होगी तो उसका प्रभाव आने वाली कई पीढ़ियों तक दिखाई देगा। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सरकारी विद्यालय केवल पढ़ाई के केंद्र नहीं हैं, बल्कि सामाजिक समानता के सबसे बड़े संस्थान भी हैं। यहाँ किसान का बेटा, मजदूर की बेटी, दुकानदार का बच्चा और सरकारी कर्मचारी का पुत्र एक ही कक्षा में बैठकर शिक्षा प्राप्त कर सकता है। यही वह व्यवस्था है जो समाज में समान अवसर की भावना को जन्म देती है। यदि यह व्यवस्था कमजोर पड़ती है, तो शिक्षा धीरे-धीरे आर्थिक क्षमता पर निर्भर हो जाती है और समाज दो हिस्सों में बँटने लगता है—एक वह जो महँगी शिक्षा खरीद सकता है और दूसरा वह जिसे सीमित अवसरों से ही संतोष करना पड़ता है। आज दुर्भाग्य से यह धारणा तेजी से फैल रही है कि अच्छी शिक्षा केवल निजी विद्यालयों में ही मिल सकती है। अंग्रेज़ी माध्यम को गुणवत्ता का पर्याय मान लिया गया है। अभिभावक अपनी आय का बड़ा हिस्सा निजी विद्यालयों की फीस, परिवहन, पुस्तकों और अन्य खर्चों पर लगाने को मजबूर हैं। दूसरी ओर, सरकारी विद्यालयों के प्रति उदासीनता बढ़ी है। यह प्रवृत्ति केवल शिक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन का भी प्रश्न है। यह सच है कि कुछ सरकारी विद्यालय संसाधनों, शिक्षकों की कमी या प्रशासनिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि देश के हजारों सरकारी विद्यालय उत्कृष्ट परिणाम दे रहे हैं। अनेक सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी प्रशासनिक सेवाओं, सेना, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, खेल और शोध जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं। समस्या पूरे सरकारी तंत्र की नहीं, बल्कि उसकी असमान गुणवत्ता, सार्वजनिक धारणा और निरंतर सहयोग की कमी की भी है। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को अच्छा नागरिक बनाना, सही और गलत में अंतर करना सिखाना, संविधान के प्रति सम्मान विकसित करना और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव जगाना भी है। यदि शिक्षा केवल परीक्षा और अंकों तक सीमित हो जाए तो वह अधूरी शिक्षा है। संस्कार, सहिष्णुता, अनुशासन, सहयोग और संवेदनशीलता जैसे मूल्य भी शिक्षा का अभिन्न हिस्सा हैं। सरकारी विद्यालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलते हैं। विविध सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के बच्चों का एक साथ पढ़ना लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करता है। बच्चे एक-दूसरे की परिस्थितियों को समझते हैं, विविधता का

सम्मान करना सीखते हैं और सामाजिक समरसता विकसित होती है। इसके विपरीत यदि शिक्षा पूरी तरह आर्थिक वर्गों में बँट जाएगी तो सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी। आज अपराध, नशाखोरी, हिंसा, साइबर अपराध और सामाजिक असहिष्णुता जैसी समस्याओं पर गंभीर चर्चा होती है। इन समस्याओं के अनेक कारण हैं—बेरोज़गारी, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन, अवसरों की कमी और मूल्य-आधारित शिक्षा का अभाव। यह कहना उचित नहीं होगा कि इन सभी समस्याओं का कारण केवल शिक्षा व्यवस्था है, लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि एक मजबूत, समावेशी और मूल्य-आधारित शिक्षा व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसीलिए सरकारी विद्यालयों को केवल भवन, कमरे और फर्नीचर के रूप में नहीं देखना चाहिए। वे सामाजिक परिवर्तन के केंद्र हैं। यदि इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित शिक्षक और समुदाय का सहयोग मिलेगा तो उनका प्रभाव केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे समाज पर पड़ेगा। अक्सर यह प्रश्न पूछा जाता है कि यदि निजी विद्यालय बेहतर हैं तो लोग सरकारी विद्यालयों की चिंता क्यों करें? इसका उत्तर बहुत सरल है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था कमजोर होने का प्रभाव अंततः पूरे समाज पर पड़ता है। जब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल कुछ लोगों तक सीमित रह जाती है, तब अवसरों की असमानता बढ़ती है। असमानता बढ़ने पर सामाजिक तनाव, आर्थिक विषमता और असंतोष भी बढ़ते हैं। इसलिए सरकारी विद्यालयों की मजबूती केवल गरीबों का नहीं, बल्कि पूरे समाज का हित है। ग्रामीण भारत में सरकारी विद्यालयों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण है। अनेक गाँवों में यही एकमात्र ऐसा संस्थान है जहाँ बच्चों को शिक्षा का अवसर मिलता है। यदि इन विद्यालयों की गुणवत्ता बेहतर होगी तो गाँवों से पलायन कम होगा, स्थानीय प्रतिभाएँ आगे आएँगी और ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके विपरीत यदि ग्रामीण शिक्षा कमजोर होगी तो उसका प्रभाव रोजगार, कृषि, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास तक दिखाई देगा। शिक्षक इस पूरी व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। समाज को चाहिए कि वह शिक्षकों के प्रति सम्मान का वातावरण बनाए। साथ ही शिक्षकों का दायित्व भी है कि वे केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। एक प्रेरित शिक्षक कई पीढ़ियों का भविष्य बदल सकता है। अभिभावकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। विद्यालय केवल शिक्षकों के भरोसे नहीं चल सकते। यदि माता-पिता नियमित रूप से विद्यालय जाएँ, शिक्षकों से संवाद करें, बच्चों की पढ़ाई में रुचि लें और विद्यालय की गतिविधियों में भाग लें, तो शिक्षा का स्तर स्वतः बेहतर होगा। विद्यालय और परिवार का सहयोग ही सफल शिक्षा की कुंजी है। स्थानीय समाज, पंचायतें, पूर्व विद्यार्थी, सामाजिक संगठन और जनप्रतिनिधि भी सरकारी विद्यालयों के विकास में भागीदार बन सकते हैं। पुस्तकालय, खेल सामग्री, पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, करियर मार्गदर्शन और डिजिटल संसाधनों जैसी अनेक पहलें सामुदायिक सहयोग से संभव हैं। जब पूरा समाज विद्यालय को अपना समझता है, तब विद्यालय भी समाज का गौरव बन जाता है। सरकारों की जिम्मेदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, डिजिटल कक्षाएँ, पुस्तकालय, खेल सुविधाएँ, सुरक्षित भवन, स्वच्छ पेयजल और नियमित प्रशिक्षण जैसी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करनी होंगी। शिक्षा पर किया गया व्यय खर्च नहीं, बल्कि भविष्य में किया गया निवेश होता है। नई शिक्षा नीति ने भी मातृभाषा, कौशल विकास, समग्र शिक्षा और स्थानीय संस्कृति के संरक्षण पर बल दिया है। सरकारी विद्यालय इस दृष्टि को सबसे प्रभावी ढंग से लागू कर सकते हैं, क्योंकि वे समाज की वास्तविक आवश्यकताओं के सबसे निकट हैं। यदि इन विद्यालयों को पर्याप्त संसाधन और सामाजिक विश्वास मिले तो वे राष्ट्रीय विकास की सबसे बड़ी शक्ति बन सकते हैं। हमें यह भी समझना होगा कि अंग्रेज़ी भाषा सीखना उपयोगी है, लेकिन शिक्षा का अर्थ केवल अंग्रेज़ी माध्यम नहीं है। ज्ञान, तर्कशक्ति, वैज्ञानिक सोच, नैतिकता और रचनात्मकता किसी एक भाषा की बपौती नहीं हैं। मातृभाषा में मजबूत आधार और अन्य भाषाओं का ज्ञान—दोनों मिलकर विद्यार्थियों को अधिक सक्षम बनाते हैं। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि सहभागिता की है। केवल सरकार को दोष देने या केवल शिक्षकों को जिम्मेदार ठहराने से समाधान नहीं निकलेगा। शिक्षा एक साझा जिम्मेदारी है। सरकार, शिक्षक, अभिभावक, विद्यार्थी और समाज—सभी को अपनी-अपनी भूमिका निभानी होगी। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियाँ संवेदनशील, शिक्षित, संस्कारी और जिम्मेदार नागरिक बनें, तो हमें सरकारी विद्यालयों को मजबूत बनाना ही होगा। यह केवल शिक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, समान अवसर और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा का प्रश्न भी है।

देश दुनिया से

हसीना के तेवरों के बाद बांग्लादेश से रिश्तों में तल्खी

कुछ दिन पहले तक भारत से रिश्ते नॉर्मल करने की दिशा में कूटनीतिक प्रयास हो रहे थे, लेकिन एक बार फिर उस पर पानी फिरता नज़र आ रहा है। बांग्लादेश ने बुधवार को भारत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को नई दिल्ली में मीडिया के साथ लाइव बातचीत करने की अनुमति देने पर नाराज़गी जताई है। बांग्लादेश का कहना है कि इस कदम से हमारे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और यह दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध बनाने की कोशिशों के लिए नुकसानदेह है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ढाका ने भारत सरकार को पहले ही अपनी चिंताएं बता दी थीं। इस तरह का कार्यक्रम दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को सुधारने की कोशिशों को कमज़ोर कर सकता है। मंत्रालय ने खेद जताया कि जुलाई क्रांति की दूसरी बरसी पर शेख हसीना का मीडिया संवाद बांग्लादेश की संप्रभुता की अवमानना है और जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों का अपमान भी है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि 2013 में हुई बांग्लादेश-भारत प्रत्यर्पण संधि के तहत हसीना की वापसी के लिए बांग्लादेश के बार-बार किए गए अनुरोधों का अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। भारत ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के उस वर्चुअल भाषण के आयोजन में किसी भी भूमिका से इनकार किया है, जो उन्हें सत्ता से हटाने वाले विद्रोह की दूसरी बरसी के मौके पर हुआ था। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'सरकार की इसमें कोई भूमिका नहीं है और वह इस मंच पर व्यक्त किए जाने वाले किसी भी विचार का समर्थन नहीं करती है।' 78 वर्षीय हसीना बुधवार को नई दिल्ली में फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ़ साउथ एशिया द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपने बेटे साजीब वाज़ेद जॉय और अन्य वक्ताओं के साथ पहली बार सार्वजनिक रूप से (वीडियो लिंक के ज़रिए) दिखाई दी थीं। ढाका से भागने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। लेकिन उस वीडियो को बांग्लादेश में कोई न देखे,

इसकी तैयारी ढाका ने पहले से कर रखी थी। दोनों देशों के बीच नए सिरे से जो तल्खी हुई है, उसमें शक है कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान नई दिल्ली आएंगे। भारत ने 12 और 13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल होने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को आमंत्रित किया है। शेख हसीना के बयान के बाद ढाका इस पर पुनर्विचार करने लगा है। यों, भारत ने यह आमंत्रण बांग्लादेश को ब्रिक्स सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्रीय संगठन बिम्सटेक के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में दिया है। शेख हसीना ने यह बयान इस वक्त क्यों दिया है? उसकी टाइमिंग पर ध्यान दिया जाना चाहिए। क्या वो नहीं चाहतीं कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और पीएम मोदी के रिश्ते बेहतर हों? दिनेश त्रिवेदी को ढाका में उच्चायुक्त बनाकर भेजने का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक नौकरशाही से हटकर एक कद्दावर राजनेता के ज़रिए रणनीतिक संवाद स्थापित करना था। 18 महीने के अंतराल के बाद कोलकाता-ढाका के बीच और ढाका-अगरतला के बीच बस सेवाएं चल रही हैं। जब मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ा और वैश्विक ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई, तो दिल्ली ने सीमा-पार फ्रेंडशिप पाइपलाइन के ज़रिए बांग्लादेश को हज़ारों टन आपातकालीन ईंधन भेजा। लेकिन, दिनेश त्रिवेदी सांप-सीढ़ी वाले खेल में फंस गए लगते हैं। फरवरी, 2026 के आम चुनाव के बाद जिस तरह बीएनपी सत्ता में आई, लोग व्यापक बदलाव की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन, अब वो निराशा में बदलने लगी है। नेशनल सिटिज़न पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा, 'आम लोगों को अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में कोई राहत नहीं मिली है।' गुरुवार को 11 पार्टियों के गठबंधन ने ढाका में धरना दिया, जिसमें गैस, बिजली और आवश्यक वस्तुओं के मौजूदा संकट का विरोध किया गया और 10 सूत्रीय मांगों का चार्टर पेश किया गया। गठबंधन ने सितंबर से नवंबर तक विरोध कार्यक्रमों की घोषणा की है। मुक्तांगन में रैली के बाद जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान, नेशनल सिटिज़न पार्टी के संयोजक नाहिद इस्लाम, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष कर्नल (रिटायर्ड) ओली अहमद और गठबंधन के अन्य नेताओं ने सचिवालय की ओर मार्च किया। उन्होंने घरेलू गैस की कीमतें कम करने, बिना रुकावट पाइपलाइन गैस आपूर्ति और हर घर तक बिजली पहुंचाने की मांग की। संभवतः शेख हसीना इसी का इंतज़ार कर रही थीं, जब देश में क्रांति करने वाले चेहरे अपने किए पर अफ़सोस प्रकट करें। अब जब शेख हसीना ख़ुद बांग्लादेश जाना चाहती हैं, क्या नया निज़ाम उन्हें आने से रोकेगा? मगर, ढाका-दिल्ली के बीच बनते-बिगड़ते संबंधों की एकमात्र वजह शेख हसीना नहीं हैं। चीन ने भी अपना खेल जारी रखा है। याद कीजिए, जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस 26 से 29 मार्च, 2025 तक चीन के दौरे पर थे, तब आठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। चीन लगातार 15 सालों से बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है। बांग्लादेश में लगभग 1,000 चीनी कंपनियां काम कर रही हैं, जिन्होंने देश में 5,50,000 से ज़्यादा नौकरियां पैदा की हैं।

कुछ अलग

स्वामी विवेकानंद की सीख

स्वामी विवेकानंद विश्वास, मेहनत और आध्यात्मिक सोच को बहुत महत्व देते थे। वे अक्सर अपने विद्यार्थियों और लोगों को एक घटना सुनाया करते थे, जो उनके विद्यार्थी जीवन की थी। उस समय वे नरेंद्र के नाम से जाने जाते थे। नरेंद्र को संस्कृत पढ़ाने वाले उनके गुरु जी बहुत गरीब थे। आर्थिक परेशानियों के बावजूद उनका विश्वास ईश्वर पर अटूट था। वे हमेशा अपने विद्यार्थियों से कहते थे कि भगवान बहुत दयालु हैं और वह अपने भक्तों का ध्यान जरूर रखते हैं। गुरु जी की यह बात विद्यार्थियों के मन में गहराई से बस गई थी, क्योंकि वे इसे केवल कहते नहीं थे, बल्कि पूरे विश्वास के साथ जीते भी थे। एक दिन गुरु जी कक्षा में पढ़ा रहे थे। तभी एक व्यक्ति वहां आया और उसने उन्हें एक मनी ऑर्डर दिया। साथ ही एक पत्र भी सौंपा। गुरु जी ने जब पत्र पढ़ा तो उनकी आंखों में आंसू आ गए। कक्षा खत्म होने के बाद नरेंद्र तुरंत गुरु जी के पास पहुंचे और पूछा, "गुरु जी, क्या बात है? सब ठीक तो है?" गुरु जी ने बताया कि उनके परिवार के छोटे-छोटे बच्चे कई दिनों से भूखे थे। गरीबी के कारण वे उनके भोजन की व्यवस्था नहीं कर पा रहे थे। तभी एक सज्जन व्यक्ति ने उन्हें पैसे भेजे थे। पत्र में लिखा था कि वह उन्हें जानते हैं और उनके सपने में भगवान शिव आए थे। शिव जी ने उन्हें प्रेरणा दी कि वे गुरु जी की सहायता करें, इसलिए उन्होंने यह धन भेजा है। नरेंद्र ने भावुक होकर कहा, "गुरु जी, अगर आप इतनी परेशानी में थे तो हमें बता देते। हम सभी मिलकर आपकी सहायता करते।" गुरु जी मुस्कुराए और बोले, "जब ऊपर बैठा परमात्मा मेरी चिंता कर रहा है, तो मैं नीचे वालों से क्यों मांगूं।"

आप का नज़रिया

रिश्तों के जख्म

अक्सर भारतीय समाज में उदाहरण दिया जाता रहा है कि बेटे भले ही बुढ़ापे में मां-बाप की अनदेखी कर दें, लेकिन बेटियां हर मुश्किल वक्त में मां-बाप के साथ खड़ी होती हैं। वे संवेदनशील होती हैं। रिश्तों की कद्र करना जानती हैं। लेकिन सोनीपत के एक वृद्धाश्रम में रहने वाले एक हारे हुए कारोबारी, जीवन के बाद भी अपनों की बेरुखी से हार गये। जिन तीन बेटियों को नाजों से पाला, खूब पढ़ाया-लिखाया और धूमधाम से शादी की, उनमें से कोई भी पिता की चिता को अग्नि देने नहीं आई। वृद्धाश्रम के कर्ता-धर्ताओं के सबल आग्रह के बावजूद कोई बेटी आने को तैयार न हुई। एक बेटी तो नेपाल में थी लेकिन दूसरी आजमगढ़ और तीसरी मुंबई में थी। एक बेटी ने ऑनलाइन कुछ पैसे अंतिम संस्कार के लिये भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। जबकि बाकी ने आने में असमर्थता जता दी। हां, मुंबई वाली बेटी ने अंतिम संस्कार का वीडियो जल्दी से भेजने को जरूर कहा। घटनाक्रम का दुखांत यह भी है कि बेटियों ने तेरहवीं तक में आने से इनकार कर दिया। वक्त का चक्र देखिए कि कभी मुंबई में करोड़ों का कारोबार करने वाले कारोबारी की अंतिम यात्रा के वक्त कोई अपना साथ न था। कारोबार में घाटे के बाद अपनों ने मुंह फेर लिया। कुछ समय पहले वृद्धाश्रम में रह रही पत्नी भी साथ छोड़ गई। आज हम तमाम समृद्धि व सुख-सुविधाएं जुटाने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन लगातार रिश्तों की पूंजी गंवाते जा रहे हैं। कोरोना काल में तमाम खून के रिश्तों की त्रासदी तब भी उजागर हुई थी, जब संक्रमण से पीड़ित माता-पिता से खून के रिश्ते भी दूर हो गए थे। यह हमारे समय की त्रासदी है कि तमाम सुख-सुविधाओं में पले बच्चे मुश्किल वक्त में जीवन देने वाले मां-बाप को त्रासदपूर्ण स्थितियों में अकेला छोड़ देते हैं। वहीं यह हमारे समाजविज्ञानियों के लिये गहन आत्ममंथन का विषय है कि क्यों नई पीढ़ी हमारे सनातन जीवन मूल्यों से विमुख होती जा रही है। एक समय था कि पूरी दुनिया में भारत के संयुक्त परिवारों की मिसाल दी जाती थी। पुरानी पीढ़ी भले ही अभावों में पली हो, पिता चाहे व्यवहार में कितने भी सख्त रहे हों, लेकिन बच्चों ने बुढ़ापे की लाठी बनकर अपने तमाम दायित्वों को ईमानदारी से निभाया। दरअसल, संयुक्त परिवार हमें कष्ट सहने, सामंजस्य बनाने और दूसरों के सुख-दुख में शामिल होने का संदेश भी देता था। जीवन के हर क्षेत्र में एक अनुशासन की जरूरत होती है। परिवार में भी यदि मुखिया का अनुशासन कायम न रहे तो बच्चे स्वच्छंद व्यवहार करने लगते हैं। वे आत्मकेंद्रित हो जाते हैं। लेकिन आज हमारे समाज में पश्चिमी संस्कृति ने इतनी गहराई से जड़ें जमा ली हैं कि परिवार संस्था को लेकर हम संवेदनहीन होते चले गये। हम सड़क पर घायल पड़े व्यक्ति को नजरअंदाज करके आगे बढ़ जाते हैं। ऐसा भी नहीं है कि सोनीपत की घटना पूरे समाज का सत्य है। यह महज एक घटना है। लेकिन मौजूदा समय के सत्य से अवगत कराती है कि समाज किस दिशा में जा रहा है। ऐसा नहीं है कि जिन बेटियों ने तमाम संसाधन व घर परिवार के होते हुए भी मां-बाप को वृद्धाश्रम जाने को बाध्य किया, वे अपने जीवन में ऐसी परिस्थितियों से दो-चार नहीं हो सकती। यह घटना सोशल मीडिया में इतनी वायरल हुई कि बेटियां शर्मसार जरूर हुई हैं। एक बेटी को तो समाज में मिट्टी पलीद होने से इतना झटका लगा कि दावा किया जा रहा है कि उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। निश्चित रूप से भारतीय जीवन-दर्शन कर्मफल के सिद्धांत का अनुसरण करता रहा है। अपने कृत्यों का फल हमें अवश्य भोगना पड़ता है। जो हम कर रहे हैं, आने वाली पीढ़ियां हमें वही लौटाएंगी। बहरहाल समाज में संवेदनाओं का क्षरण एक गंभीर चुनौती है।

बुढ़ापे में मां-बाप की अनदेखी कर दें, लेकिन बेटियां हर मुश्किल वक्त में मां-बाप के साथ खड़ी होती हैं। वे संवेदनशील होती हैं। रिश्तों की कद्र करना जानती हैं। लेकिन सोनीपत के एक वृद्धाश्रम में रहने वाले एक हारे हुए कारोबारी, जीवन के बाद भी अपनों की बेरुखी से हार गये। जिन तीन बेटियों को नाजों से पाला, खूब पढ़ाया-लिखाया और धूमधाम से शादी की, उनमें से कोई भी पिता की चिता को अग्नि देने नहीं आई। वृद्धाश्रम के कर्ता-धर्ताओं के सबल आग्रह के बावजूद कोई बेटी आने को तैयार न हुई। एक बेटी तो नेपाल में थी लेकिन दूसरी आजमगढ़ और तीसरी मुंबई में थी। एक बेटी ने ऑनलाइन कुछ पैसे अंतिम संस्कार के लिये भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। जबकि बाकी ने आने में असमर्थता जता दी। हां, मुंबई वाली बेटी ने अंतिम संस्कार का वीडियो जल्दी से भेजने को जरूर कहा। घटनाक्रम का दुखांत यह भी है कि बेटियों ने तेरहवीं तक में आने से इनकार कर दिया। वक्त का चक्र देखिए कि कभी मुंबई में करोड़ों का कारोबार करने वाले कारोबारी की अंतिम यात्रा के वक्त कोई अपना साथ न था। कारोबार में घाटे के बाद अपनों ने मुंह फेर लिया। कुछ समय पहले वृद्धाश्रम में रह रही पत्नी भी साथ छोड़ गई। आज हम तमाम समृद्धि व सुख-सुविधाएं जुटाने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन लगातार रिश्तों की पूंजी गंवाते जा रहे हैं। कोरोना काल में तमाम खून के रिश्तों की त्रासदी तब भी उजागर हुई थी, जब संक्रमण से पीड़ित माता-पिता से खून के रिश्ते भी दूर हो गए थे।

दृष्टि कोण

भारत के विरुद्ध अमेरिका एवं चीन का परोक्ष युद्ध

चीन के इशारों पर अब नेपाल भी भारत को अपने तेवर दिखाने लगा है। इसी कारण उसने वैलाश मानसरोवर की लिपूलेख के द्वारा यात्रा पर सवाल उठाए हैं तथा इस क्षेत्र के वुछ हिस्सों को दोनों देशों के बीच में विवादित बताया है। इस प्रकार का विवाद आजादी के बाद से आज तक भारत और नेपाल के बीच में कभी नहीं उठा है। आज के युग में तकनीक के क्षेत्र में प्रगति होने कारण युद्ध के प्रकारों में भी काफी बदलाव देखने में आता है। जैसे पहले सीमाओं पर आमने-सामने लड़ जाने वाले युद्ध के स्थान पर आजकल मिसाइलों और हवाई हमले से दुश्मनों के आधारभूत ढांचे और आर्थिक संसाधनों की तबाही द्वारा दुश्मन को परास्त करने की कोशिश की जाती है जैसा कि रूस-यूक्रेन तथा अमेरिका -ईंरान युद्ध में हुआ है। इन युद्ध में पुराने युद्धयों के मुकाबले सैनिकों की छति ना के बराबर हुईं परंतु ईंरान और यूक्रेन के आर्थिक संसाधनों को भारी क्षति पहुंची है। इसी व्रम में साबिर युद्ध भी आता है। इसके द्वारा दुश्मन देश की जनता में साइबर और सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार करके जनता को उस देश की सरकार के विरुद्ध भड़काना होता है। इस प्रकार का युद्ध पाकिस्तान बार-बार भारत के विरोध करता रहता है जिस कारण देश में अक्सर सांप्रदायिक तनाव और शाहीन बाग जैसे धरने प्रदर्शन देखने में आते हैं। इन धंधे प्रदर्शनों को दुश्मन देश धन और असामाजिक तत्वों के द्वारा भी पूरी मदद करते हैं। इन सामाजिक तत्वों में ज्यादातर इनके स्लीपिग एजेंट शामिल होते हैं। पिछले वुछ समय से भारत की आर्थिक और सैनिक प्रगति को देखते हुए चीन और अमेरिका भारत के चारों तरफ के देशों को भारत के विरुद्ध परोक्ष युद्ध के लिए प्रयोग कर रहे हैं जैसा की चीन बांग्लादेश और नेपाल को भारत के विरुद्ध तैयार कर रहा है। नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मुद्दे पर देश में चल रहे छात्र आंदोलन के बीच सूत्रों द्वारा समाचार मिले हैं की पाकिस्तान और बांग्लादेश से संचालित 20000 से अधिक संदिग्ध सोशल मीडिया अकाउंट विभिन्न प्लेटफार्म पर सव्रिय पाए गए हैं। इन अकाउंट का इस्तेमाल आंदोलन को हवा देने और माहौल को उग्र बनाने के लिए किया जा रहा था। छात्रों द्वारा सरकार के विरुद्ध

कठोर तथा आव्रामक रुख अपनाने के पीछे इन विदेशी सोशल मीडिया का ही हाथ है। अक्सर जब भी हमारे देश की सरकार और जनता के बीच में कोई मुद्दा उभरता है तभी देश के दुश्मन पाकिस्तान द्वारा इसे भड़काने तथा इसे सुलझाने में सरकार के लिए मुश्किले पैदा करता है। इसका बड़ा उदाहरण 2020 में नागरिकता संशोधन कानून के विरुद्ध साइन बाग में चला धरना प्रदर्शन था जिसकी समाप्ति दिल्ली दँगों से हुईं। वह भी उस समय जब देश में विश्व की महाशक्ति अमेरिका के राष्ट्रपति दौरे पर थे। अमेरिकी राष्ट्रपति के दोरे को कवर करने के लिए विदेशी मीडिया नई दिल्ली में एकत्र था। जिस कारण इन दंगों की खबर पूरे विश्व में फैली। शाहीन बाग प्रदर्शन में अंतरराष्ट्रीय वैचारिक संगठनों के नेटवर्को के द्वारा मुसलमानों में भ्रांति पैलाने का प्रयास किया जा गया की सरकार नागरिकता संशोधन कानून के द्वारा मुसलमानों की नागरिकता इस नए कानून से छीन लेगी। सूत्रों के अनुसार इस आंदोलन में भाग लेने को बालों को ?500 तथा भोजन उपलब्ध कराया जाता था। इसके लिए धन विदेशों में सव्रिय पॉपुलर प्रंट आफ इंडिया तथा इसी प्रकार के संगठनों द्वारा भेजा गया जाता था। ईंडी को केवल पामिी उत्तर प्रदेश के बैंक खातों में 120 करोड़ धन की जमा होने की जानकारी मिली थी। इस विरोध को पूरे देश में पैलने के लिए देश के देश के विभिन्न भागों जैसे गया, कोलकाता, प्रयागराज मुंबई तथा बेंगलुरु तक में इसको पैला कर सरकार पर इसको निरस्त करने के लिए दवाब बनाने का प्रयास किया गया था। अभी नीट पेपर लीक धरने की तरह ही शाहीन बाग में भी देश की विभिन्न यूनिर्वसिटियों के छात्रों को इस धरने में शामिल किया गया था।

एफआईएच हाकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिलने से उत्साहित हैं मोहित

नई दिल्ली

कर्नाटक के युवा खिलाड़ी एचएस मोहित को एफआईएच हाकी विश्व कप के लिए दूसरे गोलकीपर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मोहित इससे बेहद उत्साहित है क्योंकि उनका भारतीय टीम से खेलने का सपना पूरा होने जा रहा है। एफआईएच विश्वकप 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इसमें अनुभवी गोलकीपर सूरज करकेरा भारतीय टीम के पहले गोलकीपर रहेंगे। सूरज से इस टूर्नामेंट में मोहित को काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा।

युवा मोहित ने पिछले कुछ समय में अपने शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में इस खिलाड़ी ने काफी अच्छी गोलकीपिंग कर कई गोल बचाये थे। मोहित ने जूनियर विश्व कप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया इसके बाद उन्हे सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह जगह मिली है।

हाकी इंडिया द्वारा जारी एक बयान में मोहित ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, मेरी हमेशा से यही सोच रही है कि भारत के लिए बड़े टूर्नामेंट खेलूं। जूनियर विश्व कप में हम पदक नहीं जीत सके थे और चौथे स्थान पर रहे थे। तभी से मेरा सपना था कि भारत के लिए कुछ बड़ा करूं। मोहित ने भारतीय हाकी के महान गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश से मिली सीख को भी याद किया। उन्होंने कहा, हमने उनसे काफी कुछ सीखा है पर जिस प्रकार का दबाव उनपर रहता था वैसा हमपर नहीं है। उन्होंने भारत के लिए शानदार योगदान दिया है। मैरा भी प्रयास अब अपनी ओर से सौ फीसदी योगदान देना रहेगा।

गौरतलब है कि भारतीय टीम हाल ही में समाप्त हुए एफआईएच प्रो लीग अभियान में नीदरलैंड और जर्मनी जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद नए आत्मविश्वास के साथ विश्व कप में उतर रही है। टीम की तैयारियों पर मोहित ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा, नीदरलैंड और जर्मनी को हराने के बाद हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मुझे लगता है कि विश्व कप से पहले हमारी तैयारियां सही दिशा में हैं। मोहित के लिए विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उनका लक्ष्य मैदान पर हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देना और भारत को फिर से विश्व चैंपियन बनाने में योगदान देना है। उन्होंने दृढ़ता से कहा, मेरे लिए सबसे बड़ा पैमाना यही है कि जब भी मैं मैदान पर उतरूं, देश के लिए अपना सौ प्रतिशत दूं। मेरे सीनियर करियर में इससे बड़ा अवसर अब तक नहीं मिला है। मैं भारत को एक बार फिर विश्व चैंपियन बनाने की पूरी कोशिश करूंगा।

न्यूज ब्रीफ

प्रज्ञानानंद ने जीता ग्रैंड शतरंज टूर सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज 2026 का खिताब

सेंट लुइस। भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज 2026 का खिताब एक दौर शेष रहते अपने नाम कर लिया। 20 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने गुरु को अंतिम से पहले दौर में उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ ड्रा खेलकर खिताब पर कब्जा जमाया। प्रज्ञानानंद ने पूरे पांच दिवसीय टूर्नामेंट के दौरान बढ़त बनाए रखा। सिंदारोव ने अंत तक उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन आखिर में वह 1.5 अंकों से पीछे रह गए। खिताब जीतने के बाद प्रज्ञानानंद ने कहा, जब आप स्कोर देखते हैं तो सब कुछ आसान और सहज लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसा बिल्कुल नहीं था। यह टूर्नामेंट बेहद कठिन और रोमांचक रहा। मैं जावोखिर को श्रेय देना चाहूंगा, उन्होंने आखिरी तक शानदार संघर्ष किया। इस खिताबी जीत के साथ प्रज्ञानानंद को 50 हजार अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि और 13 जीसीटी अंक मिले। इसके साथ ही वह 2026 ग्रैंड शतरंज टूर सीजन अंकतालिका में अमेरिका के फैबियानो कारुआना के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, उपविजेता रहे सिंदारोव ने कहा, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, लेकिन प्रैग ने वास्तव में बहुत अच्छा खेल दिखाया। कई बार सिर्फ अच्छा खेलना ही काफी नहीं होता, आपको किस्मत का साथ भी चाहिए होता है। अब ग्रैंड शतरंज टूर का समापन सिंकफील्ड कप के साथ होगा, जिसकी शुरुआत 10 अगस्त से होगी।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज टर्नर ने संन्यास लिया

लंदन । इंग्लैंड के युवा तेज गेंदबाज जान टर्नर ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। टर्नर के 25 साल की उम्र में ही संन्यास लेने के कारण सभी हैरान हैं। टर्नर के समय से पहले संन्यास लेने का कारण लगातार चोटिल होना रहा है। वह लगातर स्ट्रेस फ्रैक्चर और चोटों के कारण परेशान रहे हैं। इसी कारण वह अपने करियर में केवल 4 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेल पाये हैं। घरेलू क्रिकेट में टर्नर ने साल 2023 के वाइटैलिटी ब्लास्ट टूर्नामेंट में केवल 11 मैचों में ही 21 विकेट लेकर सभी को प्रभावित किया था। द हंड्रेड में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। साल 2023 में ही उन्हें पहली बार इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया था। वहीं लाल गेंद के प्रारूप में उन्हें अधिक सफलता नहीं मिलीहा। हैम्पशायर की काउंटी चैम्पियनशिप टीम में वह जगह नहीं बना पाये और अपने पूरे करियर में केवल 7 प्रथम श्रेणी मैच ही खेलने का अवसर उन्हें मिला। साल 2025 की शुरुआत में उन्होंने लेनकाशायर के लिए तीन मैच खेले पर चोटिल होने के कारण वह फिर बाहर हो गये। इसके बाद जून 2025 में उन्होंने अपना अंतिम मैच खेला था और तब से ही पीठ में खिंचाव के कारण वह टीम से बाहर हैं। टर्नर ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि पेशेवर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना उनका बचपन का सपना रहा था, जिसे हैम्पशायर और इंग्लैंड के लिए खेलकर उन्होंने पूरा किया। टर्नर ने खेल को अलविदा कहने के इस फैसले को अपने जीवन का सबसे कठिन फैसल बताया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे के कार्यक्रम में हुअ बदलाव, तीन टी20 मैच भी जोड़े गये

जोहांसबर्ग। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाएगी। दौरे के कार्यक्रम में कुछ बदलाव हुए हैं। इसी को लेकर क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने नया कार्रक्रम जारी किया है। इस दौरे में तीन टी20 मैच भी जोड़े गये हैं। इस प्रकार देखा जाये तो इस दौरे में दोनो टीमों के बीच एक टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। तीन टी20 मैचों को शामिल करने का फैसला अगले साल होने वाली पहली आईसीसी महिला चैम्पियंस ट्राफी को ध्यान में रखते हुए किया गया है। दोनों ही टीमों का लक्ष्य चैम्पियंस ट्राफी के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर करना रहेगा। भारतीय टीम अफ्रीका दौरे में अपना एकमात्र टेस्ट मैच 9 दिसंबर से गकेबरहा में खेलेगी। इसके बाद 16 दिसंबर से तीन मैचों की एकदिवीसय सीरीज खेली जाएगी। वहीं अंत में टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। ये सीरीज 26 दिसंबर बाक्सिंग डे से शुरु होगी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा है कि टी20 सीरीज कार्यक्रम में इसलिए शामिल की गयी है।

विश्व जूनियर एथलेटिक्स : मोहम्मद अशफाक ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकार्ड, 400 मीटर फाइनल में पहुंचे, बसंत भी हाई जंप के फाइनल में

यूजीन (ओरेगन)

विश्व जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन गुरु को भारत के मोहम्मद अशफाक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष 400 मीटर में नया अंडर-20 राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया और फाइनल में जगह बना ली। वहीं, बसंत ने पुरुष हाई जंप के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर भारत की उम्मीदें बरकरार रखीं। 19 वर्षीय अशफाक ने हीट-5 में 45.81 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस दौरान उन्होंने अप्रैल में बेंगलुरु में आयोजित अंडर-20 फेडरेशन कप में बनाए गए अपने ही 46.05 सेकंड के राष्ट्रीय रिकार्ड को तोड़ दिया।

इसके बाद सेमीफाइनल की तीसरी हीट में अशफाक ने 46.00 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। अमेरिका के क्विंसी विल्सन (45.02 सेकंड) और दक्षिण अफ्रीका के किर्न रोमिन (45.87 सेकंड) उनसे आगे रहे। वहीं, भारत के पियूष राज हीट-6 में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल में जगह नहीं बना सके।

पुरुष हाई जंप में बसंत ने 2.14 मीटर की छलांग लगाकर ग्रुप-ए में पांचवां स्थान हासिल किया और फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। वहीं के. अंब्रीश ग्रुप-बी में 2.05 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ बाहर हो गए। दोनों ग्रुप में कोई भी खिलाड़ी 2.21 मीटर के स्वत: क्वालीफिकेशन मानक को पार नहीं कर सका।

महिला डिस्कस थ्रो फाइनल में अमनत कंबोज ने 53.24 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक चीन की सू यिक्सिन ने 61.06 मीटर के अंडर-20 विश्व लीड थ्रो के साथ जीता।

महिला शाट पुट में अंशु फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। उन्होंने क्वालीफिकेशन में 15.24 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और ग्रुप-ए में नौवें तथा कुल 14वें स्थान पर रहीं। वह फाइनल के लिए निर्धारित कटआफ से 21 सेंटीमीटर पीछे रह गईं।

महिला 400 मीटर बाधा दौड़ में तनु चौधरी ने 1:00.03 मिनट का समय निकालकर अपनी हीट में पांचवां स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। वहीं, पुरुष 400 मीटर बाधा दौड़ में अमित कुमार 54.01 सेकंड के समय के साथ अपनी हीट में अंतिम स्थान पर रहे।

पुरुष ट्रिपल जंप क्वालीफिकेशन में धनुष राज (14.71 मीटर) और पी. रायशन (15.20 मीटर) भी फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके।

पिछले 10 माह मेरे लिए बेहद कठिन रहे : नीरज

नई दिल्ली। हाल में राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीतने वाले शीर्ष भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का कहना है कि पिछले कुछ समय में उन्हें फिटनेस से जुड़े मामलों को लेकर काफी मुश्किलों से जूझना पड़ा है। नीरज के अनुसार बीते 10 माह मेरे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे और इस दौरान मुझे ऐसा समय भी देखना पड़ा जैसा पहले कभी नहीं देखा था और न ही उसकी कल्पना की थी। ऐसे में राष्ट्रमण्डल में जीता पदक वापसी की ओर बढ़ते कदम हैं। नीरज के अनुसार वह जांघ की मांसपेशियों की चोट और कुछ अन्य शारीरिक परेशानियों से प्रभावित रहे। उनके फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया कठिन थी। चोटों के कारण उनका सत्र देर से शुरू हुआ, जिससे उन्हें कई प्रतियोगिताओं से दूर रहना पड़ा। हालांकि, वह बर्मिंघम में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही लय हासिल करने में सफल रहे।। सोशल मीडिया में राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन का एक वीडियो साझा करते हुए नीरज ने अपने अनुभवों को बताय। उन्होंने लिखा, कुछ भाले लंबी दूरी तय करते हैं और कुछ पल पूरी यात्रा का भार अपने साथ लेकर आते हैं। पिछले 10 महीने ने मेरी ऐसी परीक्षा ली, जिसकी मैंने कभी कल्पना नहीं की थी। उन्होंने आगे कहा, कई चोटों से उबरना, अपने शरीर को दोबारा मजबूत बनाना, फिर से लय हासिल करना और उस समय धैर्य रखना काफी मुश्किल था। मैं केवल प्रतियोगिता में उतरना चाहता था जिसके लिए हर दिन अभ्यास कर रहा था, लेकिन यह भी नहीं पता था कि इस साल मुझे खेलने का मौका मिलेगा या नहीं।पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप से ठीक पहले उन्हें कमर के निचले हिस्से में चोट लगी थी, और राष्ट्रमंडल खेलों से पहले उन्होंने केवल एक प्रतियोगिता में भाग लिया था। इन मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी वापसी को सफल बनाया। अपनी वापसी में मदद करने वाले सहयोगी दल और परिवार के प्रति नीरज ने गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, इस स्तर पर दोबारा प्रतिस्पर्धा करना अच्छा लग रहा है। यह सब कुछ अकेले संभव नहीं था। मैं उन लोगों का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा विश्वास बनाए रखा। उन्होंने विशेष रूप से अपने फिजियो ईशान मारवाहा और कोच जय चौधरी को धन्यवाद दिया। अब उनका लक्ष्य आगामी डायमंड लीग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा।

कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में हारीं तन्वी शर्मा

असान (दक्षिण कोरिया)

भारत की 17 वर्षीय स्टार शटलर तन्वी शर्मा का कोरिया मास्टर्स 2026 में शानदार अभियान क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें आल-इंडियन मुकाबले में रक्षिता रामराज ने 18-21, 21-19, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पिछले सप्ताह ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर सबसे कम उम्र की चैंपियन बनने वाली तन्वी ने पहला गेम अपने नाम कर शानदार शुरुआत की थी। हालांकि, रक्षिता ने दमदार वापसी करते हुए दूसरा और तीसरा गेम जीत लिया। इस जीत के साथ रक्षिता ने तन्वी के खिलाफ अपना आमने-सामने का रिकार्ड 4-0 कर लिया।

हार के बावजूद तन्वी ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में कई उच्च रैंकिंग खिलाड़ियों को हराकर क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया, जिससे इस महीने होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप से पहले उनका आत्मविश्वास और मजबूत हुआ।

इससे पहले प्री-क्वार्टरफाइनल में तन्वी ने आल-इंडियन मुकाबले मेंश श्रियांशी वालिशेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया था।

अब सेमीफाइनल में रक्षिता का सामना भारत की अश्मिता चालिहा से होगा। अश्मिता ने शीर्ष वरीयता प्राप्त हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

पुरुष युगल में भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति राय और कृष्ण प्रसाद गरागा ने दक्षिण कोरिया के किम यंग-ह्युक और शिन ताए-यांग को 21-18, 21-19 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

वहीं, महिला युगल में सोनाली सिंह और रितिका ठाकेर को जापान की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी सुमिरे नाकादे और मियू ताकाहाशी ने 21-15, 21-9 से हराया। मिश्रित युगल में छठी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ईशान भटनागर और श्रुति मिश्रा को दक्षिण कोरिया के शिन ताए-यांग और किम यू जंग के खिलाफ 21-16, 16-21, 21-13 से हार का सामना करना पड़ा।

हाशिम आमला के तीन पसंदीदा क्रिकेटरों में विराट का नाम नहीं

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर हाशिम अमला ने साल 2027 के आईसीसी पुरुष एकदिवसी विश्व कप को लेकर अपने पसंदीदा तीन दिग्गज क्रिकेटरों के नाम साझा किये हैं जिन्हें व विश्वकप में खेलते हुए देखना चाहते हैं। हैरानी की बात ये है कि इसमें भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का नाम शामिल नहीं है। अमला ने अपने पसंदीदा खिलाड़ियों में भारत, दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया का एक-एक खिलाड़ी शामिल किया है पर आमला की इस सूची में विराट का नाम नहीं होने से प्रशंसक हैरान हैं क्योंकि विराट एकदिवसीय के साथ ही विश्व कप इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज है। अमला ने कोहली की जगह आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को अपनी पसंदीदा सूची में शामिल किया है, कोहली की तरह ही रोहित का भी एकदिवसीय क्रिकेट और विश्व कप में रिकार्ड बेहद शानदार रहा है। वह एकदिवसीय प्रारूप में भारत के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में भी तीसरे स्थान पर हैं।

डीपीएल : आर्यन गौर की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पुरानी दिल्ली 6 ने दर्ज की शानदार जीत

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पुरानी दिल्ली 6 ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 27 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज आर्यन गौर की विस्फोटक पारी और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की अहम भूमिका रही।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पुरानी दिल्ली 6 ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 177 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज आर्यन गौर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों पर 91 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके और चार छक्के शामिल रहे। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाते हुए टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।

आर्यन के 13वें ओवर में ऋतिक शोकीन का शिकार बनने के बाद पुरानी दिल्ली 6 की पारी लड़खड़ा गई और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते हुए 155 रन पर सात विकेट खो दिए। हालांकि, अंत में दिग्वेश सिंह राठी ने नौ गेंदों पर नाबाद 19 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम का स्कोर 177 रन तक पहुंचाया।

न्यू दिल्ली टाइगर्स की ओर से ऋतिक शोकीन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 18 रन देकर चार विकेट लिए। लक्ष्मण ने भी चार ओवर में 29 रन देकर चार विकेट झटके।

178 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यू दिल्ली टाइगर्स की टीम कभी भी लय हासिल नहीं कर सकी। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम दबाव में रही और 119 रन तक पहुंचते-पहुंचते पांच विकेट गंवा दिए।

कप्तान हिम्मत सिंह ने 25 गेंदों पर 36 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। निर्धारित 20 ओवर में न्यू दिल्ली टाइगर्स की टीम आठ विकेट पर 150 रन ही बना सकी और मुकाबला 27 रन से हार गई।

पुरानी दिल्ली 6 की ओर से रजनीश दादर ने चार ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। वहीं पंकज जसवाल ने चार ओवर में एक मेडन सहित सिर्फ 22 रन देकर एक विकेट हासिल किया और टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

काउंटी क्रिकेट में ससेक्स की ओर से खेलते दिखेंगे तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट

20 अगस्त को वार्विकशायर के खिलाफ मैच से होगी वापसी

लंदन

तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट एक बार फिर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। उनादकट इस सप्ताह के अंत में काउंटी खेलने के यहां पहुंचेंगे। वह ससेक्स टीम की ओर से खेलते दिखेंगे। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में अभी सीमित ओवरों के मुकाबले चल रहे हैं जिसमें द हंड्रेड और वनडे कप शामिल है।

वह इस बार ससेक्स की ओर से बचे हुए 6 काउंटी चैंपियनशिप मैचों में खेलेंगे, इनकी शुरुआत 20 अगस्त को बर्मिंघम के एजबस्टन में वार्विकशायर के खिलाफ मैच से होगी। उनादकट का ससेक्स के साथ अनुबंध केवल काउंटी चैंपियनशिप के लिए है और उम्मीद है कि जब लाल गेंद प्रतियोगिता फिर से शुरू होगी तो वह

टीम में वापस आ जाएंगे। उनादकट ने जून में भी काउंटी चैंपियनशिप के दो मैचों में हिस्सा लिया था। इसके बाद आईपीएल के कारण वह शुरुआती दौर से बाहर हो गये थे। उनादकट ने कहा, अब काउंटी क्रिकेट में वापसी हो रही है। मैं पिछले चार सत्र से ससेक्स की ओर से खेल रहा हूं। उनादकट के अलावा पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने साल 2024 चैंपियनशिप सीजन के दौरान ससेक्स की ओर से खेला था। उनादकट काउंटी में काफी सफल् रहे हैं।

उन्होंने 13 काउंटी मैचों में 17.75 की औसत और 38.2 की स्ट्राइक रेट से 57 विकेट लिए हैं, जिसमें एक बार पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। इस सीजन में खेले गए दो मैचों की चार पारियों में उन्होंने आठ विकेट लिए। गौरतलब है कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली राबिन्सन की कप्तानी में ससेक्स अभी काउंटी चैंपियनशिप के डिवीज़न वन में पांचवें स्थान पर है। उन्होंने अपने आठ मैचों में से चार जीते हैं, दो हारे हैं और दो मैच ड्रा रहे हैं। सीज़न में उनके अभी छह मैच बाकी हैं।

कर्नाटक के नये कोच बने पूर्व तेज गेंदबाज विनय कुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक ने आगामी घरेलू सीजन के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आर विनय कुमार को मुख्य कोच बनाया है। विनय ने लंबे समय तक कर्नाटक की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला है। ऐसे में उनके लंबे अनुभवों का लाभ भी कर्नाटक टीम को मिलेगा। वह लाल गेंद के प्रारुप में सबसे अच्छे क्रिकेटरों में शामिल रहे हैं। कर्नाटक क्रिकेट संघ की प्रशासनिक कमेटी ने भी विनय कुमार को कोच बनाये जाने के फैसले को मंजूरी दे दी है। ऐसे में अब 13 अगस्त को होने वाली कार्यकारी समिति की बैठक में विनय कुमार के साथ-साथ पुरुष और महिला टीम के सहयोगी कोचिंग स्टाफ के नामों की भी घोष्णा होनी है। विनय के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का भी अनुभव है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए एक टेस्ट में एक विकेट, 31 एकदिवसीय में 38 विकेट और नौ टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 10 विकेट लिए हैं। विनय को आईपीएल का भी अनुभव है। इस तेज गेंदबाज ने साल 2008 के शुरुआती सत्र में ही रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से खेला है। इसके बाद विनय ने कोच्चि टस्कर्स, केकेआर और मुंबई इंडियंस के लिए भी खेला है। संन्यास के बाद वह मुंबई इंडियंस से जुड़ गये थे। इसमें उनकी भूमिका टीम के लिए प्रतिभाओं की तलाश थी। इसके अलावा वह आईएल टी 20 में एमआई एमिरेट्स के गेंदबाजी कोच भी रहे हैं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सेवा का अवसर मिलना पूर्व जन्मों के पुण्यों का प्रतिफल : लता गोयल

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास, गौशाला के सामने शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, असहाय एवं राहगीरों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और आत्मीयता के साथ सेवा कार्य संपन्न करते हुए यह संदेश दिया कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी ईश्वर सेवा है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लता गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप से जुड़ना और सेवा करने का अवसर मिलना हमारे पूर्व जन्मों के पुण्यों का प्रतिफल है। ईश्वर हर किसी को सेवा का अवसर नहीं देता, यह सौभाग्य केवल उन्हें प्राप्त होता है जिन पर प्रभु और राधारानी की विशेष कृपा होती है। उन्होंने कहा कि जब किसी भूखे व्यक्ति को प्रेमपूर्वक भोजन कराया जाता है, तब केवल उसकी भूख ही शांत नहीं होती, बल्कि उसके हृदय से निकली दुआएँ समाज और परिवार के लिए भी मंगलकारी बनती हैं।

लता गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप पिछले लंबे समय से बिना किसी भेदभाव के नियमित रूप से अन्नदान एवं मानव सेवा के कार्य कर रहा है। यह केवल भोजन वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि करुणा, संवेदना, प्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक सशक्त अभियान है। उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ किसी दिखावे से नहीं, बल्कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुख को कम करने का प्रयास करना है। यही भावना समाज में भाईचारा, सहयोग और मानवीय मूल्यों को मजबूत बनाती है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज में स्वार्थ की भावना बढ़ रही है, ऐसे समय में राधे-राधे ग्रुप का प्रत्येक सदस्य निस्वार्थ सेवा का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन कराना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार और सहयोग की भावना को जन-जन तक पहुँचाना है। यदि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति अपने जीवन का थोड़ा-सा समय और संसाधन जरूरतमंदों की सेवा के लिए समर्पित करे, तो समाज में कोई भी व्यक्ति भूखा या असहाय नहीं रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा को जीवन की सबसे बड़ी साधना बताते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप का प्रत्येक सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन रहा है।

सभी ने भविष्य में भी इसी समर्पण और निष्ठा के साथ नियमित अन्नदान एवं जनकल्याण के कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर अनिल धरशुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल एवं लता गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

माहेश्वरम जोन डीसीपी की अध्यक्षता में मासिक अपराध समीक्षा बैठक संपन्न

अनसुलझे गंभीर मामलों, साइबर क्राइम और सीसीटीवी निगरानी पर विशेष जोर

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। फ्यूचर सिटी कमिश्नरेट के अंतर्गत माहेश्वरम जोन डीसीपी श्री के. नारायण रेड्डी, आईपीएस की अध्यक्षता में 07-08-2026 को माहेश्वरम डीसीपी कार्यालय में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य अपराध नियंत्रण उपायों, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा दृश्यमान पुलिसिंग के कार्यान्वयन की समीक्षा करना था।

बैठक के दौरान डीसीपी ने सभी लंबित मामलों की गहन समीक्षा की। अनसुलझे गंभीर (यूआई) मामलों, एससी/एसटी मामलों, पीडी एक्ट मामलों, पॉक्सो मामलों, एनडीपीएस मामलों, आरोप पत्रों, राउडी शीटर्स, सीसीटीवी कवरेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) विश्लेषण, साइबर क्राइम मामलों तथा अन्य जांच मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया।

डीसीपी ने सभी स्टेशन हाउस अधिकारियों को शीघ्र जांच सुनिश्चित करने, समय पर आरोप पत्र दाखिल करने, आदतन अपराधियों की प्रभावी निगरानी करने, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली को मजबूत करने, सक्रिय दृश्यमान पुलिसिंग लागू करने तथा कानून-व्यवस्था का कठोर पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने केस डिटेक्शन रेट में सुधार लाने और पेशेवर, परिणाम-उन्मुख जांच दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

बैठक में माहेश्वरम एसीपी श्री एस. जानकी रेड्डी तथा माहेश्वरम जोन के सभी स्टेशन हाउस अधिकारी (एसएचओ) उपस्थित थे।

बेंगलूरु में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महामहोत्सव 4 सितंबर को

बेंगलूरु, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, बेंगलूरु चैप्टर एवं श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति के संयुक्त तत्वावधान में 4 सितंबर को बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड (गेट नंबर-6) स्थित रॉयल सीनेट में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महामहोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम ईश्वरीय सत्ता से विभूषित सिद्ध गुरुवर ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के पावन सान्निध्य में शाम 4:30 बजे से प्रारंभ होगा।

आयोजन की तैयारियों को लेकर श्री ब्रह्मर्षि आश्रम की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती इंदु राठौर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडवाइजरी बोर्ड सदस्य राजकुमार सिपानी, रमेश सांखला तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा और व्यवस्थाओं पर चर्चा की।आयोजन अध्यक्ष हापूराम माली ने बताया कि पूज्य गुरुदेव की स्वीकृति के बाद गुरु भक्तों में उत्साह का वातावरण है। उन्होंने कहा कि इस भक्तिमय आयोजन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर गुरुदेव के आशीर्वचनों का लाभ प्राप्त करेंगे।

बैठक में महेंद्र दफ्तरी, संजय बजाज, संतोष बजाज, संगीता केजरीवाल, प्रखर गोलेछा, सौरभ भंसाली सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में भक्ति मंडल की अध्यक्ष प्रिया गोलेछा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में सरूरनगर थाने में शिकायत

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय वानरसेना के राष्ट्रीय गौरक्षा अध्यक्ष श्रीराम कुमार जोशी ने संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ गुरुवार को सरूरनगर पुलिस थाने में वी. रमणामूर्ति नामक व्यक्ति के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संबंधित व्यक्ति ने एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता एवं भगवान श्रीकृष्ण के संबंध में कथित रूप से आपत्तिजनक एवं अमर्यादित टिप्पणियां कीं, जिससे हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि वी. रमणामूर्ति पूर्व में भी सनातन धर्म के संबंध में विवादित बयान देते रहे हैं। राष्ट्रीय वानरसेना ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

सरूरनगर पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले को गंभीरता से लेते हुए बताया कि विधिक राय (लीगल ओपिनियन) प्राप्त करने के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर केशवर्धन रेड्डी, कश्यप रेड्डी, ओमसिंह राजपुरोहित, धर्मेंद्र तिवारी एवं नंदकिशोर सारडा सहित राष्ट्रीय वानरसेना के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसडीएस कॉलेज के एमबीए विभाग में बोनालू उत्सव और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति के एस.डी. सिग्नोदिया कॉलेज के एमबीए विभाग में बोनालू पूजा एवं मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माता की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ विद्यार्थियों की सफलता का उत्सव मनाया गया।

विभाग के कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा में करिश्मा ठाकुर ने सात विषयों में आउटस्टैंडिंग तथा एक विषय में ए-प्लस ग्रेड, मनासा ने सात विषयों में आउटस्टैंडिंग एवं एक विषय में ए ग्रेड तथा पूजा मालानी ने छह विषयों में आउटस्टैंडिंग, एक विषय में ए-प्लस और एक विषय में ए ग्रेड प्राप्त किया। तीनों छात्राओं को उनके अभिभावकों की उपस्थिति में शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि विभाग के 115 विद्यार्थियों में से 84 ने प्रथम श्रेणी विद डिस्टिंक्शन तथा 28 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की। इस प्रकार विभाग का कुल परीक्षा परिणाम लगभग 98 प्रतिशत रहा।इस अवसर पर नए शैक्षणिक सत्र के प्रवेश अभियान की समीक्षा भी की गई तथा प्रवेश समिति के सदस्यों से सभी 120 सीटें भरने के लिए समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम में कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. सी.एच. दल पड़ाल, निदेशक प्रो. पल्लवी रंगनाथ, सहायक प्राध्यापक सत्यजीत सिंह ठाकुर, वेंकटेश, किरण, डॉ. नागराज, रश्मिता, पद्मजा, लाइब्रेरियन सीनू सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समकित सच्चा हो तो कोई भी डगमगा नहीं सकता : राजमतीजी

मलकपेट चातुर्मास में सम्यक दर्शन, ज्ञान और तप का दिया संदेश

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्रीसंघ, मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में आयोजित आध्यात्मिक वर्षावास-2026 के अंतर्गत पूज्य राजमतीजी म.सा. ने प्रवचन में कहा कि ''यदि समकित (सम्यक दर्शन) सच्चा और दृढ़ हो, तो कोई भी व्यक्ति को आध्यात्मिक मार्ग से डगमगा नहीं सकता।'' उन्होंने कहा कि आत्मकल्याण के लिए सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन, सम्यक चरित्र और सम्यक तप आवश्यक हैं तथा प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन आत्मचिंतन करना चाहिए।

इस अवसर पर पूज्य जीव्याश्रीजी म.सा. ने प्रेरक प्रवचन देते हुए कहा कि मनुष्य जीवन मोक्ष प्राप्ति का श्रेष्ठ अवसर है। उन्होंने कहा कि अपनी भूल स्वीकार कर उसे सुधारने वाला व्यक्ति ही आध्यात्मिक उन्नति की ओर बढ़ता है तथा क्षमा का भाव जीवन का सबसे बड़ा गुण है।

चातुर्मास संयोजक पारस डोसी ने बताया कि आयंबिल एवं एकासन की श्रृंखला निरंतर जारी है। रविवार को प्रवचन के पश्चात गौतम प्रसादी तथा तेजस्वी बहु मंडल, मलकपेट के तत्वावधान में धार्मिक मेमोरी गेम प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

प्रवचन के उपरांत नवकार महामंत्र जाप, मंगल पाठ एवं गुरु वंदना का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने पूज्य साध्वीवृंद के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

'वन वर्ल्ड फ्यूजन' का 13वां सीजन 14 को

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। संगीतांजलि फाउंडेशन, तेलंगाना सरकार के भाषा एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से 14 अगस्त को 'वन वर्ल्ड फ्यूजन' के 13वें सीजन का आयोजन करेगा। यह संगीत महोत्सव शुक्रवार शाम 7 बजे रविंद्र भारती, हैदराबाद में आयोजित होगा। कार्यक्रम का संयोजन संगीतांजलि फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिजीत भट्टाचार्जी एवं ग्रैमी जूरी सदस्य पंडित प्रद्युत मुखर्जी द्वारा किया गया है। इसमें बॉलीवुड के लोकप्रिय गीतों और भारतीय शास्त्रीय रागों का अनूठा फ्यूजन प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को भारतीय शास्त्रीय संगीत से जोड़ना है। इस वर्ष शुभदीप दास चौधरी, बरनाली चट्टोपाध्याय, किशोर सोढा तथा रिदम एक्सप्रेस बैंड पहली बार एक साथ मंच साझा करेंगे। यह आयोजन ऑटिज्म आश्रम के सहयोग से ऑटिज्म जागरूकता को समर्पित है। कार्यक्रम के प्रवेश पास पिक्सेलपास और बुकमायशो पर उपलब्ध हैं। संगीत, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों का यह अनूठा संगम दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया कैटरिंग एसोसिएशन द्वारा जयपुर में आयोजित समारोह में भंडारी कैटरिंग सर्विसेस के संचालक एवं महेश बैंक के पूर्व वाइस चेयरमैन रामप्रकाश भंडारी को 'एक्सलेंस अवार्ड फॉर इंडियन क्यूज़ीन' से सम्मानित किए जाने पर महेश बैंक मुख्यालय में उनका राजस्थानी परंपरा के अनुसार भव्य अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड़, वाइस चेयरमैन गोविंद राठी, पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, निदेशक रुपेश सोनी, पवन लोहिया, मुकुंदलाल बाहेती, दीपक बंग, देवेंद्र झंवर, कैलाश मंत्री, सीए अल्का झंवर एवं कविता तोष्णीवाल सहित बैंक के पदाधिकारियों ने शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर रामप्रकाश भंडारी को सम्मानित किया तथा उनकी उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं

योलो समिट का तीसरा संस्करण शुरू

कक्षा 8 से 12 के छात्रों के लिए दो दिवसीय करियर और कौशल विकास कार्यक्रम

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रीमिया अकादमी ने अपने प्रमुख धजङ्ज स्टूडेंट समिट का तीसरा संस्करण का उद्घाटन किया। कक्षा 8 से 12 के छात्रों के लिए आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य उनकी क्षमता को पहचानना, भविष्य के कैरियर मार्गों की खोज करना और तेजी से बदलती दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करना है।

मुख्य अतिथि डॉ. संजय कल्वाकुंतला, विधायक, कोरुटला निर्वाचन क्षेत्र ने छात्रों को जिज्ञासा, नवाचार और आजीवन सीखने को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

पहले दिन छात्रों को विचारों को कार्य में बदलने तथा तकनीक-प्रधान विश्व के लिए आवश्यक मानसिकता और कौशल से परिचित कराया गया। विजन बोर्ड से एक्शन प्लान और ब्रेन ब्लूचिप इन्वेस्टमेंट पर मास्टरक्लास के साथ एल्गोरिदम बनाम प्रामाणिकता: एआई युग में मानव प्रीमियम जैसी वर्कशॉप आयोजित की गई। व्यक्तिगत वित्त, जेन-जेड जीवन मार्गदर्शन, साइड हसल तथा स्टैंड-अप कॉमेडियन मयंक पराख के द जेन-जेड रोस्टेड एंड टोस्टेड सत्र ने छात्रों को व्यावहारिक जीवन कौशल सिखाए। उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं पर भी सत्र आयोजित हुए।

प्रीमिया अकादमी की संस्थापक सुश्री सिंदुरी रेड्डी ने कहा, धजङ्ज समिट छात्रों को केवल सलाह नहीं, बल्कि स्पष्टता, साहस और विश्वास बनाने वाले अनुभव देता है। हम उन्हें भविष्य का अनुमान लगाने के बजाय उसे गढ़ने के लिए तैयार कर रहे हैं। प्रधानाचार्य सुश्री तृप्ति राव ने जोड़ा कि आज के छात्र तेजी से बदलते कैरियर परिदृश्य में प्रवेश कर रहे हैं और स्कूलों की जिम्मेदारी है कि वे पाठ्यपुस्तकों से आगे जाकर वास्तविक दुनिया की सोच और समस्या-समाधान के अवसर प्रदान करें।

दूसरे दिन उन्नत वर्कशॉप, नवाचार प्रतियोगिताएं और विशेषज्ञ सत्र आयोजित होंगे। यह समिट उद्यमिता, वित्तीय जागरूकता, नेतृत्व और समग्र विकास पर जोर देते हुए छात्रों को महत्वाकांक्षा को कार्य में बदलने के लिए सशक्त बनाता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

परिसीमन...

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद एकनाथ शिंदे ने सभी राजनीतिक दलों से राष्ट्रीय हित में इन विधेयकों का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष संसद की कार्यवाही को अनावश्यक रूप से बाधित कर रहा है और गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग केवल राजनीतिक उद्देश्य से की जा रही है।

उधर, कांग्रेस ने 10, 11 और 12 अगस्त के लिए अपने लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों को व्हिप जारी कर सदन में अनिवार्य उपस्थिति के निर्देश दिए हैं। साथ ही 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी दलों से भी अपने सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया है।

आगामी सप्ताह में संसद में महिला आरक्षण, परिसीमन तथा विदेशी अंशदान संशोधन विधेयक को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखा राजनीतिक टकराव देखने को मिल सकता है। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सदन के सुचारु संचालन के लिए विभिन्न दलों से लगातार संवाद बनाए हुए हैं।

खामेनेई का...

जुलाई में सऊदी समाचार माध्यम अल-हदाथ ने इजरायली सुरक्षा सूत्रों के हवाले से दावा किया था कि खामेनेई ईरान में नहीं हैं। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी एक साक्षात्कार में दावा किया था कि सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान का शीर्ष सैन्य नेतृत्व लगभग निष्क्रिय हो चुका है और खामेनेई भी सामान्य रूप से काम करने की स्थिति में नहीं हैं।

ईरान के सरकारी अधिकारियों ने पहले खामेनेई की चोटों को मामूली बताते हुए कहा था कि वे देश के रणनीतिक मामलों की निगरानी और आवश्यक निर्देश देना जारी रखे हुए हैं। हालांकि, उनके लंबे समय से सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने के कारण उनकी सेहत और नेतृत्व क्षमता को लेकर अटकलें लगातार बढ़ रही हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक खामेनेई की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, अस्पताल में भर्ती होने अथवा उनकी गंभीर हालत संबंधी दावों की ईरानी सरकार द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इसलिए इन रिपोर्टों को फिलहाल दावों और मीडिया रिपोर्टों के रूप में ही देखा जा रहा है।

सनम...

राजेश्वर राव का दावा है कि बाद में पत्नी के मोबाइल की जांच करने पर उन्हें व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम पर ऐसे संदेश मिले, जिनमें उनकी हत्या की कथित योजना बनाई गई थी। उन्होंने इन चैट के स्क्रीनशॉट सुरक्षित रखने का दावा किया है।शिकायत के अनुसार, चैट में कथित रूप से सड़क दुर्घटना का रूप देकर हत्या करने की बात लिखी गई थी। हालांकि, इन चैट की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।राजेश्वर राव ने बताया कि उन्होंने 1 अगस्त को डोर्नाकल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए अपनी जान को खतरा बताया और सुरक्षा की मांग की। पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर मामला आगे की जांच के लिए खम्मम ग्रामीण पुलिस थाने भेज दिया।बाद में उन्होंने खम्मम ग्रामीण पुलिस थाने में पुनः शिकायत देकर सुरक्षा तथा शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

खम्मम ग्रामीण क्षेत्र के सर्किल इंस्पेक्टर ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और सभी आरोपों की जांच की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तलाक़ में ...

10 मई को मुख्यमंत्री विजय के शपथ ग्रहण समारोह में तृषा भी मौजूद थीं। वहीं, 4 मई को चुनाव परिणाम वाले दिन वह विजय के नीलांकरई स्थित आवास पर भी पहुंची थीं। संयोगवश उसी दिन तृषा का 43वां जन्मदिन भी था।

थाईलैंड स्कूल...

पुलिस और प्रशासन घटना के पीछे तीन प्रमुख संभावित कारणों की जांच कर रहे हैं।पढ़ाई और परीक्षा का तनाव: थाईलैंड के प्रधानमंत्री के अनुसार छात्र लंबे समय से पढ़ाई और परीक्षा के दबाव में था। उसके मित्रों ने भी पुलिस को बताया कि वह मानसिक तनाव की बात अक्सर करता था। घर का सख्त माहौल: छात्र अपने दादा-दादी के साथ रहता था। पुलिस का कहना है कि उसकी दादी, जो स्वयं शिक्षिका थीं, पढ़ाई को लेकर काफी अनुशासनप्रिय थीं। जांच एजेंसियां इस पहलू को भी खंगाल रही हैं। वीडियो गेम से जुड़ी आशंका: उप गृह मंत्री पोलापी सुवानचावी ने बताया कि छात्र को वीडियो गेम खेलने का शौक था। पुलिस इस संभावना की भी जांच कर रही है कि कहीं किसी गेम से जुड़े कथित ''टास्क'' या अन्य प्रभाव का इस घटना से संबंध तो नहीं है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। थाईलैंड में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर गोलीबारी की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। ऐसी घटनाओं के बाद सरकार ने हथियारों की उपलब्धता पर निगरानी बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की बात कही थी। इसके बावजूद समय-समय पर होने वाली ऐसी घटनाओं ने एक बार फिर स्कूलों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य सहायता व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

दैनिक हिंदी शुभ लाभ, हैदराबाद शनिवार, 08 अगस्त, 2026

प्लास्टिक और पॉलीमर उद्योग को तेलंगाना में मजबूत बनाएं: श्रीधर बाबू

प्लास्टिक उद्योग भारत में 4.5 लाख करोड़ का उद्योग है, जो सालाना 6–9 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, और 2031 तक इसी तरह की वृद्धि की उम्मीद है: डॉ. राजू देसाई

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्लास्टिक और पॉलीमर क्षेत्र को भारत की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख इंजन बताते हुए तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने उद्योग के हितधारकों से अपील की कि वे सरकार के साथ मिलकर तेलंगाना को प्लास्टिक और पॉलीमर विनिर्माण का अग्रणी केंद्र बनाएं।

मंत्री ने शुक्रवार को एचआईटीईएक्स प्रदर्शनी केंद्र में हाईप्लेक्स 2026 का उद्घाटन किया, जो दक्षिण एवं मध्य भारत का सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदर्शनी और भारत का तीसरा सबसे बड़ा प्लास्टिक एक्सपो है।

तेलंगाना एवं आंध्र प्लास्टिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टीएएपीएमए) द्वरा आयोजित इस चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में 550 से अधिक प्रदर्शक शामिल हैं और इसमें भारत तथा विदेश से 55,000 से अधिक व्यावसायिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है।

500 से अधिक उद्योग नेताओं, उद्यमियों और प्रदर्शकों की सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि यह प्रदर्शनी मशीनों और उत्पादों से कहीं अधिक का प्रतिनिधित्व करती है।

यहां उपस्थित सभी लोगों ने जीवन की यात्रा में किसी न किसी रूप में प्लास्टिक का अनुभव किया है। यह प्रदर्शनी केवल उत्पादों और मशीनरी के बारे में नहीं है। यह सपनों, उद्यमिता, नवाचार और भविष्य में निवेश करने के साहस को दर्शाती है, उन्होंने कहा।

उन्होंने कहा कि आज लगभग हर विनिर्माण क्षेत्र किसी न किसी रूप में प्लास्टिक और पॉलीमर पर निर्भर है।

प्लास्टिक और पॉलीमर उद्योग भारत की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख इंजन है। यह लगभग 50 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और एक करोड़ से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है। केवल तेलंगाना में लगभग दो लाख परिवार इस उद्योग पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर हैं।

उन्होंने देखा कि जैसे–जैसे विनिर्माण बढ़ता है, उद्योग विस्तार करते हैं, रोजगार बढ़ता है और देश की अर्थव्यवस्था समृद्ध होती है।

क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि उद्योग ने भू–राजनीतिक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल की अस्थिर कीमतों, उतार–चढ़ाव वाली पॉलीमर कीमतों, लॉजिस्टिक्स व्यवधानों, ऊर्जा चुनौतियों और श्रम की कमी को सफलतापूर्वक पार किया है।

उद्योग आसान समय में नहीं बनते। वे कठिन समय में बनते हैं। आपकी लचीलापन ने आपको पहले से कहीं अधिक मजबूत बना दिया है, उन्होंने जोड़ा।

निरंतर सरकारी समर्थन का आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा: तेलंगाना सरकार आपकी प्रगति में भागीदार है। आपकी सफलता हमारी सफलता है। जब भी उद्योग के हित में नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी, सरकार आपके साथ खड़ी रहेगी।

तेलंगाना की औद्योगिक विकास कहानी को उजागर करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य पहले ही आईटी, आईटीईएस, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी), रक्षा और एयरोस्पेस में अग्रणी के रूप में स्थापित हो चुका है।

अब हम प्लास्टिक और पॉलीमर क्षेत्र में भी उसी सफलता को दोहराना चाहते हैं। भविष्य उन उद्योगों का है जो जिम्मेदारी से नवाचार करते हैं, स्थिरता को अपनाते हैं और हरित विनिर्माण प्रथाओं को अपनाते हैं। आइए मिलकर तेलंगाना को प्लास्टिक और पॉलीमर विनिर्माण के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाएं। मंत्री ने एचआईपीएलईएक्स 2026 शो डायरेक्टरी भी जारी की।

उद्योग के आंकड़े और विकास की संभावनाएं

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. राजू देसाई, अध्यक्ष, प्लास्टइंडिया फाउंडेशन, ने कहा कि भारत का प्लास्टिक उद्योग 4.5 लाख करोड़ का उद्योग बन गया है, जो सालाना 6–9 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, और 2031 तक इसी तरह की वृद्धि की उम्मीद है।

आज यह उद्योग लगभग 55 लाख लोगों को रोजगार देता है, जबकि इस वर्ष निर्यात 1.4 लाख करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भारत अपने उपभोग किए गए प्लास्टिक का लगभग 60 प्रतिशत पुनर्चक्रण करता है, जिससे देश प्लास्टिक पुनर्चक्रण में वैश्विक अग्रणियों में शामिल है।

डॉ. देसाई ने उल्लेख किया कि पैकेजिंग अभी भी उद्योग की मांग का लगभग आधा हिस्सा है, जबकि स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरण सबसे तेजी से बढ़ते खंडों में से हैं। ऑटोमोटिव क्षेत्र, हल्के पदार्थों और इलेक्ट्रिक वाहनों द्वारा संचालित, उपभोग का लगभग 15 प्रतिशत योगदान देता है।

अरविंद मेहता, अध्यक्ष, गवर्निंग काउंसिल, ऑल इंडिया प्लास्टिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एआईपीएमए), ने कहा कि उद्योग को अब चार रणनीतिक प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए निर्यात, प्रौद्योगिकी अपनाना, कौशल विकास और स्थिरता।

उन्होंने देखा कि भारत के पास प्लास्टिक उत्पादों के निर्यात को काफी हद तक बढ़ाने और एक मजबूत वैश्विक विनिर्माण आधार बनने की अपार क्षमता है।

अनिल रेड्डी वेन्नम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, एआईपीएमए, ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की सरकारों से अपील की कि वे विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ एक समर्पित प्लास्टिक्स पार्क स्थापित करें, जिससे एमएसएमई विनिर्माण इकाइयां स्थापित कर सकें।उन्होंने कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट के साथ 250 एकड़ भूमि आवंटन की भी मांग की ताकि रीसाइक्लिंग क्लस्टर बनाया जा सके।उन्होंने दोनों राज्य सरकारों से बुनियादी ढांचे, जल प्रबंधन, पैकेजिंग और चिकित्सा प्लास्टिक में निवेश को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया, जिसका लक्ष्य 2030 तक दोनों राज्यों में प्लास्टिक उपभोग को दो मिलियन टन तक बढ़ाना और राष्ट्रीय बाजार में उनकी हिस्सेदारी को 8 प्रतिशत से अधिक करना है।उन्होंने कहा कि हाईप्लेक्स को उन्नत प्रसंस्करण मशीनरी, रीसाइक्लिंग सिस्टम, बायो–पॉलीमर और अगली पीढ़ी की पॉलीमर प्रौद्योगिकियों के लाइव प्रदर्शन के लिए समर्पित 2 मेगावाट बिजली आपूर्ति प्रदान की गई है।

हाईप्लेक्स 2026: स्थिरता और नवाचार का मंच

नरेंद्र बल्दवा, अध्यक्ष, टीएएपीएमए, ने कहा कि 55 वर्ष पुराना यह संघ, जो 1,000 से अधिक सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है, प्लास्टिक क्षेत्र में प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्थिरता को लगातार बढ़ावा देता रहा है।

मीला जयदेव, संयोजक, हाईप्लेक्स 2026, ने कहा कि प्लास्टिक आधुनिक जीवन के लिए अपरिहार्य हो गए हैं।

पिन से लेकर हवाई जहाज तक, प्लास्टिक हर जगह हैं। असली सवाल यह नहीं है कि प्लास्टिक मौजूद होने चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि उन्हें कितनी जिम्मेदारी से उत्पादित, उपयोग और पुनर्चक्रित किया जाना चाहिए।उन्होंने उल्लेख किया कि भारत में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक उपभोग लगभग 7 किलोग्राम है, जबकि चीन में 24 किलोग्राम है, जो जबरदस्त वृद्धि क्षमता का संकेत देता है। हाईप्लेक्स 2026 का सबसे बड़ा आकर्षण समर्पित रीसाइक्लिंग पवेलियन है, जहां आगंतुक देख सकते हैं कि कैसे त्यागे गए प्लास्टिक को सड़कों, रेलवे स्लीपर, फर्नीचर, निर्माण सामग्री और यहां तक कि वस्त्रों जैसे उच्च–मूल्य उत्पादों में बदला जाता है। प्रदर्शनी में लाइव मशीनरी प्रदर्शन, तकनीकी सम्मेलन, ज्ञान सत्र और व्यावसायिक नेटवर्किंग कार्यक्रम भी शामिल हैं, जो उभरते कच्चे माल, रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों, स्थिरता, स्वचालन और भविष्य के विनिर्माण रुझानों को कवर करते हैं। हाईप्लेक्स 2026 सात प्रदर्शनी हॉलों में फैला है, जो 26,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र को कवर करता है और 10 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 10.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक आगंतुकों के लिए खुला रहेगा।

अग्रवाल शिक्षा समिति के डिग्री ओरिएंटेशन सत्र में विद्यार्थियों को सफलता के सूत्र

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कौशल विकास और करियर निर्माण पर विशेषज्ञों ने किया मार्गदर्शन

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति के तत्वावधान में डिग्री ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, शैक्षणिक वातावरण तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके पश्चात वाद्य यंत्रों के माध्यम से 'वंदे मातरम्' की प्रस्तुति दी गई तथा गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। एस. डी. सिग्नोदिया कॉलेज के प्राचार्य प्रो. दल पाडल ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद मुख्य अतिथि का सम्मान किया गया।

समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डिग्री शिक्षा उनके जीवन का महत्वपूर्ण चरण है। उन्होंने विद्यार्थियों को नवीन ज्ञान अर्जित करने, सकारात्मक सोच अपनाने तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने जीवन का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन, परिश्रम और लगन के साथ उसे प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। संस्थान प्रत्येक विद्यार्थी को आवश्यक शैक्षणिक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराएगा। सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में अनेक नए पाठ्यक्रम और करियर के अवसर उपलब्ध हैं। इसलिए विद्यार्थियों को अपनी रुचि, योग्यता और भविष्य की संभावनाओं के अनुरूप सही पाठ्यक्रम का चयन करना चाहिए तथा विशेषज्ञों और शिक्षकों के मार्गदर्शन में अपने कौशल का निरंतर विकास करना चाहिए।कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक कौशल की आवश्यकता पर विशेष जोर। राधा कृष्ण महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. के. पद्मप्रिया ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया।

मुख्य अतिथि प्रो. के.वी. अचलपति, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा, व्यक्तित्व विकास और करियर निर्माण पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन में सही दिशा और सफलता का आधार है।

उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि कठिन परिस्थितियां व्यक्ति को मजबूत बनाती हैं। वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), डिजिटल तकनीक और आधुनिक कौशल तेजी से बदलती दुनिया की आवश्यकता बन चुके हैं।

उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विश्लेषण, डिजिटल तकनीक, वित्तीय तकनीक और व्यावहारिक कौशल सीखकर भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का उन्होंने उदाहरणों सहित समाधान भी प्रस्तुत किया।

बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की रही सहभागिता

कार्यक्रम के अंत में एन.बी.एस.सी. महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जी. बाबू राव ने धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन एन.बी.एस.सी. महाविद्यालय की उपप्राचार्या जी. कविता ने किया।

इस अवसर पर समिति की एकेडमिक निदेशिका डॉ. सरोज जैन, एकेडमिक संयुक्त निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल, समिति की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी आराधना मोदानी, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रमुख, प्राचार्य, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में नए शैक्षणिक सत्र के प्रति उत्साह, आत्मविश्वास तथा भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच का संचार किया।

आरबीआई हैदराबाद ने शहरी सहकारी बैंकों के लिए सक्षम प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

तेलंगाना के 48 शहरी सहकारी बैंकों के अध्यक्षों एवं निदेशकों के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा पर क्षमता निर्माण

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रमोद कुमार केडिया, अध्यक्ष, द अग्रसेन को–ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड एवं उपाध्यक्ष तेलंगाना यूसीबी फेडरेशन; श्री जे. स्वामीनाथन, उप निदेशक, आरबीआई, सेंट्रल ऑफिस, मुंबई; श्री चिन्मय कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई, हैदराबाद; श्री मदन गोपाल स्वामी, अध्यक्ष आदर्श को–ऑप बैंक एवं कार्यकारी अध्यक्ष तेलंगाना यूसीबी फेडरेशन; तथा श्री प्रभुती समल, उप महाप्रबंधक, आरबीआई हैदराबाद ने 07.08.2026 को द लीला होटल, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में आरबीआई हैदराबाद द्वारा आयोजित एक दिवसीय सक्षम प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

क्षमता निर्माण पर केंद्रित प्रशिक्षण

यह प्रशिक्षण तेलंगाना के 48 शहरी सहकारी बैंकों के सभी अध्यक्षों तथा प्रत्येक बैंक के कुछ निदेशकों के लिए आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य कॉर्पोरेट गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा संबंधी पहलुओं पर क्षमता निर्माण करना तथा सभी अध्यक्षों एवं निदेशकों के ज्ञान संवर्धन और पर्यवेक्षी कार्रवाई के लिए विभिन्न इनपुट प्रदान करना था, ताकि शहरी सहकारी बैंकों का बेहतर संचालन सुनिश्चित हो सके।आरबीआई के विशेषज्ञ संकाय द्वारा सत्रआरबीआई पुणे स्थित कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल बैंकिंग तथा आरबीआई बेंगलुरु के संकाय सदस्यों ने सभी प्रतिभागियों के लाभ के लिए सत्र लिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम शाम 5.30 बजे संपन्न हुआ।

उदय कृष्णा रेड्डी केस में बड़ा मोड़

उदय ने पूछताछ में करीबी रिश्ते और उत्पीड़न की बात स्वीकारी

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद में महिला ट्रेनी खझड अधिकारी से जुड़े बहुचर्चित मामले में नया मोड़ सामने आया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हैदराबाद के पुलिस आयुक्त साज्जनार अत्तापुर पुलिस स्टेशन पहुंचे। उन्होंने जांच अधिकारियों से उदय कृष्णा रेड्डी की हिरासत, पूछताछ की प्रगति, अब तक जुटाए गए साक्ष्यों तथा आगे की जांच की दिशा के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और साक्ष्य-आधारित जांच जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान उदय कृष्णा रेड्डी ने जांच अधिकारियों के सामने स्वीकार किया कि वह महिला ट्रेनी खझड अधिकारी के साथ करीबी संबंध में था। उसने कथित तौर पर कहा कि महिला द्वारा किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लेने को वह स्वीकार नहीं कर पाया और इसी कारण उसने उसे परेशान किया। हालांकि, इस कथित स्वीकारोक्ति की अभी तक पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। महिला ट्रेनी आईपीएस अधिकारी ने उदय कृष्णा रेड्डी के खिलाफ यौन उत्पीड़न, पीछा करने, मारपीट, आपराधिक धमकी, निजी वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस

डिजिटल साक्ष्यों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य उपलब्ध प्रमाणों की भी जांच कर रही है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारी जांच की लगातार निगरानी कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, उदय कृष्णा रेड्डी की ओर से पहले आरोपों को खारिज करते हुए यह दावा किया गया था कि दोनों के बीच संबंध आपसी सहमति से थे। ट्रेनी आईपीएस उदय कृष्णा रेड्डी ने अत्तापुर पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए उप्परपल्ली कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अदालत में दायर अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि अत्तापुर पुलिस ने पूछताछ के दौरान कानून और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया तथा उनके साथ अनुचित और अपमानजनक व्यवहार किया।

याचिका के अनुसार, उदय कृष्णा रेड्डी का कहना है कि पूछताछ के दौरान पुलिसकर्मियों ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पूछताछ ऐसे स्थान पर की गई, जहां कोई सीसीटीवी कैमरा मौजूद नहीं था। उनका दावा है कि इससे पूछताछ की पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और वैधानिकता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।

मामले की सुनवाई के दौरान उप्परपल्ली कोर्ट ने इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए अत्तापुर पुलिस को नोटिस जारी किए हैं। अदालत ने पुलिस से विस्तृत जवाब मांगा है कि पूछताछ सीसीटीवी कैमरों की निगरानी वाले स्थान पर क्यों नहीं की गई और इस संबंध में लागू नियमों का पालन क्यों नहीं हुआ।

अदालत ने यह भी स्पष्ट करने को कहा है कि पूछताछ के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया क्या थी और क्या पुलिस ने संबंधित दिशा-निर्देशों एवं कानूनी प्रावधानों का पालन किया। यदि नहीं, तो उसके पीछे क्या कारण थे। यह मामला अब न्यायिक समीक्षा के दायरे में है। अत्तापुर पुलिस को अदालत के समक्ष अपना पक्ष और स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना होगा। पुलिस के जवाब के आधार पर अदालत आगे की कार्रवाई और अगली सुनवाई की दिशा तय करेगी।

इस प्रकरण ने एक बार फिर पुलिस पूछताछ की प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, पारदर्शिता और नागरिकों के अधिकारों को लेकर बहस को तेज कर दिया है।

जोगीपेट सरकारी अस्पताल में बड़ा फर्जीवाड़ा

सरकारी डॉक्टर की जगह निजी डॉक्टर करता रहा इलाज, जांच में खुलासा

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रमेश अपनी जगह निजी दंत चिकित्सक से करवा रहे थे ड्यूटी

स्वास्थ्य विभाग की जांच में मामला उजागर, डॉ. रमेश निलंबित

स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने दिए उच्च स्तरीय जांच के आदेश।

जोगीपेट (संगारेड्डी जिला), 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
संगारेड्डी जिले के जोगीपेट एरिया अस्पताल से सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की जांच में खुलासा हुआ है कि अस्पताल में तैनात डिप्टी सिविल सर्जन (जनरल मेडिसिन) डॉ. रमेश कथित रूप से अपनी सरकारी ड्यूटी के दौरान स्वयं

उपस्थित नहीं रहते थे और उनकी जगह एक निजी दंत चिकित्सक, डॉ. रवि, मरीजों का उपचार कर रहे थे। बताया जा रहा है कि विभागीय अधिकारियों द्वारा की गई जांच के दौरान अस्पताल में ड्यूटी व्यवस्था और मरीजों के उपचार से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की गई। इसी दौरान यह मामला उजागर हुआ कि सरकारी चिकित्सक की जिम्मेदारियां एक निजी डॉक्टर निभा रहा था। जांच टीम ने इस पूरे घटनाक्रम का विवरण वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा।

प्रारंभिक जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने डॉ. रमेश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। उन पर सरकारी सेवा नियमों के उल्लंघन, ड्यूटी में लापरवाही तथा अपनी जगह किसी अन्य व्यक्ति से सरकारी कार्य कराने के आरोप लगे हैं। विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ मामले की विस्तृत जांच भी शुरू कर दी गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा और उपचार व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। मंत्री ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह व्यवस्था कब से चल रही थी और इसमें किन-किन अधिकारियों या कर्मचारियों की भूमिका रही।

स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को जोगीपेट एरिया अस्पताल के अधीक्षक के विरुद्ध भी विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि जांच निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से पूरी हो तथा दोषी पाए जाने वाले सभी व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जांच अभी जारी है। यदि जांच में किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता सामने आती है, तो उनके विरुद्ध भी विभागीय एवं प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के सामने आने के बाद सरकारी अस्पतालों की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।

दूध की ट्रे पर चोर की नजर: जीडीमेटला में सीसीटीवी में कैद सीरियल चोरी

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मेडचल-मलकाजगिरि जिले के पेट बशीराबाद पुलिस थाना क्षेत्र के जीडीमेटला इलाके में एक दूध की दुकान को लगातार निशाना बनाए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक पिछले एक महीने से तड़के सुबह के समय दुकान के बाहर रखी दूध की ट्रे चोरी कर फरार हो रहा है।

दुकान संचालक विष्णुवर्धन रेड्डी के अनुसार, बीते एक महीने के दौरान 10 से अधिक बार इसी तरह की चोरी की घटनाएं हुई हैं। बार-बार हो रही चोरी से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करने पर एक युवक दूध की ट्रे उठाकर ले जाता हुआ दिखाई दिया। चोरी की पूरी घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है, जिसके आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

दुकान संचालक की शिकायत पर पेट बशीराबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

अशोक फाउंडेशन ने किया बसंत मित्तल का स्वागत

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अखिल भारतीय अग्रवाल महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत मित्तल एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मोहन अग्रवाल (रायचूर) के हैदराबाद आगमन पर अशोक फाउंडेशन एवं कुंभ मेला अग्रवाल बंधु के अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर संगठन को अधिक सशक्त, संगठित एवं प्रभावी बनाने, समाजहित के कार्यों में तेजी लाने तथा संगठन के विस्तार को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने समाज में एकता, सहयोग तथा युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

स्वागत समारोह में सुभाष अग्रवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने समाज की उन्नति और संगठन की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धा, समर्पण और सेवा भाव के साथ आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, असहाय एवं राहगीरों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा के इस पुनीत कार्य ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि निस्वार्थ भाव से की गई मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद अपनी स्थापना से ही समाज के वंचित एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए निरंतर कार्यरत है। ग्रुप के सदस्य प्रतिदिन बिना किसी भेदभाव के प्रेम, करुणा

और आत्मीयता के साथ अन्नदान एवं विभिन्न जनसेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। सेवा का यह सतत अभियान समाज में मानवीय संवेदनाओं को सशक्त करने के साथ-साथ दूसरों के जीवन में आशा और विश्वास का संचार भी कर रहा है।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपने जीवन का कुछ समय और संसाधन समाज सेवा के लिए अवश्य समर्पित करना चाहिए। किसी भूखे को भोजन कराना, पीड़ित के चेहरे पर मुस्कान लाना और जरूरतमंद की सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य है। ऐसे सेवा कार्य समाज में सहयोग, सद्भाव और मानवता की भावना को और अधिक मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, भंवरलाल अग्रवाल, संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

सभी ने भविष्य में भी इसी समर्पण और उत्साह के साथ सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

सोमाजीगुड़ा स्थित रुट्स जूनियर कालेज में स्मृति पद्मा जोसेफ के नेतृत्व में बोनालु मनाया गया। प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने बोनम उठा कर माता रानी को समर्पित किया। अवसर पर कालेज की प्राचार्या स्मृति पदमा जोसेफ ने बोनालु उत्सव के महत्व को बताया।

स्कूल में बोनलू उत्सव का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना संस्कृति के प्रतीक बोनलू उत्सव का आयोजन अट्टापुर स्थित ब्लूमिंग बड्स द स्कूल में बच्चों को इस पर्व की विशेष प्रकृति से अवगत कराने के लिए किया गया। प्रधानाचार्य उमेश सिंह और संवाददाता पावनी ठाकुर ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों में प्रकृति की हरियाली और उसके संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। बोनलू आषाढ़ मास का एक लोक पर्व है। 'बोनम' का अर्थ भोजन होता है। इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य महिलाओं द्वारा भक्तिभाव से चावल, दूध और गुड़ पकाकर घड़ों में भरकर गांव की देवी-देवताओं (महाकाली, येल्लम्मा आदि) को धन्यवाद स्वरूप अर्पित करना है, जिससे रोगों से सुरक्षा मिले और एकता का प्रदर्शन हो। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि बोनलू उत्सव के अवसर पर छात्रों को प्रकृति के प्रति जागरूक बनाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। छात्रों ने बोनम के साथ उत्सव मनाया। कार्यक्रम में स्कूल की शिक्षिकाएं प्रियंका, कविता शर्मा और कीर्ति रेड्डी तथा अन्य लोगों ने भाग लिया।बोनलू के साथ भाग लेने वाले छात्र त्रिवेदा, पर्णिका आध्या और देवा धनस्वी थे।

राधे-राधे ग्रुप ने अ. भा. अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का किया स्वागत

समाज सेवा, संगठन विस्तार और युवा सशक्तिकरण पर दिया जोर

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल के हैदराबाद आगमन पर राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद की ओर से उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन करते हुए सफल एवं जनसेवा से परिपूर्ण कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। ग्रुप के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि बसंत कुमार मित्तल के नेतृत्व में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन समाज की एकता, संगठन, शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और सेवा कार्यों को नई दिशा देगा।

अपने संबोधन में बसंत कुमार मित्तल ने राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे अन्नदान एवं जन-सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि निस्वार्थ सेवा समाज को जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी सदस्यों से समाजहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल का भी राधे-राधे ग्रुप की ओर से सम्मान किया गया। उपस्थित सदस्यों ने उनके सामाजिक एवं संगठनात्मक योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। अंत में सभी ने समाज में सेवा, संस्कार, संगठन और सहयोग की भावना को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनकल्याण के कार्यों को निरंतर गति देने का संकल्प लिया।

पॉस्को मामले में दोषी व्यक्ति को दस साल की सज़ा

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में हैदराबाद की बाल यौन अपराध रोकथाम संरक्षण (पॉस्को) मामलों की विशेष अदालत ने 2019 में यौन उत्पीड़न के एक मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराया है और उसे दस साल की कठोर कैद के साथ 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने मोहम्मद मोहसिन (45) को अपनी 12 वर्षीय भतीजी के यौन उत्पीड़न के लिए भारतीय दंड संहित (भादंस) और पॉस्को अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया। शुक्रवार को पुलिस के एक बयान के अनुसार यह अपराध तब सामने आया जब पीड़िता ने अपनी मां को उत्पीड़न के बारे में बताया, जिसके बाद 22 मई 2019 को बंजारा हिल्स पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करायी गयी । जांच और मुकदमे के दौरान भरोसा सेंटर ने पीड़िता और उसके परिवार को काउंसलिंग, भावनात्मक सहयोग और पुनर्वास में मदद दी।

श्री शिव महापुराण कथा में पहुंचे राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज

व्यासपीठ पर आचार्य युवराज पांडे का किया सम्मान, श्रद्धालुओं ने लिया कथा का लाभ

शिवरीनारायण (छत्तीसगढ़), 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं श्री शिवरीनारायण मठ तथा श्री दूध-ाधारी मठ, रायपुर के पीठाधीश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने केसरवानी परिवार द्वारा मेला ग्राउंड में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में श्रद्धापूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य युवराज पांडे जी का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। वहीं आचार्य युवराज पांडे जी ने भी पुष्पमाला एवं शाल ओढ़ाकर महन्त जी का अभिनंदन किया।

महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने अपने सहयोगियों के साथ श्री शिव महापुराण कथा का श्रवण कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर तेलंगाना से दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज के सह सचिव एवं अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा (तेलंगाना) के प्रदेशाध्यक्ष महेश अग्रवाल, महाराष्ट्र के पौनी से सोमा कावड़े, पामगढ़ विधायक शेषराज हरबंस, राघवेंद्र प्रताप सिंह, योगेश शर्मा, सुखराम दास, निर्मल दास वैष्णव, पुरेंद्र सोनी, गोपाल केवट, खगेश वर्मा, हर्ष दुबे, अंकित दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.